ARCHA

2024-25

SH. L.N. HINDU COLLEGE, ROHTAK

A Govt. Aided Post Graduate Co-Educational College,
Affiliated to M.D. University, Rohtak, Approved by AICTE, New Delhi,
NAAC Accredited & ISO 9001: 2015 Certified Institute
Bhiwani Road, Rohtak

हमारे प्रेरणास्त्रोत

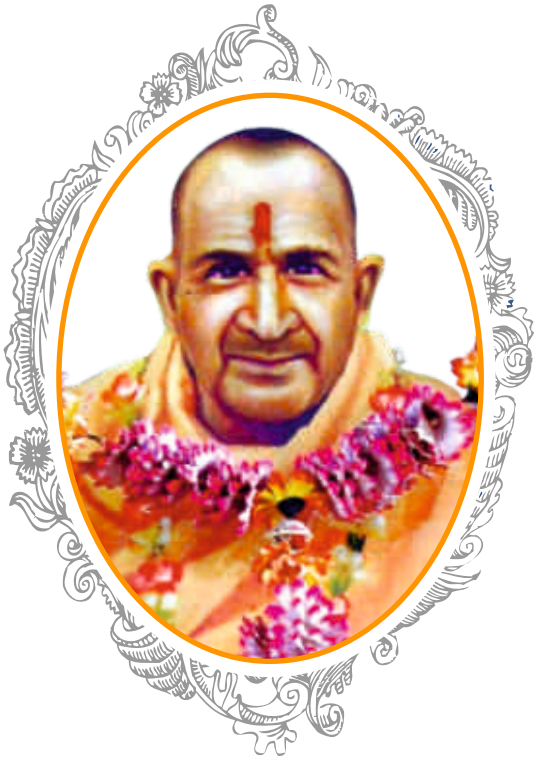

संत शिरोमणि
स्वामी गुरुचरण दास जी महाराज

संत शिरोमणि
बाबा लालनाथ जी महाराज

माननीय डॉ. मंगलसैन जी

संस्थापक, श्री लालनाथ हिन्दू महाविद्यालय, रोहतक

संत शिरोमणि स्वामी गुरुचरण दास जी महाराज

स्वामी श्री गुरुचरण दास जी का जन्म सन् 1890 में कश्मीर में हुआ। इनके बचपन का नाम पंडित कृपाराम था। बाल्य अवस्था में ही उन्होंने घर का त्याग कर दिया और ज्ञान प्राप्ति के लिए निकल पड़े। उनके गुरु का नाम स्वामी ब्रह्मदास था। स्वामी ब्रह्मदास झंग मधियाना के निवासी थे। श्री गुरुचरण दास जी आज़ादी के आन्दोलन में भी शामिल हुए और 1942 में जेल यात्रा की। इन्होंने पाकिस्तान, बर्मा, भूटान आदि देशों में धर्म प्रचार का कार्य किया। सन् 1947 में इन्होंने आश्रम का निर्माण करवाया। 1948 में वे रोहतक पहुंचे व श्री सनातन धर्म पुत्री पाठशाला की स्थापना की, जो आज दो विशाल भवन, पुत्री पाठशाला व कन्या उच्चतर विद्यालय के रूप में स्थित है। 1950 में उन्होंने दुर्गा भवन मंदिर का निर्माण बिरला मंदिर दिल्ली की तर्ज पर करवाया। इन्होंने अनेकों जगहों पर सनातन धर्म मदिरों का निर्माण करवाया जिसमें रोहतक का बजरंग भवन मंदिर व गुफा मंदिर प्रसिद्ध है। स्वामी जी अपने पूरे जीवनकाल में सामाजिक कार्यों में लीन रहे। 1962 में भारत चीन युद्ध में स्वामी जी ने 11 लाख रुपये की धन राशि सरकारी राहत कोष में दान दी। सन् 1971 में उन्होंने डॉ. मंगलसेन जी के साथ मिलकर श्री लालनाथ हिन्दू कॉलेज की नींव रखी, जो आज शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है। सन् 1978 में स्वामी जी सांसारिक यात्रा पूरी करके प्रभु के चरणों में विलीन हो गए।

संत शिरोमणि बाबा लालनाथ जी महाराज

श्री लालनाथ जी का जन्म सन् 1725 में हुआ। वे जूना अखाड़े के महंत थे, जो आजकल गुजरात में है। गुरु जी से शिक्षा प्राप्त करके इन्होंने धर्म प्रचार का काम शुरु किया। सारे भारत का भ्रमण करते हुए और धर्म प्रचार करते हुए सन् 1812 में उन्होंने पूर्वी पाकिस्तान के झंग शहर के मेहता चौक पर धूनी लगाकर तपस्या की। झंग शहर में उन्होंने लक्ष्मी नारायण मंदिर बनवाया जो आज भी वहां स्थित है। उनके अनुयायी प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति थे। बाबा लालनाथ जी सामाजिक कुरीतियों के घोर विरोधी थे और वे जन-मानस में किसी भी भेदभाव के खिलाफ थे। उनके अनुयायियों ने पूरे भारत वर्ष में धर्म का प्रचार किया। बाबा लालनाथ जी शिक्षा के समर्थक थे। उनके पद चिन्हों पर चलते हुए उनके अनुयायियों द्वारा कॉलेज को भूमि प्रदान की गई ताकि रोहतक क्षेत्र के बच्चे शिक्षा से वंचित न रह सकें। सन् 1847 में उन्होंने अपना शरीर छोड़ दिया। उनके बाद श्री वासुदेव जी 18वें महंत रहे जिन्होंने कॉलेज को भूमि दान की।

माननीय डॉ. मंगलसैन जी

डॉ मंगल सेन जी का जन्म 27 अक्तूबर, सन् 1927 को सरगोधा के झांवरिया गांव (पाकिस्तान) में हुआ। आप अपने अध्ययन काल के प्रारंभ से ही एक कुशाग्र बुद्धि और होनहार छात्र थे। प्रारंभ से ही उनका जीवन समाज के लिए समर्पित रहा है । प्रखर राष्ट्रवादी होने के साथ-साथ राष्ट्रार्थ सब कुछ त्यागने की सदैव उनकी आकांक्षा रही। आपने बी. ए. , एल. एल. बी. तक की शिक्षा प्राप्त की तथा वे होम्योपैथिक चिकित्सक थे ।

हिंदुत्व, राष्ट्रवाद व भारतीय संस्कृति के सजग प्रहरी थे। आरम्भ से ही उनके व्यक्तित्व में आत्मविश्वास, निर्भीकता और सत्य निष्ठा इस प्रकार कूट-कूट कर भरी हुई थी कि किसी भी परिस्थिति में वे अपने सिद्धांतों से विचलित नहीं होते थे। वे परम निष्ठावान समाजसेवक थे, जो कि नि:स्वार्थ भावना से जीवन पर्यन्त कार्य करते रहे । हिंदी आंदोलन हो या गौ हत्या बंद करने संबंधी आंदोलन, कश्मीर समस्या हो या हरियाणा के हितों की रक्षा, पाकिस्तान या चीन के आक्रमण के समय में अथवा प्रत्येक सामाजिक व राष्ट्रीय संकट के क्षणों में उनकी अत्यंत सक्रिय भूमिका रही। 1946 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में उन्होंने अपना सार्वजिनिक जीवन प्रारंभ किया था । अनेक वर्षों तक जम्मू-कश्मीर प्रांत में कार्य किया । 1947 में जब कश्मीर पर आक्रमण हुआ तब आप उड़ी में थे। विभिन्न आंदोलन तथा सत्याग्रहों में 15 बार आप जेल गए तथा लगभग 6 वर्षों से अधिक कारावास की यात्राओं को सहा ।

''आयाराम - गयाराम'' की राजनीति में जहां राजनीति को कलंक लगा दिया है, राजनीति की आड़ में जहां स्वार्थ और भ्रष्टाचार व्याप्त हो रहा है ,वहा डॉक्टर साहब की छवि एक ईमानदार एवं देशभक्त राजनीतिज्ञ के रूप में रही है। उन्होंने सदा ही अपने सहयोगियों से नहीं, अपने विरोधियों से भी सम्मान प्राप्त किया था। आज की राजनीति में जहां नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जाते हैं वहां इतने लंबे समय तक राजनीति में रहने के बाद भी उन पर इस प्रकार का आरोप नहीं लगा इसलिए उनकी आवाज़ में आत्म शक्ति थी, दबंगता थी ।

डॉक्टर साहब अनेक सामाजिक, धार्मिक एवं शिक्षण संस्थानों से जुड़े हुए थे। 1971 में आपके ही कठोर परिश्रम एवं सद्प्रयत्नों से हिंदू कॉलेज की स्थापना हुई। मेडिकल कॉलेज एवं विश्वविद्यालय की स्थापना में आपका सक्रिय योगदान रहा। आपका यही प्रयास था कि शिक्षा के माध्यम से नवयुवकों में राष्ट्रचिंतन को एक दिशा मिले। उनके मन में भावी पीढ़ी के हृदय में राष्ट्रीयता की भावना जागृत करने की उत्कंठ इच्छा थी ।

डॉक्टर साहब अलौकिक गुणों के धनी थे। कर्तव्य-परायणता, ईमानदारी एवं कर्मठता, निस्वार्थ तथा दृढ़ इच्छाशक्ति, त्याग, दूरदर्शिता एवं स्पष्टवादिता अनेक गुणों से विभूषित उस विराट पुरुष के गुण आज भी हमारी चेतना में जीते हैं। मृत्यु से कुछ समय पहले रोगों एवं कष्टों से घिरे होने पर भी उन्होंने कार्य करना नहीं छोड़ा। 2 नवंबर, 1990 को राम कार सेवा के लिए अस्वस्थ होते हुए भी अनेक कार्यकर्ताओं के साथ अयोध्या गए जहां उन्हें गिरफ्तार कर पीलीभीत जेल में रखा गया। भारत माता के इस अनन्य सपूत का 2 दिसंबर, 1990 को हृदयगति रुक जाने से देहांत हो गया ।

VISION

To be a leading institute with centre of excellence in education that meets the need of global community.

MISSION

To create an atmosphere of all- round excellence in education with the purpose of developing academically and professionally groomed students with sound knowledge, human values and professional ethics.

INSTITUTIONAL VALUES

The core values adopted by our college as fundamental principles are-

(i) Integrity-We work with integrity to meet the highest academic, professional and ethical standards.

(ii) Respect- We respect and honor the dignity of each individual and foster a diverse, inclusive and safe community.

(iii) Transparency & Accountability- We act with responsibility, and conduct our activities with complete and open transparency. We are accountable in our decisions, actions and their consequences.

(iv) Leadership- We develop and demonstrate leadership skills for students, staff and community.

(v) Teamwork- We work in a team and encourage collaborations.

(vi) Excellence- We relentlessly pursue excellence in education and research by fostering creativity and innovation for society's benefit.

(vii) Social Responsibility- We work together for the betterment of our college and communities we serve.

CONTENTS

Sr. No.	Name	Page No.
1.	Messages	1-7
4.	Editorial Board	8-9
5.	List of Office Bearers	10
6.	Annual Report (2024-2025)	11-17
7.	Visit of NAAC Peer Team in College Campus	18-26
8.	Glimpses From NCC	27-28
9.	Glimpses From NSS	29-30
10.	Glimpses From Youth Red Cross	31-32
11.	Glimpses From Yoga & Training Cell	33-34
12.	Glimpses From Student Welfare Department	35
13.	Glimpses From Women Cell	36
14.	Glimpses From Career Guidance Cell	37
15.	Glimpses From IPR Cell	38
16.	Glimpses From Students Counseling Cell	39
17.	Glimpses From Red Ribbon Club	40
18.	Glimpses From Ik Bharat Shreshth Bharat	41
19.	Glimpses From Sports	42
20.	Hindi Section	43-64
21.	Sanskrit Section	65-73
22.	English Section	74-94
23.	Commerce Section	95-115
24.	Science Section	116-128
25.	IT Section	129-146
26.	News Paper	147

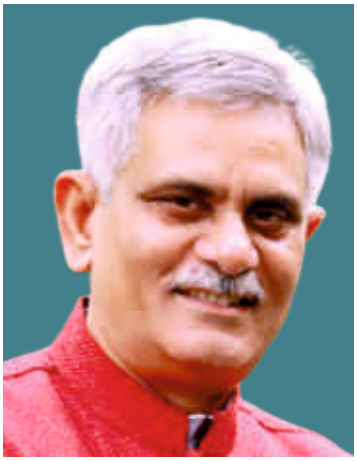

संदेश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि श्री लालनाथ हिन्दू कॉलेज, रोहतक द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका 'अर्चा' का प्रकाशन किया जा रहा है।

देश की भावी पीढ़ी के भविष्य को उज्ज्वल बनाने व उन्हें सभ्य, अनुशासित एवं एक सफल नागरिक बनाने में शिक्षा का महत्त्वपूर्ण योगदान है। वैश्वीकरण के इस युग में यह आवश्यक है कि हम विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करके उन्हें जीवन की हर चुनौती का सामना करने योग्य बनाएं।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित !

मनीष कुमार ग्रोवर
पूर्व सहकारिता मन्त्री

संदेश

यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारे कॉलेज के मुखपत्र के रूप में 'अर्चा' का प्रकाशन नियमित रूप से किया जा रहा है।

'अर्चा' एक ऐसी पत्रिका है जिसके माध्यम से हिन्दू शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित हिन्दू कॉलेज की समस्त गतिविधियों को उजागर किया जाता है। 'अर्चा' में प्रकाशित गतिविधियों के बारे में जानकारी, विद्यार्थियों द्वारा सम्पन्न विशिष्ट कार्यक्रम तथा प्रतिभा प्रदर्शन के अनेक उद्देश्यों के माध्यम से सभी को प्रेरणा मिलती है। इसके साथ अनेक प्रकार की रचनाएं तथा अन्य लेखन सामग्री से भी लाभ उठाया जा सकता है।

इस पत्रिका को आकर्षक तथा उपयोगी बनाने के लिए प्रकाशक मण्डल, प्राध्यापक वर्ग तथा विद्यार्थियों का योगदान सराहनीय है और ये सभी बधाई के पात्र हैं।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित !

Shyam Kapoor

श्याम कपूर
प्रधान
हिन्दू शिक्षण संस्थान, रोहतक

संदेश

यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारे महाविद्यालय द्वारा हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी वार्षिक पत्रिका 'अर्चा' का प्रकाशन होने जा रहा है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं, अपितु विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के बहुमुखी विकास के लिए उचित वातावरण तथा अवसर प्रदान करना भी है। ऐसी पत्रिकाओं के माध्यम से विविध रचनाओं के अध्ययन का भी अवसर प्राप्त होता ही है, साथ ही विद्यार्थियों में निहित लेखन प्रतिभा का भी विकास होता है।

आशा है कि यह पत्रिका अपने उद्देश्य में सफल रहेगी। पत्रिका से जुड़े सभी प्राध्यापक गणों तथा विद्यार्थियों को बधाई।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित !

संजय आहूजा
महासचिव
हिन्दू शिक्षण संस्थान, रोहतक

Message by PRINCIPAL

Dear Students, Faculty, and Readers,

It brings me great joy to present annual edition of our college magazine 'Archa' - a reflection of the vibrant energy, talent, and dedication that define our institution. A college is more than just classrooms and lectures-it's a space where ideas are born, friendships are formed, and futures are shaped. This magazine captures those moments, thoughts, and dreams that often go unnoticed in our daily rush. As you flip through these pages, I hope you pause, smile, reflect and feel proud to be part of this journey.

Various cells and clubs have made commendable contributions in shaping the holistic development of our students. Each event, campaign and competition reflect not only talent but also teamwork, leadership and a deep sense of social responsibility.

I extend my heartfelt appreciation to the editorial team, contributors and all those who have worked tirelessly to bring this edition to life with such care and creativity. Let us continue to keep learning, keep creating and keep celebrating the journey.

Warm wishes and happy reading!

With best regards,

Dr. Anil Kumar Taneja
Principal,
Sh. L.N. Hindu College, Rohtak

Message

Nurturing creativity and inspiring innovation are the two key elements of a successful education and a college magazine is the perfect amalgamation of both. I am glad to write this message for the 'Archa' Magazine. This Magazine will be a mirror reflecting the minds of our students and will showcase the journey of Sh. L.N Hindu college during the Academic session 2024-25.

I congratulate the Editorial team on their endeavour to bring out this Magazine and my good wishes to the staff and students.

Rashmi Chhabra

Dr. Rashmi Chhabra
IQAC, Coordinator
Sh. L.N. Hindu College, Rohtak

सम्पादकीय ...

प्रिय विद्यार्थियों,

महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'अर्चा' के माध्यम से आपको सम्बोधित करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। जहाँ छात्रों के ज्ञान की वाक्-शक्ति के प्रकटीकरण के लिए प्रायः सभी महाविद्यालयों में अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं एवं समारोहों का आयोजन होता है। वहाँ लेखन-शक्ति का भी विकास हो सके एतदर्थ-महाविद्यालय पत्रिका का प्रकाशन आवश्क हो जाता है।

कर्म जीवन का आधार है। कोई भी मनुष्य कर्म किए बिना नहीं रह सकता। प्रत्येक मनुष्य अपने स्वभाव के अनुसार कर्म करता है। अगर आप निष्क्रिय रहना चुनते हैं तो आप स्वयं को विनाश की ओर ले जाते हैं। प्रकृति को देखो-झर-झर करते झरने और तालाब के ठहरे पानी के अन्तर को समझो। ठहरा हुआ पानी गंदा और दुर्गन्धयुक्त हो जाता है जबकि बहता हुआ पानी स्वच्छ और शुद्ध रहता है । अगर आप जीवन में सफल होना चाहते हैं तो आपको निरंतर बहते हुए पानी का सिद्धांत अपनाना होगा। जैसे नदियाँ सभी रूकावटों का सामना करते हुए अंततः सागर में मिल जाती हैं उसी प्रकार आपको भी निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास व लगन से अपने लक्ष्य को पाना है।

'अर्चा' के सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करती हुई मैं विद्यार्थियों से अपेक्षा करती हूँ कि वे भविष्य में अधिक मौलिक एवं स्वतंत्र विचारों से सम्पन्न रचनाओं का योगदान कर 'अर्चा' को अधिक समृद्ध बनायें।

अंत में आपके उज्ज्वल, गरिमामयी व गौरवशाली भविष्य की अभिलाषा एवं शुभकामनाओं के साथ !

श्रीमती अनिला बठला
एसोसिएट प्रोफेसर
विभागाध्यक्षा, संस्कृत विभाग
मुख्य-संपादिका, अर्चा

सम्पादकीय ...

प्रिय विद्यार्थियों,

हम सब सामाजिक प्राणी हैं और साहित्य का जन्म समाज की संवेदनाओं के स्पंदन से होता है। साहित्यकार की कलम से निकले शब्द समाज के विचारों, मूल्यों और भावनाओं को एक नई दिशा देते हैं। श्रेष्ठ साहित्य का प्रभाव व्यापक और स्थायी रूप में पड़ता है। साहित्य के माध्यम से हम जीवन के अनुभवों को आत्मसात कर संस्कारित होते हुए संस्कृति के रंग में रंगते हैं।

इस पत्रिका के सह-संपादिका के रूप में, मेरा सौभाग्य है कि मैं इस सृजनात्मक प्रक्रिया की भागीदार बनी। यह अंक केवल एक संकलन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की रचनात्मक ऊर्जा, उनकी सोच और उनके भीतर छिपे विचारों की एक जीवंत झलक है।

आज जो बीज हम बोएंगे, वही कल वृक्ष बनकर छाया देंगे। वर्तमान की नींव पर ही हमारा भविष्य खड़ा होगा। इसलिए विद्यार्थी जीवन में मेहनत, लगन, आत्मविश्वास और दृढ़-संकल्प के साथ ज्ञानार्जन करते हुए हमें शिक्षा और सद्गुणों को आत्मसात करना चाहिए।

सही मार्ग पर किया गया छोटा-सा भी प्रयास हमारी पहचान स्पष्ट कर सकता है। विद्यार्थी जीवन में समय के महत्व को पहचान कर जो परिश्रम करते हैं, उनके मार्ग की असावधानियाँ भी सध जाती हैं। इसलिए उठो, जागो और लक्ष्य पथ पर बढ़ते रहो, सफलता अवश्य तुम्हारा स्वागत करेगी।

अब्दुल कलाम जी लिखते हैं-

अगर तुम सूरज की तरह चमकना चाहते हो, तो पहले सूरज की तरह जलना सीखो।

इन्हीं आशाओं और अपेक्षाओं के साथ, आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ!

Suman

डॉ० सुमन रानी
सहायक प्राध्यापिका, हिन्दी विभाग
सह-सम्पादिका, अर्चा

EDITORIAL BOARD

Patron
Dr. Anil Kumar Taneja
Principal

Editor in Chief
Mrs. Anila Bathla
Associate Professor of Sanskrit

Co Editor
Dr. Suman Rani
Assistant Prof. of Hindi

STAFF EDITORS

Dr. Sumit Kumari Dahiya
English Section

Dr. Geeta Devi
Hindi Section

Dr. Deepti Sharma
Commerce Section

Ms. Pratibha Saini
Science Department

Dr. Parveen Sharma
Sanskrit Section

Dr. Reena Katyal
IT Section

ARCHA
2024-25

STUDENT EDITORIAL BOARD

LATIKA
B.A. 3rd, (10009)

TRIPTI
B.A. 3rd, (10073)

PRIYA
B.A. 3rd, (10005)

KASHISH
B.Com 2nd, (13631)

HARSH
B.C.A. 3rd, (11477)

KIRAN
B.Sc. 3rd, (11118)

Sections	Staff Editors	Student Editors
English	Dr. Sumit Kumari Dahiya	LATIKA, B.A. 3rd
Sanskrit	Dr. Parveen Sharma	TRIPTI, B.A. 3rd
Hindi	Dr. Geeta Devi	PRIYA, B.A. 3rd
Commerce	Dr. Deepti Sharma	KASHISH, B.Com 2nd
IT	Dr. Reena Katyal	HARSH, B.C.A. 3rd
Science	Ms. Pratibha Saini	KIRAN, B.Sc. 3rd

Hindu Education Society (Regd.), Rohtak
List of Office Bearers - 2025

Sr. No.	Name	Post
1.	Sh. Shyam Kapoor	President
2.	Sh. Ramesh Sehgal	Former President
3.	Sh. Rajesh Kumar Sehgal	Former President
4.	Sh. Sudarshan Kumar Dhingra	Former President
5.	Sh. Ajay Nijhawan	Vice-President
6.	Sh. Sanjay Ahuja	General Secretary
7.	Sh. Jatin Luthra	Treasurer
8.	Sh. Pardeep Sapra	Vice-President
9.	Sh. Gulshan Dhingra	Vice-President
10.	Sh. Radhey Shyam Dhall	Vice-President
11.	Sh. Devender Aghi	Vice-President
12.	Sh. Bharat Bhushan Bhatia	Manager (HCR)
13.	Sh. Rajesh Makkar	Manager (SFS, HCR)
14.	Sh. Jitender Mehta	Manager (HIMT)
15.	Sh. Gulshan Rai Dhall	Manager (HPS)
16.	Sh. Ashok Pasrija	Joint Secretary
17.	Sh. Vishal Bhatia	Joint Secretary
18.	Sh. Basant Uppal	Joint Secretary
19	Sh. Kushal Harjai	Joint Secretary

वार्षिक प्रतिवेदन (2024-25)

श्री लालनाथ हिन्दू महाविद्यालय, रोहतक (हरियाणा)

श्री लालनाथ हिन्दू महाविद्यालय, जो कि महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक से सम्बद्ध है, पिछले कई वर्षों से शिक्षा के प्रचार-प्रसार में अपना योगदान दे रहा है। किसी भी देश, समाज तथा लोकतंत्र के सशक्त भविष्य के लिए एकमात्र साधन है- शिक्षा, इसलिए उच्च शिक्षा की उपयोगिता एवं आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सन् 1970 में हिन्दू शिक्षण संस्थान पंजीकृत हुआ। संत शिरोमणि 1008 स्वामी श्री गुरुचरण दास जी के आशीर्वाद तथा माननीय डॉ० मंगलसैन जी के सद्-प्रयासों एवं दानवीर महापुरुषों के योगदान से 1971 में हिन्दू महाविद्यालय की स्थापना की गई।

इस महाविद्यालय की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास कर ऐसे आदर्श चरित्रवान एवं देशभक्त नागरिकों का निर्माण करना है जिनके मुखमण्डल पर आभा, प्रसन्नता, जीवन में तेजस्विता, व्यवहार में कुशलता, बुद्धि में कुशाग्रता तथा संस्कारों में भारतीय महापुरुषों के उच्चादर्श झलकते हों और जिन्हें देखते ही हमें अपने पूर्वजों की वीरतापूर्ण गाथाएं याद आने लगें।

हिन्दू शिक्षण संस्थान की प्रबंध समिति के कुशल संचालन से गत् वर्षों में इस महाविद्यालय ने हरियाणा के शैक्षणिक मानचित्र पर रोहतक जिले में अपना एक विशेष स्थान बनाया है।

श्री लालनाथ हिन्दू महाविद्यालय, रोहतक महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक से कला, विज्ञान एवं वाणिज्य की शिक्षा हेतु संबंधित है।

ARTS, SCIENCE & COMMERCE

Arts - B.A., M.A., (Hindi), BAJMC.

Commerce- B.Com., B.Com. (Vocational), B.Com. (Honours), M.Com.

Science - B.Sc. (Medical & Non Medical), M.Sc. Maths

इसके अतिरिक्त Hindu Institute of Management & Technology (HIMT) के अन्तर्गत MCA , MBA तथा BCA कक्षाओं के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। महाविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संबंधी गतिविधियों एवं उनमें प्राप्त उपलब्धियां प्रारंभ से ही रोहतक क्षेत्र के विद्यार्थियों का आकर्षण का केन्द्र रही हैं।

वर्तमान सत्र 2024-25 में 1723 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। छात्र-छात्राओं को केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार तथा अन्य संस्थाओं से प्राप्त विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियां नियमानुसार उपलब्ध एवं सुलभ कराने के सभी प्रयास किए जाते हैं। अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित स्थानों पर नियमानुसार प्रवेश दिया जाता है। सत्र 2024-25 में कॉलेज के विभिन्न विभागों द्वारा कई शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

हिन्दी विभाग

हिन्दी विभाग में डॉ० अंजू देशवाल (विभागाध्यक्षा), डॉ० सुमन रानी, डॉ० गीता, डॉ० सीमा, श्रीमती किरण देवी के मार्गदर्शन में हिन्दी दिवस पर गायन प्रतियोगिता व समाचार वाचन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया।

अंग्रेजी विभाग

अंग्रेजी विभाग में डॉ० शिखा फौगाट (विभागाध्यक्षा), डॉ० सुमित कुमारी दहिया, डॉ० हर्षिता, डॉ० रौनक सिंह के मार्गदर्शन में सात दिवसीय सामाजिक कल्याण अभियान, 'द मंकीज पा नाटक' दिखाया गया ।

संस्कृत विभाग

संस्कृत विभाग में श्रीमति अनिला बठला (विभागाध्यक्षा), डॉ० प्रवीण कुमार के मार्गदर्शन में शिव स्तुति गायन प्रतियोगिता, वैदिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता गतिविधियों आदि का आयोजन करवाया गया।

राजनीति शास्त्र विभाग

राजनीति शास्त्र विभाग में डॉ० रजनी कुमारी (विभागाध्यक्षा), डॉ० प्रोमिला के मार्गदर्शन में भाषण प्रतियोगिता, शपथ ग्रहण समारोह, 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' आदि गतिविधियों का आयोजन करवाया गया।

इतिहास विभाग

इतिहास विभाग में डॉ० नीलम (विभागाध्यक्षा), डॉ० हरदीप सिंह के मार्गदर्शन में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, शैक्षणिक भ्रमण (राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली), का आयोजन करवाया गया।

गणित विभाग

गणित विभाग में डॉ० मीनाक्षी गुगनानी (विभागध्यक्षा), डॉ० सन्नी कपूर, कुमारी सोनम, डॉ० प्रियंका साहनी, श्रीमती संतोष के मार्गदर्शन में मेथेमैटिक्स रंगौली एवं मेथेमैटिकस पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया।

शारीरिक शिक्षा विभाग

शारीरिक शिक्षा विभाग में डॉ० प्रदीप कुमार श्योराण, श्रीमती मौसम के मार्गदर्शन में खो-खो (महिला), लॉन टेनिस (महिला), किक्रेट मैच आदि गतिविधियों का आयोजन करवाया गया।

वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग में डॉ० रश्मि छाबड़ा (विभागाध्यक्षा), डॉ० शालू, डॉ० दीप्ति, डॉ० राजेश गहलावत के मार्गदर्शन में विस्तार व्याख्यान 'डीकोडिंग बजट', फ्रॉड बैंकिंग 45 दिवसीय टैली एसोसिएशन लेवल प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, 45 दिवसीय जी.एस.टी. ऑन टैली प्राइम, विस्तार व्याख्यान, कॉपीराइट ट्रेडमार्क, पेंटेट आदि गतिविधियों का आयोजन करवाया गया।

अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग में डॉ० बंदना रंगा (विभागाध्यक्षा), डॉ० संदीप कुमार, श्रीमती चंदना जैन, के मार्गदर्शन में पावर प्वांइट प्रस्तुतीकरण, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (2025), नई दिल्ली, एक दिवसीय शैक्षणिक ट्रिप भ्रमण, साप्ताहिक सामाजिक कल्याण अभियान, एक दिवसीय सूरज कुण्ड मेला (2025) फरीदाबाद आदि गतिविधियों का आयोजन करवाया गया।

संगीत विभाग

संगीत विभाग में डॉ० रिचा एवं कुमार अक्षय के मार्गदर्शन में अभिविन्यास कार्यक्रम, प्रतिभा खोज प्रतियोगिता, हरियाणा शहीदी दिवस, लोहड़ी, गणतंत्र दिवस आदि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करवाया गया।

कम्प्यूटर साईंस विभाग

कम्प्यूटर साईंस विभाग में डॉ० पूजा चावला (विभागाध्यक्षा), डॉ० रीना कत्याल, डॉ० प्रीति यादव, श्रीमती प्रीति भारद्वाज, श्रीमती मधु विज के मार्गदर्शन में पाइथन पाठ्यक्रम कोर्स, माइक्रोसोफ्ट ऐक्सेल पाठ्यक्रम कोर्स, ब्रोशर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया।

गृह विज्ञान विभाग

गृह विज्ञान विभाग में डॉ० ममता सहगल के मार्गदर्शन में फैब्रिक पेंटिंग, पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया।

विज्ञान विभाग

विज्ञान विभाग में डॉ० पूजा चावला, श्रीमती रीतू कुमारी, प्रतिभा, डॉ० सविता, डॉ० मनीष, कुमारी मनीषा एवं कुमारी स्वाति के मार्गदर्शन में वैज्ञानिक रंगोली प्रतियोगिता, ओजोन दिवस पर स्लोग्न एवं पोस्टर प्रतियोगिता राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी, साईंस भाषण प्रतियोगिता आदि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करवाया गया।

पत्रकारिता और जनसंचार विभाग

पत्रकारिता और जनसंचार विभाग में डॉ० सुमित कुमार के मार्गदर्शन में अमर उजाला भ्रमण, हरियाणा फिल्म महोत्सव व रील मेकिंग महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय में भाग लिया।

एन.सी.सी. प्रकोष्ठ

एन.सी.सी प्रकोष्ठ में डॉ० राजेश गहलावत, डॉ० हरदीप के मार्गदर्शन में विस्तार व्याख्यान, स्वास्थ्य जाँच शिविर, रक्तदान शिविर, रैंक समारोह आदि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करवाया गया।

यूथ रेडक्रॉस प्रकोष्ठ

यूथ रेडक्रॉस प्रकोष्ठ के अन्तर्गत डॉ० शालू, डॉ० हरदीप, डॉ० नीलम के मार्गदर्शन में रक्तदान शिविर, राष्ट्रीय मतदान दिवस, ग्रामीण स्वास्थ्य जाँच शिविर आदि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई

राष्ट्रीय सेवा योजना में डॉ० रजनी कुमारी (यूनिट-1) डॉ० प्रवीन कुमार (यूनिट-2) के मार्गदर्शन में सात दिवसीय कार्यशाला, शैक्षणिक जागरूकता अभियान पोस्टर मेकिंग और नारा लेखन, स्लम क्षेत्र में दान अभियान आदि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करवाया गया।

योग प्रशिक्षण प्रकोष्ठ

योग प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के अन्तर्गत श्रीमती अनिला बठला और डॉ० रौनक राठी के मार्गदर्शन में सात दिवसीय साप्ताहिक सूर्य नमस्कार शिविर और अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन करवाया गया।

महिला प्रकोष्ठ

महिला प्रकोष्ठ में डॉ० प्रोमिला, कुमारी सरयू के मार्गदर्शन में तीज महोत्सव, लोकमाता अहिल्याबाई होलकर (300वां जन्म जयंती वर्ष), अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस आदि का आयोजन करवाया गया।

एक भारत - श्रेष्ठ भारत

एक भारत - श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ के अन्तर्गत डॉ० नीलम के मार्गदर्शन में भाषण प्रतियोगिता, नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया।

छात्र परामर्श प्रकोष्ठ

छात्र परामर्श प्रकोष्ठ में श्रीमती चंदना जैन के मार्गदर्शन में टीचर्स डे बेस्ट मैसेज कंटेंट, विस्तार व्याख्यान, आई.बी.एम. गुरूग्राम शैक्षणिक भ्रमण आदि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करवाया गया।

छात्र/छात्रा कल्याण प्रकोष्ठ

छात्र/छात्रा कल्याण प्रकोष्ठ में डॉ० अन्जू देशवाल, डॉ० रजनी कुमारी, डॉ० हर्षिता, डॉ० रिचा के मार्गदर्शन में अभिविन्यास कार्यक्रम, प्रतिभा खोज, हरियाणा शहीदी दिवस, विस्तार व्याख्यान आदि विभिन्न गतिविधयों का आयोजन करवाया गया।

करियर गाइडेंस सेल

करियर साइसेंस सेल के अन्तर्गत डॉ० सन्नी कपूर, श्रीमती प्रीति यादव एवं श्रीमती मधु विज के मार्गदर्शन में प्लेसमेंट ड्राइव इन कॉलोब्रेशन अमर उजाला, ऐथिक्स कम्प्यूटर, एक्सिस बैंक, शैक्षणिक भ्रमण आई.बी.एस. गुरूग्राम बूट कैम्प कार्यशाला एमिटी विश्वविद्यालय इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रकोष्ठ

बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रकोष्ठ के अन्तर्गत डॉ० सुमन रानी, डॉ० दीप्ति, श्रीमती चंदना जैन, कुमारी प्रतिभा व सविता देवी के मार्गदर्शन में विस्तार व्याख्यान का आयोजन करवाया गया। जिसका विषय कॉपीराइट, ट्रेडमार्क पेटेंट रहा।

विश्वविद्यालय आउटरीच कार्यक्रम

विश्वविद्यालय आउटरीच कार्यक्रम के अन्तर्गत डॉ० हरदीप के मार्गदर्शन में रक्तदान शिविर, ग्रामीण स्वास्थ्य जाँच शिविर आदि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ

कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ के अन्तर्गत डॉ० संदीप कुमार के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय मतदाता दिवस, पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण गतिविधियों का आयोजन करवाया गया।

रेड रिबन प्रकोष्ठ

रेड रिबन प्रकोष्ठ के अन्तर्गत डॉ० हर्षिता, डॉ० सुमित कुमारी दहिया के मार्गदर्शन में नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता, रक्तदान शिविर, वर्ल्ड एड्स डे, जागरुकता अभियान आदि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करवाया गया।

VISIT OF NAAC PEER TEAM IN COLLEGE CAMPUS

NAAC Peer Team Welcome

IQAC Cell

Commerce Department

Career Guidance Cell

NCC

NSS

YRC

Student Welfare Department

Library

Women Cell

Skill Development Centre

Language Lab

Computer Science Lab

Presentation By Principal

Presentation By IQAC Coordinator

Presentation By Computer Science Deptt.

Presentation By Sanskrit Deptt.

Interaction with Faculty Members

Cultural Evening

Science Laboratories

Home Science Lab

Sports Room

Boys Common Room

Meeting with Students

MEETING WITH ALUMNI

Exit Meeting

Glimpses From NCC

Glimpses From NCC

Glimpses From NSS

Glimpses From NSS

Glimpses From Youth Red Cross

Glimpses From Youth Red Cross

Glimpses From Yoga & Training Cell

Glimpses From Yoga & Training Cell

Glimpses From Student Welfare Department

Glimpses From Women Cell

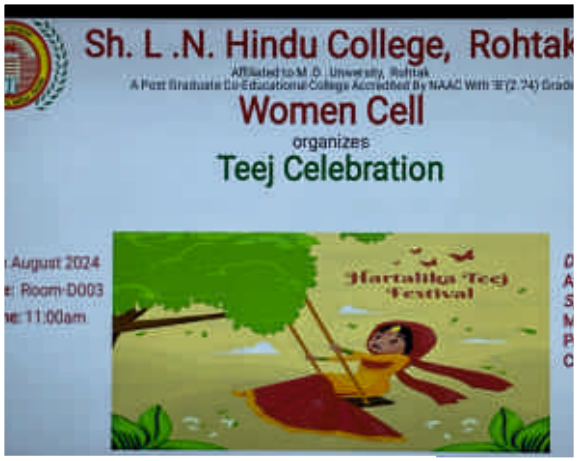

Glimpses From Career Guidance Cell

Glimpses From IPR Cell

Glimpses From Students Counseling Cell

Glimpses From Red Ribbon Club

Glimpses From Ik Bharat Shreshth Bharat

Glimpses From Sports

हिन्दी अनुभाग

रामधारी सिंह दिनकर

दो में से क्या तुम्हें चाहिए कलम या कि तलवार
मन में ऊंचे भाव कि तन में शक्ति विजय अपार

डॉ० गीता देवी
सह-प्राध्यापिका (हिन्दी विभाग)

आलेख सूची

क्र. सं.	विषय	लेखक का नाम
1.	शिक्षकों पर भावुक कविता	प्रिया
2.	मंज़िल	नीलम
3.	साइबर क्राइम	राहुल हुड्डा
4.	संकल्प	कर्ण
5.	आत्मविश्वास	कृष्ण
6.	ऐ राह के मुसाफिर तू चला चल	कर्ण
7.	शिक्षक	विश्वजीत सिंह
8.	पिता-एक लेखक	मोहित
9.	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस	शिवम आर्य
10.	नारी सशक्तिकरणः चुनौतियाँ एवं सुझाव	सानवी
11.	प्रकृति	मनीषा
12.	नशा मुक्त भारत	शिल्पा
13.	''चले चलो''	अंजली सहरावत
14.	समय का सदुपयोग	अनमोल
15.	राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की भूमिका	अरूण
16.	अहिंसा परमो धर्मः	महेश्वरी
17.	सफलता की राहः आत्मविश्वास और परिश्रम	प्रिया
18.	कुछ खूबसूरत रिश्ते	तन्नू
19.	''आज मेरी बारी है''	साक्षी
20.	सोशल मीडिया की लतः एक बढ़ती हुई समस्या	करण कुमार
21.	बचपन	रितु रानी
22.	स्कूल की यादें	अर्शप्रीत
23.	युवा शक्ति	गर्विता
24.	ज़िन्दगी	पलक
25.	नारी का सम्मान	गर्विता

डॉ० गीता देवी
सह-प्राध्यापिका
(हिन्दी विभाग)

सम्पादकीय ...

कहा गया है कि जो मनुष्य साहित्य, संगीत तथा कला से विहीन है वह साक्षात् बिना पूंछ और सींगो वाला पशु ही है। संसार के सारे पशुओं में से केवल मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है जो हँस सकता है और खुशियाँ मना सकता है। नवरस के क्रोध, शाँत, वीर, विभत्स, श्रृंगार आदि भावों को समझ और अभिव्यक्त कर सकता है। किसी मधुर गीत को सुनकर, किसी सुंदर नृत्य की भाव-भंगिमाओं को देखकर, किसी मनोहर चित्र में रंगों की अनुपम छटा को देखकर या कोई सुरुचिपूर्ण कथा-कहानी को सुनकर मनुष्य प्राणी प्रफुल्लित हो सकता है।

परंतु कुछ मनुष्य ऐसे होते हैं जिन्हें इन कलाओं से कोई लेना देना नहीं होता है। खाना, पीना, डरना, सोना और स्वयं की सुरक्षा करना और निजी परिवार बढ़ाना जैसे प्रकृतिबद्ध काम तो सब पशु भी कर लेते हैं। यदि हम मानव भी मात्र यही काम करते रहे, तो हममें और अन्य प्राणियों में अंतर ही नहीं रहेगा। मात्र कलात्मकता एवं कल्पनाशीलता ही ऐसे गुण है जो हममें और अन्य पशुओं में भेद बनाते हैं। यह सब संभव है साहित्य, संगीत और कला से संस्कारित होने पर। कलाओं का रसपान पशु नहीं कर सकते हैं। केवल मनुष्य ही भाग्यशाली है जिसे प्रकृति ने ये क्षमता और समझ प्रदान की है।

लोकसंगीत की उत्पत्ति एक प्राकृतिक प्रक्रिया से हुई है, जो मनुष्य के विकास के साथ ही प्रारम्भ हुआ। अतः लोकसंगीत का जन्म लोकमानस से हुआ है अर्थात् मानव संस्कृति पर आधारित, मानव द्वारा निर्मित मानव समाज में प्रचलित संगीत ही लोकसंगीत है।

शास्त्रीय संगीत के क्लिष्ठ बंधनों से मुक्त लोक संगीत परिश्रम करते किसान, मांझी, मजदूर आदि सभी के लिए उपलब्ध एवं सहज ग्राह्य है। सामान्य लोकव्यवहार के उपयोग में लाने के लिए मानव अपने आनन्द की तरंग में जो छन्दोबद्ध वाणी सहज उद्भूत करता है, वही लोकगीत है। लोक के गीत हैं। जिन्हें कोई एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरा लोक समाज अपनाता है।

शिक्षकों पर भावुक कविता

प्रिया
बी.ए. तृतीय वर्ष (10005)

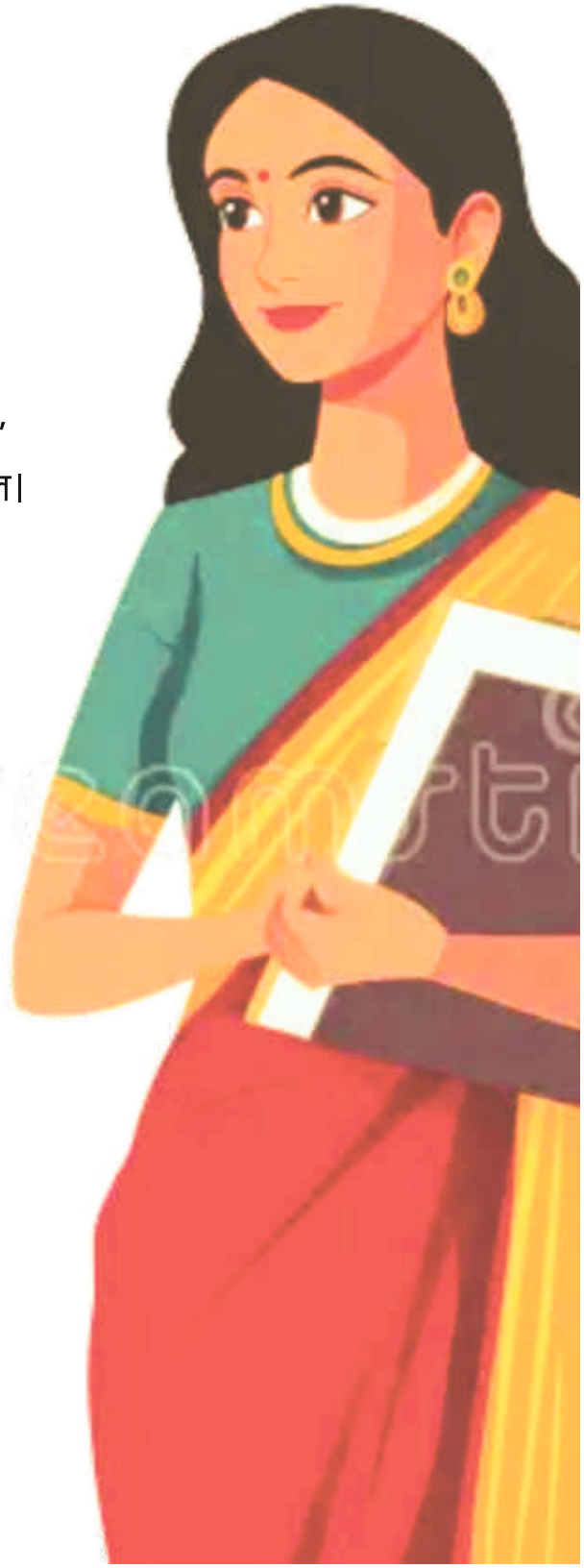

सालों से बिताए उस कक्षा के दिन,
शिक्षक की बातों में बसी थी सुकून की मिठास।
गहरी समझ से भरपूर, स्नेह से भरे हुए,
हर कठिनाई को उन्होंने समझाया, एक नई राह दी।

जब भी झुके थे कंधे, दिल से महसूस की उनके दर्द की आह,
हर शिकायत को उन्होंने देखा, प्यार से हल किया हर सवाल।
उनकी मेहनत की छाँव में, बढ़े कदम हमारे,
उनके शब्दों में था ज्ञान, जो हमें छू गया था गहरे।

समय के साथ जब बिछडे, दिल में बस गई यादें पुरानी,
उनकी छोटी-छोटी बातें, उनकी वो बातें जिंदगानी।
हर सफलता की खुशी में, उनका आशीर्वाद याद आया,
उनके बिना सफर अधूरा,
हर लम्हा उनकी कमी का एहसास दिलाया।

अब जब भी जीवन की राहें कठिन लगें,
उनके चेहरे की मुस्कान, दिल को सुकून पहुंचाए।
सच्चे शिक्षक, उनके चरणों में श्रद्धा और सम्मान,
उनकी यादें हमेशा, हमारे दिलों में बसी है
अमर, अडिग और महान।

मंज़िल

नीलम
बी.ए. द्वितीय वर्ष (13220)

आज समय का महत्त्व नहीं है हमें - 2
चले जाने पर बहुत रूलाएगा ये हमें।
आज का काम कल करना आम हो गया - 2
इसलिए ही तो जिन्दगी में जीना हराम हो गया।
आसान नहीं है, मंजिल को पाना - 2
मंजिल पाने को बहुत कुछ छोड़ना पड़ गया।
जिन्दगी की राह आसान नहीं लेकिन,
हम भी हार मानकर बैठने वाले इंसान नहीं।
माना जिन्दगी सुख-दुख दिखाएगी,
कभी रुलाएगी तो कभी हँसाएगी।
परन्तु इन सब के चलते हमें कोई रोक दे,
ऐसी कोई बात नहीं।
यूँ हीं लड़ती चली जाऊंगी, हर दुःख, आँसु पी जाऊँगी।
माना मंजिल दूर है मेरी,
पर फिर भी अपने इरादों में दम भरती जाऊँगी।
अभी आसमान है मेरा, मुझ से नहीं होगा,
मैं ऐसा कहकर रूक नहीं जाऊँगी।
अभी उड़ान बाकी है मेरी, मैं दिन-रात एक कर,
मंजिल को अपनी हासिल कर जाऊँगी।
कोई साथ नहीं है मेरे, मैं अपनी अहमियत समझाऊँगी।
कोई चाहे कुछ कहे, समाज को साबित कर दिखाऊँगी,
हाँ! एक नारी हूँ मैं! पुरुषों से आगे जाऊँगी।

कौन कहता है कामयाबी ज़िन्दगी तय करेगी मेरी,
मेरे इरादों में दम इतना है, मंज़िले झुका करेगी मेरी।
मैं अपनी कमज़ोरी को ही अपनी ताकत बनाऊँगी
और मंज़िल को पा जाऊँगी,
मत समझना कमज़ोर मुझे, तुमसे ज्यादा दम रखती हूँ।
तुम भी अपनी मंज़िल हासिल कर सकते हो,
बस किसी की सुनके हौंसले बिखरने मत देना।
खुद को टूटने मत देना,
बहुत मिलेंगे तुम्हें रोकने वाले,
बस तुम खुद को रुकने मत देना।

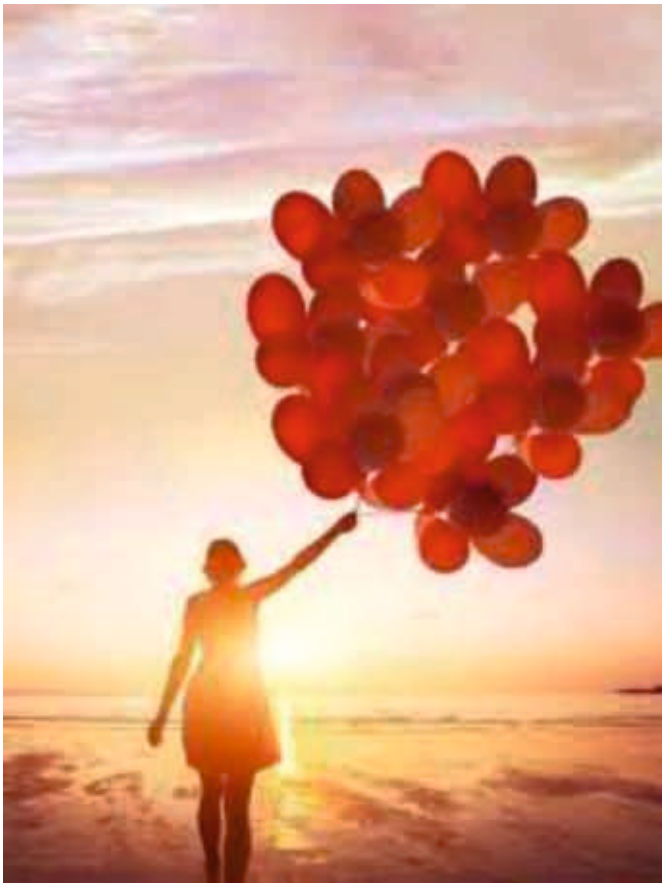

साइबर क्राइम

राहुल हुड्डा
बी.ए. तृतीय वर्ष (10309)

आज का युग तकनीक का युग है। कम्प्यूटर, इंटरनेट का युग है।आज प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह व्यस्क है, बच्चा या फिर बूढ़ा सब विभिन्न तकनीकी उपकरणों का प्रयोग कर रहे हैं। जिसमें एंड्रॉयड मोबाइल का प्रयोग सबसे अधिक संख्या में देखने को मिल रहा है। उसने हमारी बहुत सी परेशानियों को खत्म कर दिया है। आज प्रत्येक व्यक्ति अपना कार्य फोन पे ही पूरा कर सकता है। वह घर रहकर अपना आधार कार्ड अपडेट करवा सकता है, बैंक में खाता खोल सकता है, रेलवे टिकट बुक कर सकता, होटल बुक कर सकता है, अपने बिलों (बिजली, पानी) आदि का भुगतान कर सकता है, कुछ भी जानकारी प्राप्त कर सकता है। गेम्स खेल सकता है, तथा और भी बहुत कुछ कर सकता है। परंतु क्या वह इसका प्रयोग उचित प्रकार से कर पाता है या नहीं? बहुत बड़ी संख्या में लोग मोबाईलों का प्रयोग तो आवश्य करते है, परंतु वे इसके प्रति पूर्ण जागरुक नही हैं। जैसे आज लोग प्ले-स्टोर से बहुत सी 'एप' जो फेक होती हैं, उनको इंस्टॉल कर लेते हैं। और बिना दिशा-निर्देश पढ़े सब टिक कर परमिशन दे देते हैं, जिससे उपयोगकर्ता को बाद में नुकसान होता है। बहुत से बच्चे तो पब-जी, फ्री-फायर जैसे गेम्स में अपना सारा दिन व्यतीत कर रहे हैं। जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है। कुछ लोग स्टॉक मॉर्केट में निवेश वाली एप्स भी इंस्टॉल कर लेते हैं। लोगों को जानकारी होती नहीं कि स्टॉक मॉर्केट क्या है। आर. बी.आई के क्या दिशा निर्देश हैं, कैसे इंवेस्टमेंट करते हैं। वे मनी इंवेस्ट जरूर करते हैं जिससे उनका पैसा डूब जाता है।

आज सबसे ज्यादा लोग विंजो, जूपी, ड्रीम-11 इत्यादि ऑनलाइन गेम्स खेलते हैं, जिनमें पैसे दाव पर लगाने पड़ते हैं, लोग खुशी से, कि हम जीतेगें ही, पैसे लगाते और खेलते हैं इससे भी उनका ही नुकसान होता है। एक तो समय की बर्बादी, और दूसरा धन की। इसके अलावा 5 मिनट में लोन देने वाली फेक एप्स पर भरोसा कर इंस्टॉल करते हैं और जैसे-जैसे वो कहते हैं, सारे ओरिजनल दस्तावेज, ई-के.वाई.सी, ओ.टी.पी वगैरह देते जाते हैं, फिर इन लोगों के साथ धोखा हो जाता है। इसके अलावा और बहुत सी एप्लीकेशन हैं, जिनसे लोगों को नुकसान ही होता है। इसलिए सभी को जागरुक होना बहुत जरूरी है। खुद भी सावधानी का प्रयोग करें व दूसरों को भी जागरुक करें। जितना ऑनलाइन आज एक वरदान है एक क्लिक में सब हो जाता है, उतना ही अभिशाप भी है। क्योंकि एक गलत क्लिक से आपका फोन हैक भी हो सकता है। हम इन एप्लीकेशन का प्रयोग कर सकते हैं, परंतु पहले इसके बारे में जाँच पड़ताल करें। अगर वह ठीक है तो उसका प्रयोग करें, अन्यथा न करें। आज हमारे विषय में सबसे अधिक अगर कोई जानता है तो वो हमारा मोबाईल है। हम सब इसके गुलाम बनते जा रहे हैं। डाटा रिकवरी सबसे बड़ा खतरा है। हमारा डाटा हमारे विरुद्ध एक हथियार के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। इसलिए मोबाईल पर निर्भरता कम रखें। हर हफ्ते मोबाईल रिकवर अपडेट करें। अपनी तीनों पॉवर किसी को न दें। अगर हम छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखेंगे तो हम अवश्य ही सुरक्षित रहेंगे। इसलिए जागरूक रहें, सर्तक रहें।

संकल्प

कर्ण
एम.ए. प्रथम वर्ष (2422008)

दृढ़ है संकल्प, तो विकल्प नहीं ढूँढना,
निश्चय जब कर लिया, तो संकल्प नहीं तोड़ना।

खुद पर विश्वास और मन में उमंग हो,
कौशल के साथ अगर साहस का संग हो।
किसी भी काम को, अधर में नहीं छोड़ना।
निश्चय जब कर लिया .....

रात्रि एक दिन सुबह के साथ आयेगी,
अंधकार चिरकार प्रकाश साथ लाएगी,
ठान लिया एक बार मुँह नहीं मोड़ना।
निश्चय जब कर लिया .....

विचार को विचार कर,
दृष्ट को दुलार कर,
एक बार समझ कर हाथ नहीं छोड़ना।
निश्चय जब कर लिया .....

जीत के लिए तो संकल्प शुद्ध चाहिए,
आलस प्रमाद के विरुद्ध युद्ध चाहिए,
हारकर किसी से तू हाथ नहीं जोड़ना।
निश्चय जब कर लिया .....

आत्मविश्वास

कृष्ण
बी.कॉम. प्रथम वर्ष (2462036)

ये आसमाँ छिन गया तो क्या ?
नया ढूँढ लेगें। हम वो परिंदे नहीं,
जो उड़ना छोड़ देगें।

मत पूछ हौंसले हमारे,
आज कितने ही श्रब्ध हैं,
इक नई शुरुआत,
नया आरम्भ तय है...
माना अभी हम निःशब्द हैं।

कदम चलते रहेंगें,
जब तक श्वास हैं, परिस्थिति से परे,
स्वयं पर हमें विश्वास है।

एक रास्ता मिला नहीं तो किया हुआ,
नई राहें ढूँढ लेगें।
हम वो मुसाफ़िर नहीं,
जो चलना छोड़ देगें।

ख्वाबों को महका के रखते हैं,
हम मंज़िलों से वास्ता रखते हैं,
नशा हमें हमारी फितरत का,
हर हार करती है बुलन्द ...
इरादा जीत का।

ऐ राह के मुसाफिर तू चला चल

कर्ण
एम.ए. प्रथम वर्ष (2422008)

ऐ राह के मुसाफिर तू चला चल,
रूक क्यों जाता है मंज़िल की तलाश में।
तू एक बार ही सही सोच लिया कर,
क्या है तेरी मंज़िल ये पता कर।
एक राह के मुसाफिर तू चला चल ।।

सब रोकेंगे तुझे, टोकेंगे तुझे,
तू ये ना कर तू ये ना कर, बोलेगें तुझे,
पर तू ठहरना ना एक पल के लिए।
बस चला चल, चला चल, चला चल ।।

पैर अगर रूक जाएं, मन अगर बैठ जाए,
सिर पे तेज धूप हो, राह में काँटे खूब हों,
दिन हो, रात हो, ठण्ड हो, बरसात हो।
दरिया हो, समुद्र हो या सामने पहाड़ हो।
देख इनसे घबराना नहीं,
ऐ राह के मुसाफिर तू रूक जाना नहीं ।।

मुश्किलें आयेंगी, अपनो की याद सताएगी,
जब भी तू मंजिल के करीब होगा,
ये बहुत बढ़ जाएंगी।
पर तू इन्हें छोड़ कर, मुँह मोड़ कर,
चलते रहना अपनी राह पे,
पा जाएगा एक दिन अपनी मंजिल को।
बस रूक ना जाना याद में,
ऐ राह के मुसाफिर तू चला चल ।।

शिक्षक

विश्वजीत सिंह
एम.ए. द्वितीय वर्ष (15127)

जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह चलना सिखाए।
मात-पिता से पहले आता,
जीवन में सदा आदर पाता ।

सबको मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्त्तव्यनिष्ठा जिससे,
कभी रहा ना दूर मैं जिससे,
वह मेरा पथ-दर्शक है जो।
मेरे मन को भाता,
वह मेरा शिक्षक कहलाता ।

कभी है शांत, कभी है धीर,
स्वभाव में वह सदा गम्भीर,
मन में दबी रहे ये इच्छा,
काश मैं उन जैसा बन जाता,
जो मेरा शिक्षक कहलाता ।

पिता-एक लेखक

मोहित
बी.ए. तृतीय वर्ष (10468)

हमारे जीवन में पिता एक लेखक के समान है। जिस प्रकार लेखक अपनी कलम से कविताएँ लिखता है, और अपनी कविता में एक-एक शब्द बड़ी बारीकी से सजाता है। लेखक अपनी कविता को एक सुंदर रूप प्रदान करता है, जिससे लेखक अपनी कलम से समाज में होने वाली अनेक बुराईयों के विरुद्ध कविता लिखता है।

जैसेः- गरीबी, बेरोज़गारी, अशिक्षा, भ्रष्टाचार, नशाखोरी, जातिवाद, बाल-श्रमिक, आतंकवाद, घुसपैठ, टूटते परिवार, दहेज प्रथा, बाल विवाह, भ्रूण हत्या, बाल अपराध, मद्यपान, अस्पृश्यता की समस्या इत्यादि पर लेखक अनेक कविताएँ लिखता है। जिससे वह समाज को जागरुक कर सके, कविता द्वारा समाज में अपना रंग बिखेर सके। लोगों को प्रभावित कर सके, ताकि वे अपने जीवन में उस कविता से कुछ प्रेरणा ले सके।

उसी प्रकार पिता भी अपनी मेहनत, अपने संस्कार व सूझ-बूझ रुपी कलम से हमारे जीवन को लिखते हैं। हमे छोटी-से-छोटी, अच्छी व बुरी बातों का ज्ञान देते हैं। पिता हमें कविता रूपी सुंदर जीवन प्रदान करता है। जिससे हम समाज में होने वाली बुराइयों का साथ ना देते हुए इन बुराइयों के विरुद्ध आवाज उठा सकें और हम समाज में अपना रंग बिखेर सकें। अपने कार्यों से लोगों को प्रभावित कर सकें, ताकि वे भी अपने जीवन में अच्छे कार्य करने की प्रेरणा ले सकें।

जेब खाली है फिर भी सब कुछ देने को तैयार है,
पिता बिना कुछ कहे- समझे, ऐसा दोस्त, मित्र और यार है।
सोने-चांदी के हार, गले की शोभा बढ़ा देता है,
पर बच्चों के जीवन को सँवार दे जो, ऐसा हीरे-सा हार है पिता ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

शिवम शर्मा
बी.कॉम. प्रथम वर्ष (2412066)

ए-आई का तात्पर्य ऐसे कंप्यूटर सिस्टम के विकास से है जो समस्या-समाधान सीखने और निर्णय लेने जैसे मानवीय बुद्धिमत्ता की आवश्यकता के साथ आसानी से कार्य कर सकते हैं। ए-आई को दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है, संकीर्ण एआई और सामान्य एआई। एआई संकीर्ण एआई विशिष्ट कार्य पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि सामान्य एआई का उद्देश्य व्यापक मानव जैसी सांज्ञानात्मक क्षमताओं को प्राप्त करना है।

ए-आई ने कई क्षेत्रों को बदल दिया है। स्वास्थ्य सेवा में, ए-आई बीमारियों को बदलने में मदद करता है और सर्जरी में भी सहायता करता है। वित्त में ए-आई धोखाधडी का पता लगाने, जोखिम प्रबंधन और अन्य वित्तीय चिंताओं को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। हमारे दैनिक जीवन में एआई का व्यापक उपयोग है। स्वचालित कारें, सिरी या एलेक्सा जैसे आभासी सहायक और सोशल मीडिया पर कोई भी व्यक्तिगत सामग्री इसके उदाहरण हो सकते हैं।

ए-आई द्वारा प्रदान किए जा रहे अनेक लाभों के बावजूद, यह अभी भी कई नैतिक, चिंताओं को जन्म देता है। डेटा गोपनीयता, स्वायत्त प्रणालियों की सुरक्षा और नौकरियों के नुकसान जैसे विभिन्न मुद्दे बहस के मुद्दे हो सकते हैं। खैर एआई निगरानी और निर्णय लेने में इसके दुरुपयोग के बारे में चिताएँ उठाता है। जैसे-जैसे एआई का विकास जारी है, इसके जिम्मेदार उपयोग को सुनिक्षित करने के लिए नैतिक दिशा-निर्देश और नियम विकसित करने पर ध्यान केन्द्रित करना महत्वपूर्ण है। ए-आई का उचित प्रबंधन किया जाए, तो यह समाज को कई लाभ पहुँचा सकता है, जिससे दक्षता, नवाचार और जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि हो सकती है।

नारी सशक्तिकरणः चुनौतियाँ एवं सुझाव

सानवी
बी.कॉम. प्रथम वर्ष (2412006)

नारी सशक्तिकरण एक ऐसा विषय है जो आजकल के समाज में बहुत महत्वपूर्ण है। नारी सशक्तिकरण का अर्थ है महिलाओं को समाज में बराबर का दर्जा दिलाना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरुक करना।

लेकिन नारी सशक्तिकरण के रास्ते में कई चुनौतियाँ आती हैं। महिलाओं को समाज में कई प्रकार के भेदभाव और अत्याचार का सामना करना पड़ता है। उन्हें अपने अधिकारों के लिए लड़ना पड़ता है। और समाज में अपनी पहचान बनानी पड़ती है।

इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए हमें कई कदम उठाने होंगे। चुनौतियों के समाधान से पहले महिलाओं के जीवन में आने वाली चुनौतियों को जानना एक महत्वपूर्ण विषय है। नारी को सशक्त करना न केवल समाज का, बल्कि राष्ट्र का भी कर्तव्य है। यह न केवल एक महिला के अधिकारों की बात है,

बल्कि पूरी मानवता की उन्नति की बात है। महिलाए समाज के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, चाहे वह परिवार हो, शिक्षा, विज्ञान, राजनीति या खेल ।

उदाहरणः इन्दिरा गांधी, सायना नेहवाल आदि और भी कई महिलाओं ने यह साबित किया है कि रसोई घर के अलावा भी वह हर काम कुशलता से कर सकती हैं।

नारी शक्ति की प्रमुख चुनौतियाँः

1) **समानता की कमीः** आज भी समाज में महिलाओं को पुरुषों के बराबर का दर्जा नहीं दिया जाता। यह असमानता हर क्षेत्र में महसूस की जाती है, चाहे वह कार्यक्षेत्र हो, राजनीति हो या समाज के अन्य हिस्से ।

2) **शिक्षा का आभावः** हमारे देश में कई ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में लड़कियों की शिक्षा को लेकर कई पूर्वाग्रह है। परिवार की सोच यह होती है कि लड़कियों को शिक्षा की आवश्यकता नहीं है। यही वजह है कि महिलाएं अपने अधिकारों और संभावनाओं से अंजान रहती हैं।

नारी शक्ति के सशक्तिकरण के उपाय

1. शिक्षा का प्रसार 2. समाज में मानसिकता बदलना 3. सुरक्षा और सुरक्षा उपाय में सुधार 4. समान अधिकारों का प्रदान 5. महिला नेतृत्व को बढ़ावा देना

निष्कर्ष- नारी शक्ति का सश्क्तिकरण समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बेहद आवश्यक है। जब महिलाएँ अपनी शक्ति को पहचानेंगी, तो न केवल वे अपने जीवन में सुधार करेंगी बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव लाएँगी।

प्रकृति

मनीषा
एम.ए. द्वितीय वर्ष (2422020)

हरे-हरे खेतों में
बरस रही हैं बूँदे,
खुशी-खुशी से आया सावन
भर गया मेरा आँगन ।।

ऐसा लग रहा है जैसे
मन की कलियाँ खिल गई वैसे,
ऐसा कि आया बसँत
लेके फूलों का जश्न ।।

धूप से प्यारी तेरे तन को
बूँदों ने दी ऐसी अँगड़ाई,
कूद पड़ा मेरा तनमन
लगता है मैं हूँ एक दामन ।।

यह संसार है कितना सुन्दर
लेकिन लोग नहीं उतने अकलमँद,
यही है एक निवेदन
न करो प्रकृति का शोषण ।।

नशा मुक्त भारत

शिल्पा
बी.ए. तृतीय वर्ष (10109)

आओ आज मैं बतलाती हूँ
आपको अपने विचार,
नशे से हो जाता है, जीवन ये बेकार।
पान-पत्ती छोड़ कर, खाओ सेब-अनार,
उम्र बढ़ाने का सपना, कर लेना साकार।
चाय-कॉफी छोड़ कर, पियो दूध निर्विकार,
इससे बनोगे स्वस्थ तुम, बस में होगा संसार।
दारू-विस्की छोड़ कर, कर लो धर्म - ध्यान,
वरना फिर पछताओगे, हो न सकेगा कल्याण।
सादा जीवन-उच्च विचार, यह है हमारा नारा
इस नारे को अपना कर, कर लो स्वप्न साकार।
सबको यही बताना है, नशे को दूर भगाना है।
जन - जन का है यह संदेश,
नशा मुक्त हो अपना देश।
हमको यही बतलाना है
नशे को दूर भगाना है,
खुद को हमें जगाना है।
नशा चाहे जैसा भी हो, होता यह बेकार है
शरीर तोड़ता बीमारी लाता,
कर देता लाचार है।
सबको यही बताना है, नशे को दूर भगाना है।
सबको यही बताना है, नशे को दूर भगाना है।

"चले चलो"

अंजली सहरावत
एम.ए. प्रथम वर्ष (2422003)

ना रुको कभी, ना थको कभी,
बस राहों पर अपनी चले चलो,
चले चलो।

मुश्किलें आएंगी हज़ार, मानना ना कभी हार,
मंज़िलों की ओर ए मुसाफिर,
बढ़े चलो, चले चलो।

ज़िन्दगी की कविता को समझो,
अल्फाज़ों में न उलझो,
हम एक नज़्म को तबियत से पढ़ें,
चले चलो ।

तूफान से भरे समुद्र में, विकराल लहरों पे,
अपनी मन की कश्ती पर
संभले चलो, चले चलो ।

चट्टानों को पार करते हुए,
सपनों पर धार करते हुए,
जीवन पर्वत शिखर पर,
चले चलो, चले चलो ।।

समय का सदुपयोग

अनमोल
बी.ए. द्वितीय वर्ष (13274)

समय जीवन का सबसे मूल्यवान उपहार है जिसका सही उपयोग व्यक्ति को सफलता की ओर ले जाता है।

समय एक बार बीत जाने के बाद लौटकर नहीं आता, इसलिए इसका सदुपयोग अंत्यत आवश्यक है।

जो व्यक्ति अपने समय का सही प्रबंधन करता है, वह जीवन में आगे बढ़ता है। विद्यार्थियों के लिए समय का सही उपयोग विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि पढ़ाई के लिए उचित समय देना उज्ज्वल भविष्य का आधार बनता है।

समय का सदुपयोग करने वाले लोग अनुशासित होते हैं, और जीवन में कम तनाव महसूस करते हैं। वे अपने काम को समय पर पूरा कर लेते हैं, जिससे उन्हें संतुष्टि मिलती है। इसके विपरीत, जो लोग समय बर्बाद करते हैं, वे अक्सर पछताते हैं। सफलता प्राप्त करने के लिए हमें समय का प्रबन्धन करना चाहिए और व्यर्थ के कार्यों में इसे नष्ट नहीं करना चाहिए।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका

अरूण
बी.ए. तृतीय वर्ष (10145)

राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। फिर चाहे कोई देश विकसित हो या विकासशील, गरीब हो या अमीर । किसी देश का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि उस देश का युवा किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। अगर देश में युवा नशे की ओर अग्रसर है तो स्वाभाविक है कि उस देश का भविष्य भी अंधेरे में रहेगा और यदि किसी देश में युवा शक्ति शिक्षा के क्षेत्र में, स्वास्थ्य के क्षेत्र में, तकनीक आदि क्षेत्रों की तरफ बढ़ रही है तो अवश्य ही उस देश का भविष्य उज्जवल होगा।यदि हम भारत की ही बात करें तो वर्तमान में भारत एक विकासशील देश है। हमारा देश विश्व में सबसे अधिक युवाओं वाला देश है। इसलिए हमारे देश में युवाओं का महत्त्व और भी बढ़ जाता है। महात्मा गाँधी जी भी कहते थे यदि देश को आगे बढ़ाना है तो युवाओं को अवसर प्रदान करने होंगे, क्योंकि युवाओं में नवीन विचार, ऊर्जा, जिज्ञासा, साहस आदि होता है। उसी कारण आज भारत में युवा शक्ति के विकास के लिए अनेक योजनाएँ चल रहीं हैं,जो उनके व्यक्तित्त्व के विकास में सहायक होंगी। हिन्दी योजनाओं में जैसे राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस. एस.) स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजीटल इंडिया आदि हैं। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2047 तक भारत को विकसित देश बनानें का संकल्प लिया है और इस दिशा में अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। आज भारत विश्व की पाँचवी सबसे बढ़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। भारत को विकसित बनाने के लिए सभी युवाओं का जागरुक होना बहुत जरूरी है आज इस बात पर गर्व तो किया जा सकता है कि भारत, विश्व में सबसे अधिक युवाओं का देश है परंतु दुःख की बात यह है कि आज भारत का युवा नशे की तरफ अग्रसर होता जा रहा है, स्वार्थी होता जा रहा है, भ्रष्टाचारी होता जा रहा है। वह अपने नैतिक मूल्यों परम्पराओं को भूल रहा है। आज का युवा अपने माता-पिता का तिरस्कार करने से, अपने अध्यापको का अनादर करने से पीछे नहीं हटता। समय के साथ बदलाव जरूरी है, परंतु हमारे संस्कार हमारे जीवन का आधार हैं। हमें इन्हें नहीं भूलना चाहिए। आज युवाओं को समाज में जन-जागृति फैलानी चाहिए, समाज में सामाजिक बुराईयो के प्रति जागरुकता फैलानी चाहिए। जात-पात, धर्म आदि से ऊपर उठकर देश हित में सोचना चाहिए ।

युवा बढ़ेगा तो देश बढ़ेगा - युवा बदलेगा तो देश बदलेगा

अहिंसा परमो धर्मः

महेश्वरी
बी.ए. तृतीय वर्ष (10010)

कहने के लिए तो संसार में अनेक धर्म हैं जैसे हिन्दू धर्म, मुस्लिम धर्म, बौद्ध धर्म, जैन ईसाई आदि। लेकिन इन सभी धर्मों से सर्वोपरि धर्म अंहिसा को माना गया है। और कहा भी गया है-

अंहिसा परमोधमः अंहिसा परम तप :.

अन्य सभी धर्म अंहिसा के आगे गौण हैं। महात्मा गांधी ने तो यहां तक कहा है कि "सत्य मेरा ईश्वर है तथा अंहिसा सत्य प्राप्ति के लिए साधन। "

अंहिसा से अभिप्राय है हिंसा न करना। ऐसा कोई भी कृत्त जिससे किसी भी जीव को आघात पहुँचे, हिंसा की श्रेणी में आता है। मानव जीवन के उद्विकास के साथ ही मनुष्य को अपनी रक्षा के लिए सर्वप्रथम हिंसा को अपनाना होगा और धीरे-धीरे यह पाराविध प्रकृति इसका अंग बन जाएगी। पहले मानव मात्र अपनी सुरक्षा के लिए हिंसा का प्रयोग करता था परंतु धीरे-धीरे व्यक्ति प्रभुत्व स्थापित करने के लिए हिंसक प्रवृत्तियों को अपनाने लगा।

अब तक के कालक्रम से यह सिद्ध हो चुका है कि हिंसा से आज तक किसी का भी भला नहीं हुआ है। परस्पर लड़ना, मरना, एक-दूसरे को आघात पहुंचाना पशुता के लक्षण हैं, जो मानव जैसे बुद्धिजीवियों को शोभा नहीं देते हैं। हिंसा के अनेक उदाहरण हमने सुने हैं, यथा; महाभारत, अशोक का कलिंग युद्ध, प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध आदि में अनेक जन-धन की हानि हुई तथा सम्पूर्ण विश्व को ही क्षति उठानी पड़ी।

इसके विपरीत अंहिसा एक ऐसा मार्ग है। जिस पर चलकर व्यक्ति सदैव उन्नति के पथ पर अग्रसर होगा। अंहिसा से ओत-प्रोत व्यक्ति सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण का होता है। जो सभी के हितों की चाह रखता हो। वास्तव में अंहिसा, हिंसा की तुलना में अत्यन्त कठिन प्रयत्न है। परंतु लगातार प्रयासों के माध्यम से इस सद्गुण को अपने जीवन में लाया जा सकता है।

प्रेम तथा अंहिसा को अपनाकर कठोर से कठोर हृदय को भी कोमल बनाया जा सकता है। वर्तमान युग में अंहिसा की महत्ता और अधिक बढ़ जाती है क्योंकि वर्तमान में अधिकतर राष्ट्र आधुनिक अस्त्र-शस्त्र का प्रेक्षण करते हैं।राष्ट्रों के पास अति आधुनिक यन्त्र हैं। जिनका प्रयोग कर सम्पूर्ण पृथ्वी का विनाश तक संभव है। अतः ऐसे में आवश्यक है कि सभी मिलकर अंहिसा के मार्ग को अपनाएँ। इससे निश्चित रूप से एक ऐसी सृष्टि का निर्माण होगा जहाँ सभी लोग सुख से जीवन-यापन करेंगे, किसी को कोई भी दुःख अथवा कष्ट नही होगा तथा सभी का कल्याण होगा।

अर्थात्:- सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद दुःख भाग भवेत् ।

सफलता की राहः आत्मविश्वास और परिश्रम

प्रिया
बी.ए. तृतीय वर्ष (10005)

हर व्यक्ति के जीवन में एक ऐसा मोड़ आता है, जब उसे चुनौतियों का सामना करना पडता है। ये चुनौतियाँ कभी छोटी होती हैं तो कभी इतनी बड़ी कि हमारा हार मानने का मन करता है। लेकिन जो व्यक्ति इन चुनौतियों को अवसर के रूप में देखता है और आत्मविश्वास के साथ परिश्रम करता है, वही जीवन में सफलता की ऊँचाइयों को छूता है।

आज के युग में प्रतियोगिता का स्तर बहुत ऊँचा हो गया है। पढाई से लेकर खेल तक, हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास की आवश्यकता होती है। लेकिन कई बार असफलता मिलने पर हम निराश हो जाते हैं और अपने प्रयासों को बीच में ही छोड देते हैं। यहीं वह क्षण होता है, जब आत्मविश्वास और दृढ निश्चय की परीक्षा होती है।

महान वैज्ञानिक थॉमस एडिसन का उदाहरण हमारे सामने है। उन्होंने एक हजार से भी अधिक बार असफल होने के बाद बल्ब का आविष्कार किया। उनसे जब पूछा गया कि इतनी बार असफल होने के बाद भी उन्होंने हार क्यों नहीं मानी, तो उनका उत्तर था, "मैं असफल नहीं हुआ, मैंने बस एक हजार ऐसे तरीके खोजे हैं जो काम नहीं करते।" यही सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास का परिणाम था कि आज हम प्रकाश से रोशन दुनिया में जी रहे हैं।

विद्यार्थी जीवन में सफल्ता के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण मंत्र इस प्रकार हैं-

1. निरंतर प्रयास करें
2. सकारात्मक सोच रखें
3. स्वस्थ दिनचर्या अपनाएं
4. समय का प्रबंधन करें
5. आत्म निरीक्षण करें

सफलता का रास्ता आसान नहीं होता, लेकिन आत्मविश्वास और परिश्रम के साथ हम हर कठिनाई को पार कर सकते हैं। असफलता को सिखने का माध्यम बनाइए और हर चुनौती को एक नए अवसर के रूप में स्वीकार कीजिए। याद रखें, "सफलता उन्हीं को मिलती है, जो खुद पर विश्वास रखते हैं और कभी हार नहीं मानते।"

तो उठिए, आगे बढ़िए और अपने सपनों को साकार कीजिए।

सफलता आपकी प्रतीक्षा कर रही है।

कुछ खूबसूरत रिश्ते

तन्नू
बी.ए. तृतीय वर्ष (10140)

कुछ रिश्ते अपने होते हैं,
ना मांगते है कुछ
कुछ दुआओं से झोली भर जाते हैं....
कुछ रिश्ते बहुत खरे होते हैं
क्या दिया क्या लिया,
कोई नाप तोल नहीं,
चाहे प्यार हो, नाराज़गी
फिर भी हर हाल में निभाते हैं
कुछ रिश्ते इतने खामोश होते हैं, कि
शोर नहीं मचाते अपने होने का, पर
जब भी दुःख की घड़ी हो
बिना कहे दर्द बांट, जीने का हौसला देते हैं
कुछ रिश्ते इतना बड़प्पन लिए होते हैं
चाहे कितना भी ऊंचा हो खुद का रुतबा,
सामने वाले को कभी
छोटा महसूस नहीं कराते हैं
कुछ रिश्ते में कहीं नज़र नहीं आते हैं,
पर इतने रुहानी होते कि
ताउम्र रूह में बसते हैं,
साँसों को जीवन देते हैं. कुछ रिश्ते...

"आज मेरी बारी है"

साक्षी
बी.एस.सी द्वितीय वर्ष (14605)

सफलता से थोड़ी दूरी है,
क्योंकि तैयारी अभी अधूरी है,
वक्त लगेगा और मेरी
लक्ष्य पर नजर पूरी है,

सपने देखे जो, बहुत बड़े,
उनकी जिम्मेदारी मेरी है,
आँखों में अब नींद कहाँ,
कहाँ हिम्मत मैंने हारी है,

बढ़ूंगी और हासिल करुंगी,
पूरी कोशिश जारी है,
होगा एक दिन ऐसा भी,
जब कहूंगी, हाँ, आज मेरी बारी हैह्व

सोशल मीडिया की लतः एक बढ़ती हुई समस्या

करण कुमार
बी.ए. तृतीय वर्ष (10308)

सोशल मीडिया ने हमारे जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन इसके साथ ही यह हमारे लिए एक बड़ी समस्या भी बन गया है। सोशल मीडिया की लत एक ऐसी समस्या है जो बहुत तेजी से बढ़ रही है। इसके परिणामस्वरूप हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

सोशल मीडिया की लत क्या हैः-

सोशल मीडिया की लत एक ऐसी स्थिति है जब कोई व्यक्ति सोशल मीडिया का उपयोग करने में इतना अधिक समय बिताने लगता है कि उसके दैनिक जीवन और संबंधों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ने लगता है।

सोशल मीडिया की लत के कारण :

1. सामाजिक मान्यताः- सोशल मीडिया पर लाइक और कॉमेन्ट पाने से हमें सामाजिक मान्यता मिलती है, जो हमें इसका अधिक उपयोग करने के लिए प्रेरित करती है।

2. मनोरंजनः- सोशल मीडिया पर हमें विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के विकल्प मिलते हैं, जैसे कि मीडिया, के साधन और गेम्स।

3. संचारः सोशल मीडिया हमें अपने दोस्तों और परिवारों के साथ संचार का एक आसान तरीका प्रदान करता है।

4. तनाव और चिंताः- सोशल मीडिया का उपयोग करने से हमें तनाव और चिंता से राहत मिलती है, लेकिन इसका अधिक उपयोग करने से यह समस्या और भी बढ़ सकती है।

सोशल मीडिया की लत के प्रभावः-

1. मानसिक स्वास्थ्यः- सोशल मीडिया की लत के कारण हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जैसे कि तनाव, चिंता और अवसाद ।

2. शारीरिक स्वास्थ्यः- सोशल मीडिया की लत से हमारे शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जैसे कि नींद की कमी, वजन बढ़ना और शारीरिक गतिविधि में कमी।

3. संबंधः- सोशल मीडिया की लत से हमारे संबंधों पर भी नकाराारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जैसे कि दोस्तों और परिवार के साथ संबंधों में कमी ।

4. कार्यक्षमताः- सोशल मीडिया की लत से हमारी कार्यक्षमता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जैसे कि काम में कमी और शिक्षा में कमी।

सोशल मीडिया की लत से बचने के तरीके :-

सीमित समयः- सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए एक सीमित समय निर्धारित करें। उदाहरण के लिए , आप दिन में केवल 30 मिनट के लिए सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते हैं।

2. नियमित ब्रेकः- सोशल मीडिया का उपयोग करने के बीच में नियमित ब्रेक लें। उदाहरण के लिए , आप हर घंटे में 10 मिनट के लिए सोशल मीडिया से दूर रह सकते हैं।

3. सोशल मीडिया को अपने फोन से हटाएंः- यदि आप सोशल मीडिया की लत से परेशान हैं, तो आप अपने फोन से सोशल मीडिया ऐप्स को हटा सकते हैं।

4. अन्य गतिविधियों में शामिल होंः- सोशल मीडिया की लत से बचने के लिए, आप अन्य गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं, जैसे कि खेल, पढ़ना या संगीत सुनना ।

5. सोशल मीडिया का उपयोग करने से पहले सोचेंः- सोशल मीडिया का उपयोग करने से पहले, सोचें कि क्या आपको वास्तव में इसकी आवश्यकता है। या नहीं, तो आप इसका उपयोग करने से बचें।

सोशल मीडिया की लत के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, हमें निम्नलिखित कदम बढ़ाने चाहिएः-

1. शिक्षाः- सोशल मीडिया की लत के बारे में शिक्षा प्रदान करना महत्वपूर्ण है। हमें स्कूलों और कॉलेजों में सोशल मीडिया की लत के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए ।

2. मीडिया अभियान- सोशल मीडिया की लत के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए मीडिया अभियान चलाना महत्वपूर्ण है। हमे टी.वी, रेडियो और अखबारों में सोशल मीडिया की लत के बारे में जागरुकता बढ़ाने वाले विज्ञापन चलाने चाहिए ।

3. सामुदायिक कार्यक्रमः- सोशल मीडिया की लत के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित करना महत्वपूर्ण है। हमें सामुदायिक केन्द्रों में सोशल मीडिया की लत के बारे में जागरुकता बढ़ाने वाले कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए ।

निष्कर्ष- सोशल मीडिया की लत एक गंभीर समस्या है जो हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। हमें सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए सीमित समय तक उपयोग करना, नियमित ब्रेक लेना और अन्य गतिविधियों में शामिल होना चाहिए । इसके अलावा हमें सोशल मीडिया की लत के बारे में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास करने चाहिए ।

बचपन

रितु रानी
एम.ए. प्रथम वर्ष (2422019)

एक बचपन का जमाना था
जिसमें खशियों का खजाना था
चाहत चाँद को पाने की थी...
पर दिल तितली का दीवाना था

खबर ना थी कुछ सुबह की,
ना शाम का ठिकाना था ।
थक कर आना स्कूल से
पर खेलने भी जाना था ।

मां की ही कहानी थी,
परियों का फसाना था ।
बारिश में कागज की नाव थी
हर मौसम सुहाना था ।

वो बचपन का जमाना था
वो बचपन का जमाना था...

स्कूल की यादें

अर्शप्रीत
बी.ए. तृतीय वर्ष (10179)

सालों बाद यादें, मन में ताज़ा सी हैं,
स्कूल के दिन, जैसे कल की बातें ही हैं।
गिलास में पानी का खेल,
टिफिन की चोरी, मस्ती भरे पल,
और दोस्तों की शैतानी, पढ़ाई के साथ मजे,
खेलकूद और गाने, सालाना फंक्शन,
और मंच पर नाटक की कहानी।
हँसी की ठिठोली और झगड़ों का मज़ा,
कभी-कभी तो टीचर भी होते थे साथी।
रोज़ की क्लास, और छुट्टी की घंटी,
सिखाई गई बातें और उन पर हँसी की चिट्ठी।
नए दोस्त, नए सबक, एक साथ बिताए पल,
यादें वो प्यारी, जो छुपी हैं दिल की गहराइयों में
अब भी जब वे यादें ताजा हो जाती हैं,
स्कूल के दिन, दिल में खुशी से भर जाती हैं।

युवा शक्ति

गर्विता
एम.ए. द्वितीय वर्ष (13140)

युवा का अब आगाज हो,
एक नया अंदाज़ हो।
सिंह की आवाज़ हो,
हर युवा जांबाज़ हो।

हृदय विशाल जहाज़ हो,
निर्भय फिर चाहे समक्ष यमराज हो।
उज्ज्वल चमकदार पुखराज हो,
योग्य योद्धा योगीराज हो।

जहाँ उम्र की दराज हो,
वहाँ बड़ों का लिहाज़ हो।
हर ताज में सरताज हो,
सर्वत्र यही रिवाज हो।

बुराई पर ऐतराज हो,
नाकामी पर नाराज़ हो।
सुशिक्षित, सुरक्षित स्वराज हो,
हर युवा युवराज हो।

हर बहन का वो नाज हो,
भाई-भाई का समाज हो
कभी ना हुआ वो आज हो,
युवा का अब आगाज हो।

जिन्दगी

पलक
बी.ए. तृतीय वर्ष (13006)

जब तक चलेंगी जिंदगी की सांसे,
कहीं प्यार कहीं टकराव मिलेगा।
कहीं बनेंगे संबंध अंतर्मन से तो,
कहीं आत्मीयता का अभाव मिलेगा।
कहीं मिलेगी जिंदगी में प्रशंसा तो,
कहीं नाराजगियों का बहाव मिलेगा।
कहीं मिलेगी सच्चे मन से दुआ तो,
कहीं भावनाओं में प्रभाव मिलेगा।
कहीं बनेंगे पराए रिश्ते भी अपने तो,
कहीं अपनों से ही खिंचाव मिलेगा।
कहीं होगी खुशामदें चेहरे पर तो,
कहीं पीठ पे बुराई का घाव मिलेगा।
तू चलाचल राही अपने कर्मपथ पे
जैसा तेरा भाव वैसा प्रभाव मिलेगा।
रख स्वभाव में शुद्धता का स्पर्श तू,
अवश्य जिंदगी का पड़ाव मिलेगा।

अनमोल विचार

तू दौड़ में अव्वल आए, ये जरूरी नहीं
तू सबको पीछे छोड़ दे, ये भी जरूरी नहीं।
जरूरी है तेरा दौड़ में शामिल होना,
जरूरी है तेरा गिर कर फिर से खड़े होना।
जिंदगी में इम्तिहान बहुत होंगे,
आज जो आगे है, कल तेरे पीछे होंगे।
बस तू चलना मत छोड़ना,
बस तू लड़ना मत छोड़ना।

नारी का सम्मान

गर्विता
एम.ए. द्वितीय वर्ष (13140)

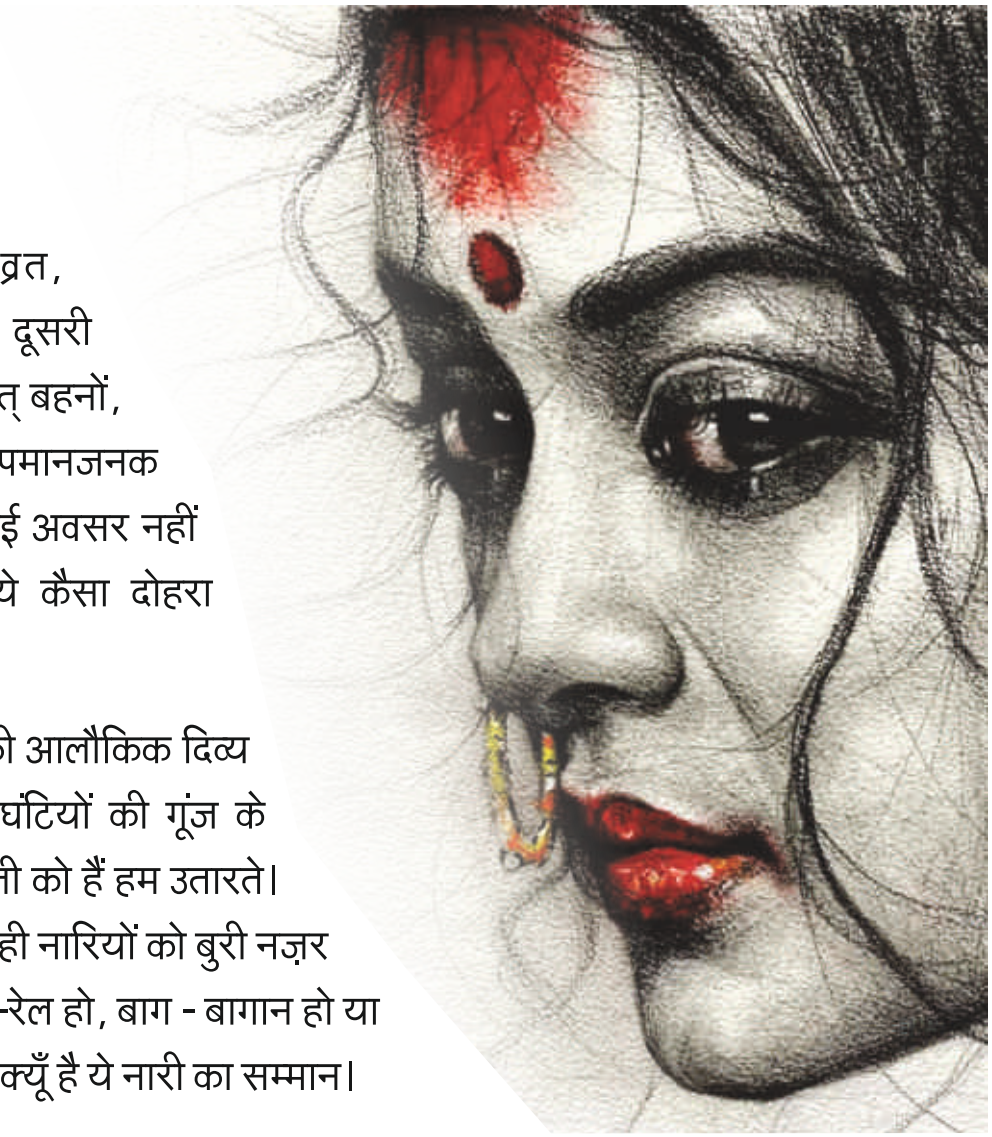

एक ओर तो नारी शक्ति को दुर्गा, काली, सरस्वती, लक्ष्मी जैसे अनेक रूपों में हम पूजते हैं।

देवी को प्रसन्न करने का व्रत, पूजा-अर्चना हैं करते और वहीं दूसरी ओर देवी के इस जीवित रुप अर्थात् बहनों, बेटियों और बहुओं को अपनी अपमानजनक हरकतों से लज्जित करने का कोई अवसर नहीं चूकते। ये कैसी लिंगवृति है, ये कैसा दोहरा मापदंड है ?

सरस्वती और दुर्गा पूजा में देवी की आलौकिक दिव्य प्रतिमा की धूप-दीप, शंख और घंटियों की गूंज के साथ अत्यंत भक्ति - भाव से आरती को हैं हम उतारते। और पूजा के बाद पंडालों के बाहर ही नारियों को बुरी नज़र से हैं हम निहारते। सड़क हो, बस-रेल हो, बाग - बागान हो या खेत खलिहान, हर जगह लुट रहा क्यूँ है ये नारी का सम्मान।

लाखों अनुयायियों वाले नेता और समाज के ठेकेदार कहते हैं कि गरीबी हटाओ, भ्रष्टाचार मिटाओ। पर कोई अपने अनुयायियों को क्यूं नहीं यह कहता कि जहाँ भी तुम्हारे सामने किसी नारी के साथ कुछ गलत हो रहा हो, सब मिलकर खड़े तुम हो जाना, करना पुरजोर विरोध उन गुण्डों का, और उन्हें छठी का दूध तुम याद दिलाना।

जब तक निर्भय होकर नारी नहीं रख सकती घर के बाहर कदम तब तक व्यर्थ है यह भरना सभ्य समाज का दम। आलौकिक है माँ की ममता, बहन, बेटी का स्नेह और पत्नी का प्रेम, हँसी-खुशी, निर्भय और निश्चिंत जीवन जीने का है उन्हें भी अधिकार। बंद करो पग-पग पर यूँ नारी का करना अपमान, अन्यथा कभी नहीं मिलेगा तुम्हें देवी का वरदान।

संस्कृत अनुभाग

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्

डॉ० प्रवीण शर्मा
सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग

आलेख सूची

क्र.सं.	विषय	लेखक का नाम
1.	आत्मविश्वासः	योगेश
2.	वानरस्य चातुर्यम्	पूनम
3.	सिंहमूषकयोः कथा	ऋतुः
4.	संस्कृतगीतम्	सूरज
5.	भवतु भारतम्	जतिन
6.	हास्यम् : शुल्कं प्रवेशाय...	काजल
7.	मयूरः	उमा
8.	प्रहेलिकाः	हिमांशी
9.	लोकहितं मम् करणीयम्	तृप्ति
10.	विद्यायाः महत्त्वम्	तन्नू
11.	स्वाध्यायः	बबीता
12.	आतङ्कवादः	प्रिया

डॉ० प्रवीण शर्मा
सहायकाचार्यः संस्कृतविभागः

सम्पादकीयम्

संस्कृतम् जगतः अतिप्राचीना समृद्धा शास्त्रीया च भाषा वर्तते। संस्कृतम् भारतस्य जगतः च भाषासु प्राचीनतमा। संस्कृता वाक्, भारती, सुरभारती, अमरभारती, अमरवाणी, सुरवाणी, गीर्वाणवाणी, गीर्वाणी, देववाणी, देवभाषा, दैवीवाक् इत्यादिभिः नामभिः एतद्भाषा प्रसिद्धा।

भारतीयभाषासु बाहुल्येन संस्कृतशब्दाः उपयुक्ताः। संस्कृतात् एव अधिका भारतीयभाषा उद्भूताः। तावदेव भारत–युरोपीय–भाषावर्गीयाः अनेकाः भाषाः संस्कृतप्रभावं संस्कृतशब्दप्राचुर्यं च प्रदर्शयन्ति।

व्याकरणेन सुसंस्कृता भाषा जनानां संस्कारप्रदायिनी भवति। अष्टाध्यायी इति नाम्नी महर्षिपाणिनेः विरचना जगतः सर्वासां भाषाणाम् व्याकरणग्रन्थेष्वन्यतमा, वैयाकरणानां भाषाविदां भाषाविज्ञानिनां च प्रेरणास्थानं इवास्ति। संस्कृत भाषा कृत्रिमबुद्धिमत्ताया अपि भाषा भवितुं शक्यते। संस्कृतं भविष्य भाषाऽस्ति। विदेशेष्वपि संस्कृतभाषा प्राथमिकस्तरत एव पाठ्यते। बहुषु महाविद्यालयेषु विश्वविद्यालयेषु चाऽस्याः भाषायाः पाठनं चलति।

संस्कृतवाङ्मयं विश्ववाङ्मये स्वस्य अद्वितीयं स्थानम् अलङ्करोति। संस्कृतस्य प्राचीनतमग्रन्थाः वेदाः सन्ति।
वेद–शास्त्र–पुराण–इतिहास–काव्य–नाटक–दर्शनादिभिः अनन्तवाङ्मयरूपेण विलसन्ती अस्ति एषा देववाक्। न केवलं धर्म–अर्थ–काम–मोक्षात्मकाः चतुर्विधपुरुषार्थहेतुभूताः विषयाः अस्याः साहित्यस्य शोभां वर्धयन्ति अपितु धार्मिक–नैतिक–आध्यात्मिक–लौकिक–पारलौकिकविषयैः अपि सुसम्पन्ना इयं देववाणी।

आत्मविश्वासः

योगेश
बी.ए. द्वितीयवर्षः (13354)

एकस्मिन् ग्रामे अतीवनिर्धनः एकःब्राह्मणःनिवसति स्म। तस्य नाम यज्ञदत्तः आसीत्। तस्य विमला नाम्नि सौभाग्यवती एका पत्नी मंगूः नाम्नश्चैकः पुत्रः आसीत्। सः ब्राह्मणः ग्रामेषु पौरोहित्यकर्म कृत्वा स्वाजीविकां आचिनोतिस्म। तौ स्वपुत्रमतीव स्नेहं कुरुतः स्म। अल्पवयसी अपि मातृ–पितृभक्तः सः पितरौ सदैव सेवां करोति स्म तन्मयभावेन। सदैव तयोराज्ञां मन्यते स्म। तस्य माता तं श्रेष्ठं नागरिकं निर्मातुं वांछति स्म। बाल्यकाले खलु तस्य मात्रा एषा वै शिक्षा प्रदत्ताऽऽसीत्यत्–

'भगवान्खलु सर्वेषां पिता अस्ति, सो वै सर्वेषां हितं करोति, अतः सदा तस्यैव स्मरणं करणीयम्। विकटपरिस्थितावपि खलु नैव धैर्यपरित्यक्तव्यम् मनुष्यैः। परिश्रमेण वै जीविकायापनं करणीयम्, नैव कदापि केनापि दयाभावेन। स्वाभिमानस्य सदैव रक्षा करणीया इति।'

मंगोरध्ययने महतिरुचिरासीत्, अतः सो विद्यालयमपि गच्छति स्म। तत्रापि तीक्ष्णबुद्धेः तस्य विनम्रव्यवहाराद् सर्वे अध्यापकाः तस्य अतीव प्रशंसां कुर्वन्ति स्म। यदा स दशवर्षीयः आसीत्, तस्मिन्ग्रामे महती विपत्तिरागता, विषूचिका सर्वत्र प्रसरिता। तदा मंगुः स्वविवेकेन सर्वस्य जनसमूहस्य रक्षणं करोति स्म। सर्वे जनाः मंगोः विवेकस्य प्रशंसां चक्रुः।

वानरस्य चातुर्यम्

पूनमः
बी.ए. प्रथमवर्षः (2411113)

नदीतटे एकस्मिन् जम्बू वृक्षे एकः रक्तमुखः वानरः प्रतिवसति स्म। सः जम्बू–फलानि खादति स्म। नद्याः जले एकः मकरः तस्य मित्रम् आसीत्। एकदा मकरः स्व पत्न्यै जम्बू फलानि अददात। मधुराणि जम्बू–फलानि खादित्वा मकरीः प्राह–मधुराणि फलानि खादित्वा वानरस्य हृदयम् मधुरं भविष्यति, तर्हि आनय तस्य मित्रस्य हृदयम्।

मकरः तीरम् आगत्य वानरम् अवदत् 'बन्धो! तव भ्रातृजाया त्वां गृहे निमंत्रयति।' अहम् त्वां पृष्ठे धृत्वा गृहं नेष्यामि। वानरः तथा अकरोत। नदी मध्ये आनीय मकरः वानरं अवदत् मित्र! मम पत्नी तव मधुरं हृदयं खादितुं इच्छति। एवं श्रुत्वा वानरस्य महदाश्चर्यं जातम्। किन्तु सः विपदि साहसेन कार्यं चकार। सः मकरमवदत् यत् मम हृदयं तु वृक्षस्य कोटरे निहितं अस्ति। अतः मां तत्र नय, येन स्वहृदयं आनीय स्व भ्रातृजायां तोषयामि।'

मूर्ख मकरः वानरं पुनः वृक्षसमीपम् अनयत। वानरः उत्प्लुत्य वृक्षम् आरुह्य अवदत्–'धिक् मूर्ख! त्वं मित्रेण सह विश्वासघातं अकरोः। आवयोः मैत्री समाप्ता।'

सिंहमूषकयोः कथा

ऋतुः
बी.ए. प्रथमवर्षः (2411181)

एकस्मिन् वने एकः सिंहः अवसत्। एकदा सः एकस्य वृक्षस्य अधः सुप्तः आसीत्। एकः मूषकः तत्र आगत्य तस्य शरीरे इतस्ततः अकूर्दता। तेन सिंहः प्रबुद्धः अभवत्। सः मूषकाय अक्रुध्यत। सः मूषकः अक्रन्दत् अवदत् च– 'भो वनराज! मयि दयाम् कुरु। समये अहमपि तव सहायताम् करिष्यामि इति। एतत् श्रुत्वा सिंहः अहसत् परन्तु किञ्चित् विचिन्त्य तम् अमुञ्चत्।

एकस्मिन् दिने सिंहः व्याधस्य जालेन बद्धः अभवत्। सः वारम्–वारम् अगर्जयत। तस्य गर्जनम् श्रुत्वा मूषकः तत्र आगच्छत् च जालमकृतन्तत। स्वतन्त्रः भूत्वा सिंहः मूषकमवदत– 'भो मित्र! अहमति प्रसन्नः अस्मि। अद्य अहमवगच्छामि यत् क्षुद्रः जन्तुः अपि उपयोगी भवति' इति।

संस्कृतगीतम्

सूरजः
बी.ए. प्रथमवर्षः (2411166)

कालिदासो जने जने कण्ठे कण्ठे संस्कृतम।
ग्रामे ग्रामे नगरे नगरे गेहे गेहे संस्कृतम्॥

सरला भाषा मधुरा भाषा दिव्यभाषा संस्कृतम्।
मुनिजनवाणी कविजनवाणी प्रियजनवाणी संस्कृतम्॥

वसतौ वसतौ रामचरितं प्रियजनभाषा संस्कृतम्। स्थाने स्थाने भारतदेशे सदने सदने संस्कृतम्॥

मुनिजनवाञ्छा कविजनवाञ्छा प्रियजनवाञ्छा संस्कृतम।
वदने वदने कार्यक्षेत्रे वार्तालापे संस्कृतम्॥

भवतु भारतम्

जतिन
बी.ए. तृतीय वर्षः (10086)

शक्तिसम्भृतम् युक्तिसम्भृतम्।
शक्तियुक्तिसम्भृतं भवतु भारतम् ॥

शस्त्रधारकं शास्त्रधारकम्।
शस्त्रशास्त्रधारकं भवतु भारतम् ॥

रीतिसंस्कृतं नीतिसंस्कृतम्।
रीतिनीतिसंस्कृतम् भवतु भारतम् ॥

कर्मनैष्ठिकं धर्मनैष्ठिकम्।
कर्मधर्मनैष्ठिकम् भवतु भारतम् ॥

भक्तिसाधकं मुक्तिसाधकम्।
भक्तिमुक्तिसाधकं भवतु भारतम् ॥

भारतम् भारतम् भवतु भारतम् ॥

हास्यम् : शुल्कं प्रवेशाय...

काजलः
बी.ए. प्रथमवर्षः (2411239)

उद्यानस्य द्वारे फलकम् आसीत् 'उद्याने विहारः निःशुल्कः' इति। एतत् पठित्वा सन्तुष्टः कश्चन कृपणः उद्यानम् उपसर्प्य अन्तः गन्तुम् उद्युक्तः।

तदा उद्यानपालकः तस्य प्रवेशं निवारयन् उक्तवान्–"एकं रूप्यकं दातव्यं भवता प्रवेशार्थम्" इति।

"निःशुल्कः विहारः इति खलु फलके लिखितम् अस्ति?" इति उक्तवान् कृपणः।

तदा उद्यानपालकः शान्तस्वरेण एव उक्तवान् –"अन्तः विहारः निःशुल्कः एव। किन्तु प्रवेशः सशुल्कः" इति।

ते न जानन्ति...

विसमरणशीलः प्राध्यापकः मित्रं पृष्टवान् "अहं किं विस्मरणशीलः?"

मित्रेण उक्तम् –"न । सर्वथा न।" प्राध्यापकः पुनः पृष्टवान् "किन्तु केचन मया पृष्टस्य एतस्य एव प्रश्नस्य उत्तररूपेण "आम्' इति वदन्ति किल, किमर्थम्?"

"ते न जानन्ति यत् भवान् सर्वदा एतम् एव प्रश्नं पृच्छति इति।"

हानिवृद्धिः एवम्...

'बसप्रयाणमूल्यं वर्धितम्' इति श्रुत्वा धर्मेशः उक्तवान्–"एतेन सर्वकारस्य हानिः वर्धिष्यते" इति ।

"कथम् एतत्?" इति आश्चर्येण पृष्टवान् सत्येशः।

"पश्यतु भोः । मम कार्यालयं प्रति गमनार्थं पूर्वं रूप्यकद्वयं दातव्यम् आसीत् । इदानीं तु सार्धरूप्यकद्वयं दातव्यम्। ततः..."

अधुना सर्वस्य सार्धद्वयरूप्यकस्य हानिः भविष्यति।

मयूरः

उमा
बी.ए. प्रथमवर्षः (24010)

मयूरः अस्माकं राष्ट्रियपक्षी अस्ति। एषः मूलतः वन्यपक्षी अस्ति। बहुरङ्गमयूरः अतिसुन्दरः प्रतिभाति। वर्षाकालं वसन्तर्तुं च प्राप्य एषः सुन्दरम् आकर्षकञ्च नृत्यं करोति। एतस्य नृत्यं दृष्ट्वा केकारवञ्च श्रुत्वा जनाः मुदिताः भवन्ति। भारतवत् म्यांमारस्य, श्रीलङ्कायाश्चापि राष्ट्रियपक्षी मयूरः अस्ति। देवानां सेनापतेः कार्तिकेयस्य वाहनम् अपि मयूरः एवास्ति। मयूरपिच्छं विना श्रीकृष्णस्य शृङ्गारः अपूर्णः मन्यते। अस्माभिः मयूरप्रजातिः रक्षणीया।

प्रहेलिकाः

हिमांशीः
बी.ए. प्रथमवर्षः (2411152)

वने वसति को वीरो योऽस्थि–मांस–विवर्जितः।
असिवत् कुरुते कार्यं कार्यं कृत्वा वनं गतः॥ 1॥

न तस्यादिः न तस्यान्तः मध्ये यः तस्य तिष्ठति।
तवाप्यस्ति ममाप्यस्ति यदि जानासि तद्
वद॥ 2॥

एकचक्षुर्न काकोऽयं बिलमिच्छन् न पन्नगः ।
क्षीयते वर्धते चैव न समुद्रो न चन्द्रमाः॥ 3॥

चतुर्मुखो न च ब्रह्मा वृषारूढो न शङ्करः।
निर्जीवी च निराहारी अजस्रं
धान्यभक्षणम् ॥ 4॥

अपदो दूरगामी च साक्षरो न च पण्डितः।
अमुखः स्फुटवक्ता च यो जानाति स
पण्डितः॥ 5॥

पर्वताग्रे रथो याति भूमौ तिष्ठति सारथिः।
चलति वायुवेगेन पदमेकं न गच्छति॥ 6॥

सुवर्णस्य सुवर्णस्य सुवर्णस्य च जानकि।
प्रेषिता तव रामेण सुवर्णस्य च मुद्रिका॥ 7॥

वृक्षाग्रवासी न च पक्षिराजः त्रिनेत्रधारी न च
शूलपाणिः।
त्वग्वस्त्रधारी न च सिद्धयोगी जलं च बिभ्रन्न
घटो न मेघः॥ 8॥

नरनारीसमुत्पन्ना सा स्त्री देहविवर्जिता।
अमुखी कुरुते शब्दं जातमात्रा विनश्यति॥ 9॥

कृष्णमुखी न मार्जारी द्विजिह्वा न च सर्पिणी।
पञ्चभर्ती न पाञ्चाली यो जानाति सः
पण्डितः॥ 10॥
दन्तै नः शिलाभक्षी निर्जीवो बहुभाषकः।
गुणस्यूतिसमृद्धोऽपि परपादेन गच्छति॥ 11॥

कस्तूरी जायते कस्मात् को हन्ति करिणां
कुलम् ।
किं कुर्यात् कातरो युद्धे मृगात् सिंहः
पलायनम् ॥ 12॥

लोकहितं मम् करणीयम्

तृप्ति
बी.ए. तृतीयवर्षः (10428)

मनसा सततं स्मरणीयम् वचसा सततं वदनीयम् लोकहितं मम करणीयम्॥

न भोगभवने रमणीयम्, न च सुखशयने शयनीयम्। अहर्निशं जागरणीयम् लोकहितं मम करणीयम्॥

न जातु दुःखं गणनीयम्, न च निजसौख्यं मननीयम्। कार्यक्षेत्रे त्वरणीयम् लोकहितं मम करणीयम्॥

दुःखसागरे तरणीयम्, कष्टपर्वते चरणीयम्। विपत्तिविपिने भ्रमणीयम् लोकहितं मम करणीयम्॥

गहनारण्ये घनान्धकारे बन्धुजना ये स्थिता गह्वरे तत्र मया सञ्चरणीयम् लोकहितं मम करणीयम्॥

विद्यायाः महत्त्वम्

तन्नू
बी.ए. तृतीयवर्षः (10140)

विद्या अधुना युगे अत्यावश्यकं अस्ति। विद्याविहीनः पशुभिः समानः। विद्यया एव मनुष्याः संसारस्य सर्वश्रेष्ठाः प्राणिनः भवन्ति। विद्या अध्ययनेन मनुष्यस्य बुद्धिः तीव्रा भवति। विद्या विनयं ददाति। विद्या परं दैवतं, परं मित्रं च अस्ति। विदेशेषु अपि विद्या एव बन्धुः अस्ति। विद्यया पात्रतां याति। विद्यया मनुष्यः धनं आप्नोति। धनात् सर्वाणि सुखानि लभते।

विद्या नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्न गुप्तं धनं। विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरुणां गुरु। विद्यया मनुष्यः सभा मध्ये शोभते। विद्या कामधेनुः इव गुणैः युक्ता अस्ति। विद्या असमये फलदायिनी। विद्या बिना जीवनं व्यर्थं अस्ति।

स्वाध्यायः

बबीता
बी.ए. तृतीयवर्षः (10273)

विद्यालये पठितस्य पाठस्य यदा गृहे वयं पुनः अध्ययनं कुर्मः तद्विषये चिन्तनं कुर्मः अभ्यासं वा कुर्मः तत्कर्म "स्वाध्याय" इति कथ्यते। अद्यत्वे छात्रणां मूलसमस्या स्वाध्यायस्य अभावः अस्ति। विद्यालये पञ्च षड्- होरापर्यन्तम् अध्यापकेभ्यः विविधविषयानवगत्य छात्रः गृहं प्राप्नोति तदा च अन्यशिक्षकेभ्यः व्यक्तिगतरूपेणापि पाठनस्य प्रबन्धं पितरौ कुरुतः। एवं छात्रेभ्योऽपि इदमेव प्रतीयते यद् वयं प्रातः कालात् आरभ्य सायं यावत् पठामः एव, अतः अधुना मनोरञ्जञ्जनाय अन्यत् किमपि कर्तव्यम्। एवं स्वाध्यायस्य अभावे विषयस्तु हृदयङ्गमः एव न भवति अपि तु परीक्षा चिन्ताकारणं सिध्यति अतः आवश्यकता तु इयमस्ति यत् पठितः विषयः प्रतिदिनं स्वाध्यायेन हृदयङ्गमः करणीयः।

आतङ्कवादः

प्रिया
बी.ए. तृतीयवर्षः (100515)

हिंसात्मकक्रियाभिः स्वकीय-वर्चस्त्वस्थापनाय भयोत्पादनम् अथवा भयस्य वातावरण-निर्माणम् एव आतङ्कवादः उच्यते। एषः केनापि एकेन जनेन समूहेन वा भवितुं शक्यते। अयम् असामाजिकतत्त्वैः असंवैधानिक क्रियाभिः स्वकीयेच्छां पूरयितुं विभिन्नस्तरेषु सञ्चाल्यमानः भवति। अनेन सामान्यजीवनं सङ्कटापन्नं भवति। आतङ्कवादेन गृहे, समाजे, देशे, विदेशेषु च असुरक्षायाः भावः भयञ्च उत्पद्यते। जनसम्मर्दे यत्र कुत्रपि, कदापि, किमपि भवितुं शक्यते। आतङ्कवादिसङ्घटनानां मुख्यं लक्ष्यं भयोत्पादनमेव। आतङ्कवादस्य समूलनाशाय सर्वेषां राष्ट्राणां सहयोगः परमावश्यकः अस्ति।

English Section

William Shakespeare

"How poor are they that have not patience!
What wound did ever heal but by degrees?"

Dr. Sumit Kumari Dahiya
Assistant Professor (Department of English)

CONTENTS

Sr. No.	Article Name	Writer Name
1.	Managing Climate Change with English Literature: Sustainable Stories	Dr. Sumit Kumari Dahiya
2.	Diaspora	Dr. Sumit Kumari Dahiya
3.	Importance of Books	Dr. Sumit Kumari Dahiya Dr. Rajni Kumari
4.	Social Exclusion and Resilience of the Marginalized: Global Perspectives	Dr. Sumit Kumari Dahiya Dr. Harshita Chhikara
5.	Kindness	Dr. Rajni Kumari
6.	Summer Vacations	Rakhi
7.	Quotes on Women Empowerment	Mannu
8.	Girls Education	Sandhya
9.	Women Empowerment	Garima
10.	Environment	Rakhi
11.	Failures are the Stepping Stones to Succes	Mannu
12.	College Can Be Fun	Latika
13.	Advanced English	Anmol
14.	The Future of India	Palak
15.	Technology in Education	Gagan
16.	Use of Social Media in Education	Komal Parjapati
17.	Internet	Yash
18.	Terrorism	Anmol
19.	Mahakumbh	Arun
20.	Sunita Williams	Maheshwari

Dr. Sumit Kumari Dahiya
Assistant Professor of English
English Editor 'Archa'

Message From

The Editor

It gives me immense pleasure to ensure that this magazine has successfully accomplished its objective. The reflection of the students' creativity and achievements is the epitome of the magazine. Students have put forth their ideas and thoughts that are too deep to be expressed and too strong to be suppressed.

Helen Keller rightly says that the world is moved along not only by the mighty shoves of its heroes, but also by the aggregate of the tiny pushes of each honest worker. I am thankful to all my colleagues who dipped their oars the turbulent water of the journal and have sailed it to the shore of publication. It is a fine thing to have ability but the ability to discover ability in others is the true test. I am really thankful to our respected Principal for entrusting us with the responsibility of editing. I take this opportunity to thank all the dignitaries for sparing their valuable time to send their best wishes for the magazine in the form of 'Messages'. I heartily wish all the readers my best wishes and hope this magazine will enjoy your critical acclaim and prove itself to play a vital role in the all-round development of the children.

Managing Climate Change with English Literature: Sustainable Stories

Dr. Sumit Kumari Dahiya
Assistant Professor of English

Literature is a written art form that deals with the very essence of life. Whether it be prose fiction, drama, poetry, or a story from an oral tradition, literature deals with universally shared human experiences that transcend time and place. Through teaching literature, pupils are given opportunities to develop culturally and emotionally, intellectually and socially - in short, they can start to make sense of the world. Literary and cultural texts are essential in shaping emotional and intellectual dispositions toward the human potential for a sustainable transformation of society. Due to its appeal to the human imagination and human empathy, literature can enable readers for sophisticated understandings of social and ecological justice. Transition stories, among them the Parable novels by Octavia Butler and Kim Stanley Robinson's The Ministry for the Future (2020), offer feasible ideas about how to orchestrate economic and social change. The analysis of recent American, Canadian, British, and German near future novels-both adult and young adult fictions-sheds light on those aspects best suited for effecting behavioral change in recipients' minds: exemplary ecologically sustainable characters and actions, companion quests, cooperative communities. The God's Gardeners in Atwood's Year resembles Earth seed in maintaining food sovereignty in a morally and ecologically ruined world. Under the guidance of Adam One, the Gardeners practice a pantheistic companionship in Eden Cliff Rooftop Garden.

An overabundance of catastrophic near future scenarios largely prevents imagining the necessary transition toward a socially responsible and ecologically mindful future as a non-violent and non-disastrous process solutions for a greener future include reducing pollution, improving waste management, and using renewable energy. Some examples of sustainable solutions include:

Renewable energy

Solar, wind, and hydropower are clean energy sources that can help meet global energy demands.

Electric vehicles : Electric vehicles (EVs) are a cleaner alternative to gas-powered vehicles and can help reduce greenhouse gas emissions.

Sustainable agriculture : Eco-friendly farming practices can help address issues like soil degradation and biodiversity loss.

Circular economy : A circular economy is a model where products are reused, recycled, or repaired instead of being thrown away.

Energy efficient appliances : Energy efficient appliances can help reduce energy waste and emissions.

Smart thermostats : Smart thermostats can help improve home efficiency and can be controlled remotely.

Energy efficient lighting : Energy-saving light bulbs can provide the same light quality as traditional bulbs while using less energy.

Eco-friendly cleaning products

Biodegradable household products can help limit the impact of waste.

Individuals can also make a difference by reducing waste, recycling, conserving energy, and using reusable bags.

English is a gift when it comes to teaching about sustainability, the environment and the climate crisis. Key skills can be taught using these areas as the subject matter - which also has the additional benefit of reaching all students

This becomes an invaluable skill when the pupils we teach may be wondering how on earth they can make sense of the world, when faced with the senseless, existential threat that is climate breakdown. This decade is our make-or-break opportunity to limit warming to 1.5°C and steer the world toward a net-zero future, as highlighted in Systems Change Lab's 2021 global analysis, which explains the changes needed in order to avert the most disastrous consequences of the climate crisis.

We can include a range of inspiring literature sources into our classroom that will not only provide rich and diverse exposure to language, thus improving vocabulary, syntax, and structure, but will also offer pupils opportunities to learn about the effects of climate breakdown, to better engage with nature, and to consider empowering solutions.

Hannah Onoguwe: "The Beginning," by Radha Zutshi Opubor

"The Beginning"is flash fiction about rising tides set in Lagos, Nigeria. Written by a teenager it tells the story of a girl. The story is even more haunting because the narrator is a minor, and besides seeing things differently, she is at the mercy of her parents, their choices. It speaks to where the world is today, the need to do this for continuity's sake, for our children. I've heard people say, "Oh, I'll be dead by then," and that is just irresponsible. A 2015 documentary, "Nowhere to Run Nigeria's Climate and Environmental Crisis," offers a similar reminder. "We received all this beauty, this world, in trust, as it were. It is only right that we look after it and hand it down to generations after us. It's a quick read, both fast-paced and in-your-face. As you get to know the narrator, you think, "I'd love to meet her someday," but as the story progresses, you become afraid that you might not have the chance. She describes a future that could come true if we are careless about the environment and climate change. She says in the story, "I imagine a world where the waters had not risen.... I imagine my life if ... my father had listened."

Vandana Singh: "Poem to My Daughter," by Kathy Jetnil-Kijiner

The climate crisis is, among other things, a crisis of the imagination. This is where poetry and fiction can help, spurring people to ask questions, speculate, and take action. One example of this is Marshelle poet and activist Kathy Jetnil-Kijiner's "Poem to My Daughter," which opened the 2014 U.N. Climate Summit. In the poem, Jetnil-Kijinger's daughter, her island country, and the Earth itself morph into one another, as she speaks of what threats they face. The poem offers us a visceral sense of the effects of climate change on the human body and the Earth, in the image of the peaceful lagoon that will "crunch your island's shattered bones." This is the clear-eyed realism of those who have experienced the worst aspects of modern industrial civilization: colonialism and climate change

Diaspora

Dr. Sumit Kumari Dahiya
Assistant Professor of English

Indian Diaspora is a generic term used for addressing people who have migrated from the territories that are currently within the borders of the Republic of India. It constitutes NRIs (Non-resident Indians) and PIOs (Persons of Indian origins). The Indian Diaspora is estimated to be over 30 million. Non-Resident Indians (NRIs), Persons of Indian Origin (PIOs), and Overseas Citizens of India (OCIs) make up the Diaspora. Generally, diasporic literature deals with alienation, displacement, existential rootlessness, nostalgia, quest of identity. It also addresses issues related to amalgamation or disintegration of cultures. There are several types of diasporas, usually defined by the reason for leaving the diasporic population's homeland. They are classified as victim, imperial/colonial, trade, or labor diasporas. Victim diasporas are the result of the expulsion of a group from a region. Indian Diaspora is a generic term used for addressing people who have migrated from the territories that are currently within the borders of the Republic of India. It constitutes NRIs (Non-resident Indians) and PIOs (Persons of Indian origins). The Indian Diaspora is estimated to be over 30 million.

Importance of Books

Dr. Sumit Kumari Dahiya
Assistant Professor of English

Dr. Rajni Kumari
Department of Political Science

It is rightly said, “There is no friend as loyal as a book”. Books have so much to give us and do not ask anything in return. A good book can uplift our mood instantly and leave a deep impact on us. It is thus highly recommended to read different kinds of books to grow wiser. Books are crucial in every student's life because they introduce children to a world of imagination, provide information of the outside world, improve their reading, writing, and speaking abilities, and improve memory and intellect. Students benefit much from books, and they learn a great deal from them. BOOK is an acronym for Bio Optical Organized Knowledge. It is a system that uses light to store and organize information

Books help us to teach ourselves about history, the arts, science, religion, nature, mathematics, and technology — anything and everything in our universe and beyond. Books also help us to understand the effect that all those things have on us and our world. Books entertain and offer a great escape. The topic is the broad, general theme or message. It is what some call the subject. The main idea is the "key concept" being expressed. Books are packed with knowledge, they give you life lessons, and they teach you about hardships, love, fear, and every little thing that is a part of life.

Books play a significant role in our life, especially for children. Reading books increases the knowledge of students, improves their intellect, makes students aware of the various societies, and civilizations across the globe. Moreover, reading books enhances imagination and creativity in the student’s mind.Books do not only render

knowledge about various subjects but also make us wiser. Reading about a particular subject gives us deep knowledge about it and also renders the wisdom to deal with anything related to it. A person who has a habit of reading can never get bored or feel lonely. Books are our best companions.

There are different genres of books available for book readers. Every day, thousands of books are released in the market ranging from travel books to fictional books. We can pick any book of our interest to expand our knowledge and enjoy the reading experience. Books come in different genres. Some of them are travel books, history books, technology books, fashion and lifestyle books, self-help books, motivational books, and fictional books.

There are not one but various advantages of reading books. To begin with, it improves our knowledge on a variety of subjects. Moreover, it makes us wiser. When we learn different things, we learn to deal with them differently too. Similarly, books also keep us entertained. They kill our boredom and give us great company when we are alone. Books are of great importance to mankind. They enhance our knowledge and vocabulary. They keep us entertained and also widen our perspective. This, in turn, makes us more confident and wise.

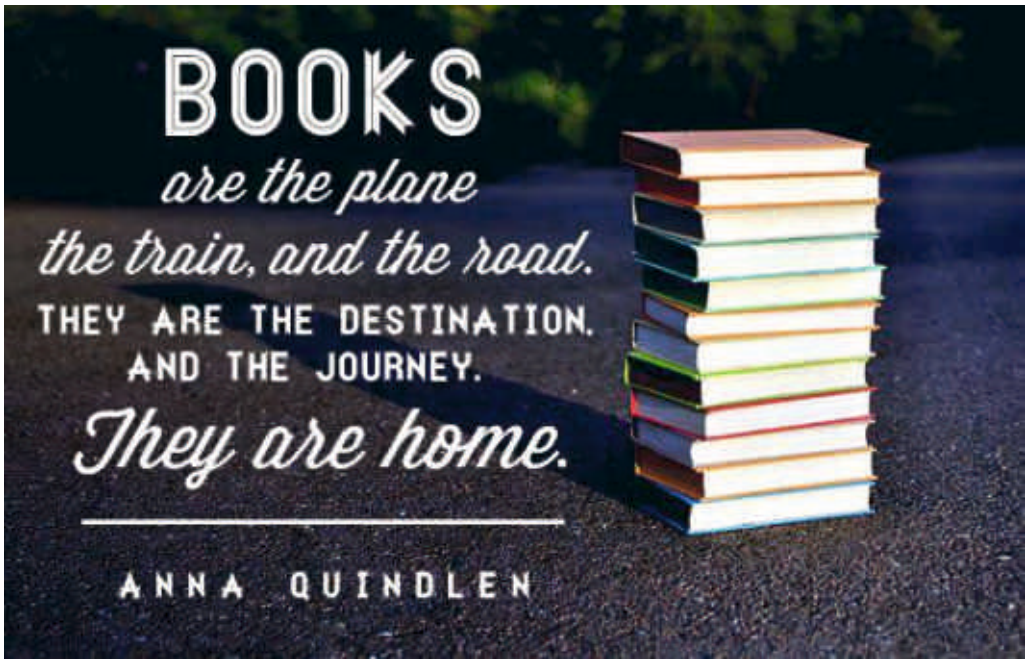

Social Exclusion and Resilience of the Marginalized: Global Perspectives

Dr. Sumit Kumari Dahiya
Assistant Professor of English

Dr. Harshita Chhikara
Assistant Professor of English

United Nations in its 2016 report on world social situation qualifies social exclusion as a multidimensional phenomenon where "individuals are unable to participate fully in economic, social, political and cultural life, as well as the process leading to and sustaining such a state." German sociologist Niklas Luhmann's theory on modern society as characterized by a vast number of closed but mutually coupled social systems, which each individual moves in and out of via a number of complex inclusion and exclusion processes. The rationale behind this is that all social systems - interactional systems, organizations and social systems - due to their way of operating as systems continually create and maintain a boundary between the individual system and its environment. Enshrined in this idea is UN Agenda of 2030 that accounts for the principle that every person should reap the benefits of prosperity and enjoy minimum standards of well-bring. This has effectively been translated into 17 Sustainable Development Goals targeting institutions and nations into action.

Several socio-politico-economic transformations have continued to marginalize several groups of people through limited opportunities, access to basic civil liberties and standards of human well-being. These inclusion and exclusion practices also lead to practices of in-group and out-group hatred. Global trends show increased discrimination against several groups based on their gender, class, caste, race, sexuality, religion and ethnicity. COVID-19 has further widened the gaps and instilled the practice of "othering." It includes:-

1. **Theorizing Social Inclusion:** Conceptual frameworks, models, debates and critiques of social inclusion and exclusion including geographic, economic, social, political and identity based.
2. **Resilience Strategies:** Coping mechanisms, empowerment, and resistance among marginalized groups and the impact of such practices on these communities' mental health.
3. **Policy and Practice:** Effective interventions, programs, and policies promoting social inclusion
4. **Inter sectionality:** Intersections of gender, race, class, disability, and sexuality
5. **Education and Socialization:** Role of education in promoting social inclusion. Inclusion and exclusion practices within schools.
6. **Technology and Social Inclusion:** Digital divides, online discrimination, and inclusive technologies. These could stem from the inaccessibility due to geographic terrains and economic gaps.

Kindness

Dr. Rajni Kumari
Assistant Professor of Political Science

"Kindness is the language that the deaf can hear and blind can see."
"Kindness involves caring for and being polite to others."
"kindness can uplift spirits, brighter days and create a ripple effect of positivity."
"A smile is a simple way to show kindness."

Summer Vacations

RAKHI
B.A. 3rd (10383)

1. Summer vacation is the best time of the year.
2. It happens when school ends in summer.
3. I spend my vacation playing outside with friends.
4. Sometimes, my family and I travel to new places.
5. We like going to the beach and swimming in the ocean.
6. I also enjoy reading books and watching cartoons.
7. Summer vacation is special because there is no school.
8. I try new activities like riding my bike.
9. It's a time to relax and have fun.
10. I look forward to summer vacation every year

Quotes on Women Empowerment

MANNU
B.A. 2nd Year (13215)

1. Think like a queen. A queen is not afraid to fail. Failure is another stepping stone to greatness.
2. A strong woman looks a challenge in the eye and gives it a wink.
3. When I took over, I thought that I must do something for the empowerment of women.
4. A girl should be two things who and what she wants.
5. A woman is like a tea bag - you can't tell how strong she is until you put her in hot water.
6. Behind every great woman is another great woman.
7. Be a first rate version of yourself and not a second rate version of someone else.

Girls' Education

SANDHYA
B.A. Year 2nd (13154)

Girls' education is crucial for individual and societal development, empowering girls to make informed decisions, contribute to their communities, and break cycles of poverty. It also fosters gender equality, improves health outcomes, and boosts economic growth. Why Girls' Education Matters:

Individual Empowerment: Education equips girls with the knowledge and skills to pursue their passions, participate in the workforce, and achieve their full potential.

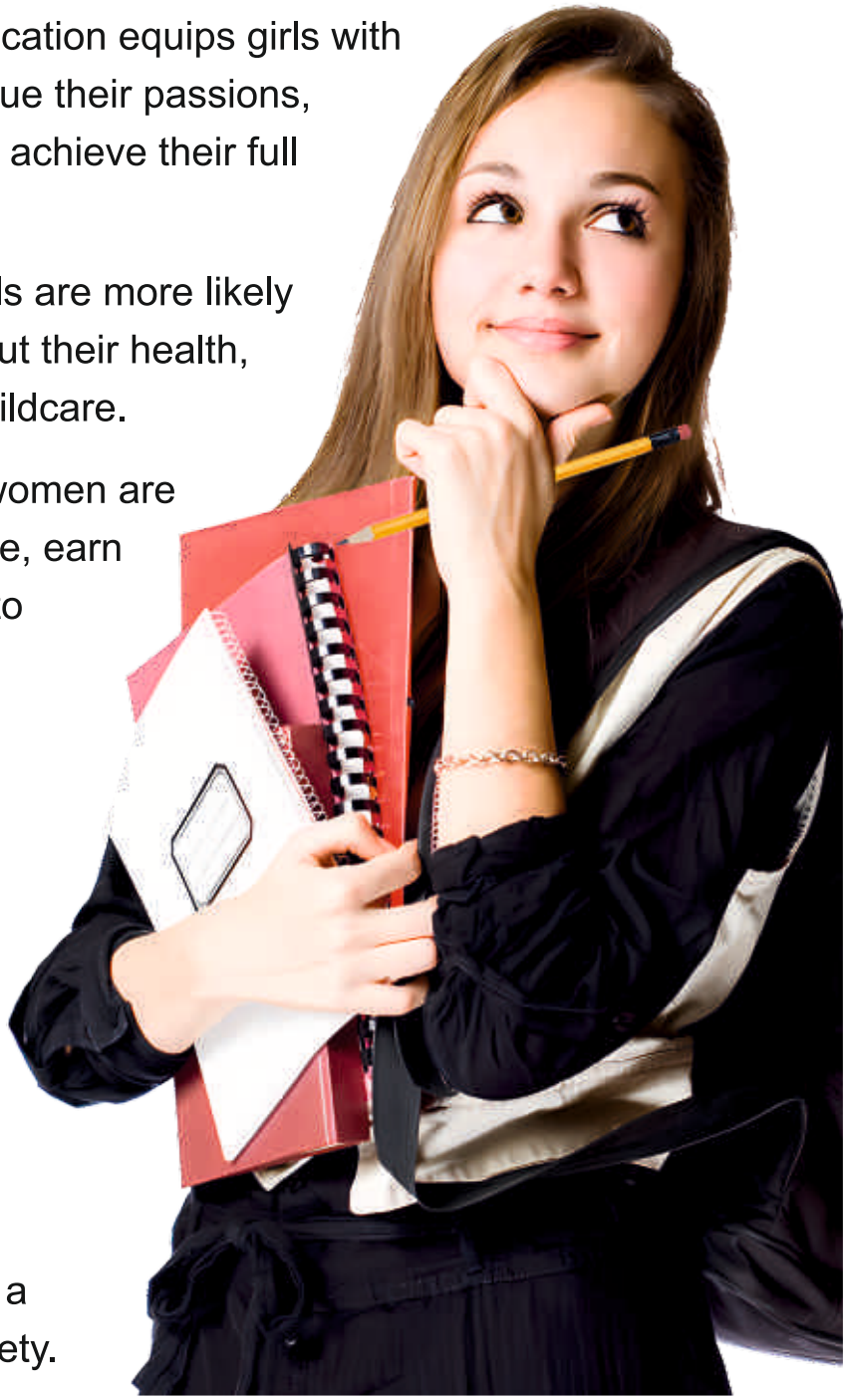

Improved Health: Educated girls are more likely to make informed decisions about their health, including family planning and childcare.

Economic Growth: Educated women are more likely to enter the workforce, earn higher incomes, and contribute to economic development.

Gender Equality: Education challenges gender stereotypes and empowers girls to challenge discrimination, fostering a more equitable society.

Community Development: Educated girls are more likely to participate in community decision-making, contributing to a more inclusive and resilient society.

Women Empowerment

GARIMA
B.A. 2nd Year (13388)

Women's empowerment can be defined as promoting women's sense of self-worth, their ability to determine their own choices, and their right to influence social change for themselves and others.

It is closely aligned with female empowerment and fundamental human right that's also a key to achieving a more peaceful & prosperous world.

In Western countries, female empowerment is often associated with specific phases of the women's rights movement in history. This movement tends to be split into three waves, the first beginning in the 19th and early 20th century where suffrage was a key feature. The second wave of the 1960s included the sexual revolution and the role of women in society. Third wave of feminism is often seen as beginning in the 1990s. Its a great deal of progress, women and girls continue to face discrimination and violence in every part of the world.

"A women with a voice is,

by definition, a strong woman"

Environment

RAKHI
B.A. 3rd Year (10383)

Grasslands and forests with terrestrial life, Cold, freezing mountain peaks and hot, tiring deserts Life among the trees and sands, so alive.

Sky so blue with air so clean
Only sun, moon and stars to see
Eagles and vultures take their turn
Life in the sky, do alive.

Failures are the Stepping Stones to Succes

MANNU
B.A. 2nd Year (13215)

Without failure there is no true achievement we all know the quote "Failures are the stepping stones to success" yet when we fail to achieve success we become unhappy with ourselves and start believing that we are not capable of what that's not true. Nothing teaches us better lessons than It gives us a new positives. These obstacles give us a new meaning to life so we must bring out the positions from the negatives. When one door closes, another door opens. We just need to remain calm and patient Good things take time.

Without darkness, one can never know how powerful light is; without sadness, one can never know the fine taste of happiness without fear, one can never cherish the victory they yearned for. Yes, struggle can be tough, but you are tougher, find the strength to laugh every day; be truthful, diligent, stay motivated and keep growing.

College Can Be Fun

LATIKA
B.A. Final Year (10009)

College can be fun if you want it to be,

So much more interesting for you and me.

Science, maths, history, So much to

choose from.

It keeps us fresh night and morning

Why should we be bored?
There is a lot to know

Very interesting things to learn about,
So let's go !

Think of those who can't go to college,

They are many in number, not very few.

So all the benefits of learning, we

should reach.

As through each stage of life we leap

College can be fun if you want it to be

So much more interesting for you and to me.

Advanced English

ANMOL
B.A. 2nd Year (13274)

I'm tired	I'm exhausted
I'm happy	I'm delighted
It's cold outside	It's freezing out there
I'm very hungry	I'm starving
I'm very hot	I'm boiling
It's very important	It's crucial
I'm not sure	I'm uncertain
He's smart	He's intelligent
She's nice	She's kind-hearted
I'm busy	I'm swamped
It's okay	It's acceptable
Let's start	Let's commence
I don't like it	I'm not fond of it
I don't know	I'm uncertain
I'm worried	I'm anxious
It's a bad idea	It's an ill-advised idea
It's a good idea	It's a brilliant idea
I'm angry	I'm furious
I'm sorry	I apologize
I love it	I'm passionate about it
I'm confused	I'm perplexed
It's strange	It's peculiar
I'm bored	I'm uninterested
It's not fair	It's unjust
It's very expensive	It's exorbitant
It's very cheap	It's economical

The Future of India

PALAK
B.A. 2nd Year (13006)

Swami Vivekananda envisioned a future India that would become a global leader, not through military power, but through its spiritual and intellectual wisdom. He believed India would reclaim its rightful place on the world stage, guided by its ancient wisdom and traditions. He emphasized the importance of education, upliftment of the masses, and the respect for women in shaping this future.

Key aspects of Vivekananda's vision for India's future:

Spiritual and Intellectual Leadership: Vivekananda believed that India would lead the world in spiritual and philosophical matters, offering a path to peace and enlightenment.

Reclaiming Global Influence: He prophesied that India would once again be a major global power, respected for its wisdom and contribution to humanity.

Education and Upliftment: Vivekananda stressed the importance of education, particularly for the masses, and the need to uplift all segments of society.

Respect for Women: He emphasized that a nation's greatness is reflected in its respect for women and their contribution to society.

Bridging East and West: Vivekananda aimed to harmonize Eastern spirituality and Western science, creating a balanced and progressive society.

Unity and Harmony: He advocated for a unified India, where different communities and religions could coexist peacefully and contribute to the nation's progress.

Self-Reliance and Progress: Vivekananda encouraged Indians to believe in their abilities and to work towards achieving their full potential. In essence, Vivekananda's vision for the future of India was one of a nation that would lead the world through its wisdom, spirituality, and intellectual strength, while also embracing modernization and progress in a way that honored its rich cultural heritage.

Technology in Education

GAGAN
B.A. 1st Year (241082)

Technology in education has revolutionized learning by marking it more interactive, accessible and efficient. Digital tools like smart classrooms, online course, and AI driver, tutoring enhance students' understanding. Online courses, and AI-driven tutoring enhance students' Understanding E-books, Educational **PPT's**, and virtual simulations provide engaging ways to grasp complete concepts. Remote Learning enables students to access quality education from anywhere.

Teachers use technology for personalized instructions and real - time assessments. However, challenges like digital divide and screen addiction must be addressed. When integrated wisely, technology fosters creativity, collaboration and lifelong learning, preparing students for a tech-driven future-ensures a balanced and effective education system.

Use of Social Media in Education

KOMAL PARJAPATI
B.A. 1st Year (2411064)

Social media offers numerous ways to enhance education by facilitating communication, collaboration, and access to resources. It can be used to create engaging learning experiences, connect students with experts, and provide diverse learning materials. However, it also presents challenges related to distraction and online safety that need to be addressed.

Enhanced Communication and Collaboration on Social media platforms allow for easy communication among students, teachers, and experts. Group discussions and online forums can foster collaboration and knowledge sharing.

Internet

YASH
B.A. Final Year (11538)

The Internet is the most creative and interactive innovation globally. It is the most helpful technology to share information from one part to the other part of the world. We are just a click away from knowing about the whole world. Internet has made Connectivity, Communication, and sharing of documents and related data very easy. It Internet is a Library of Information, knowledge, and learning for people of all ages. It has facilitated online shopping, thereby giving business opportunities to many entrepreneurs. The world has narrowed down after the invention of the internet. It has demolished all boundaries, which were the barriers between people and has made everything accessible. Internet is global network of billions of computers and other electronic devices. With the Internet, we can share any information and do Communication with anyone in the world.

Mahakumbh

ARUN
B.A. 3rd Year (10145)

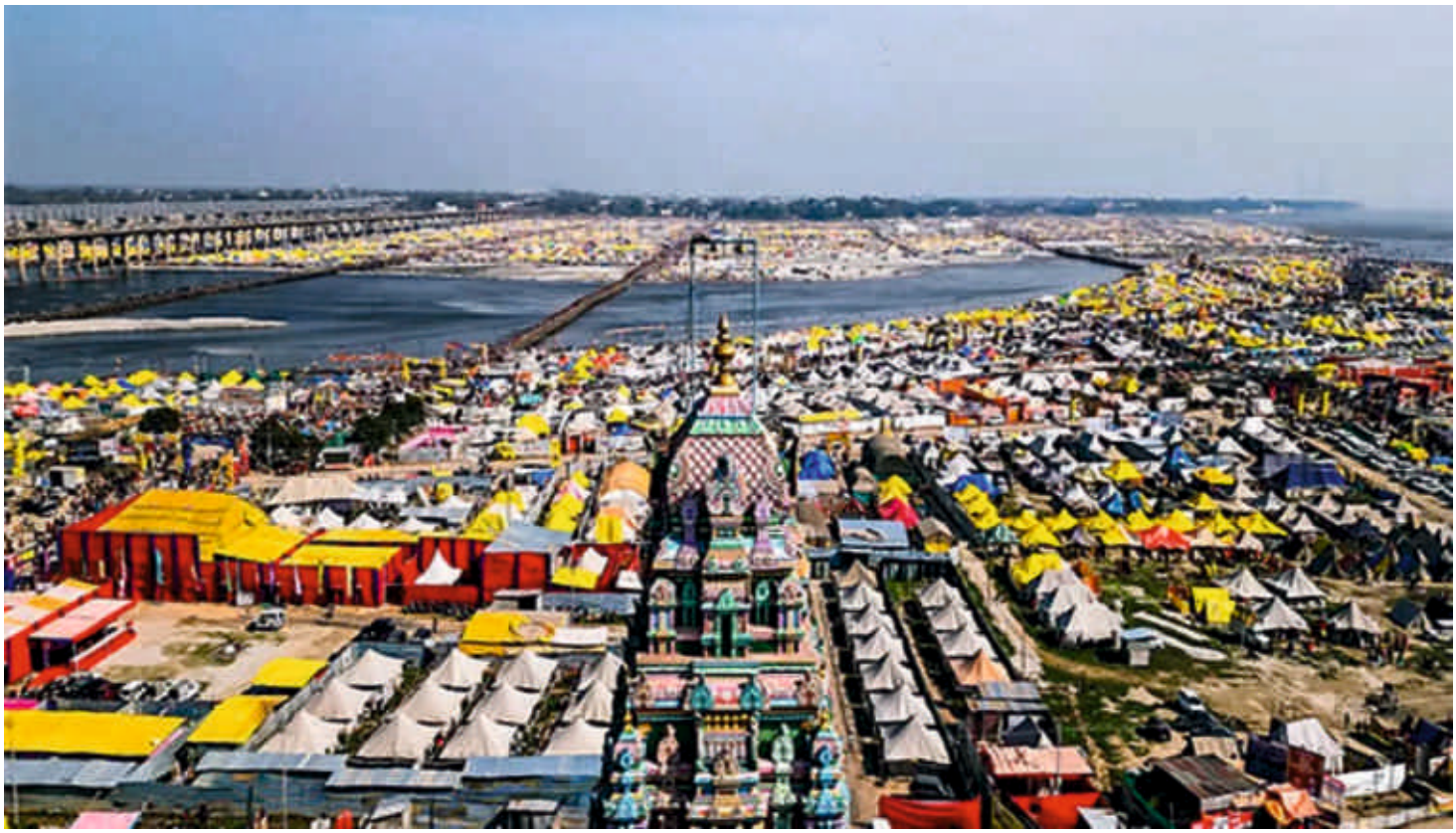

The Mahā Kumbh Mela, celebrated once every 12 years at Prayagraj, unfolded from 13 January to 26 February 2025, drawing a record-breaking 400–600 million pilgrims to the confluence of the Ganges, Yamuna, and the mystical Saraswati . Propelled by astrological alignments. Sun, Moon, and Jupiter the event is believed to cleanse sins and usher spiritual liberation.

Spiritual Importance & Rituals: Shahi Snān (Royal Baths): Six auspicious bath days, including three grand Shahi Snān on 14 Jan (Makar Sankranti), 29 Jan (Mauni Amavasya), and 3 Feb (Basant Panchami), with other key dates like Paush Purnima and Maghi Purnima.

Pilgrim Diversity: Hosts a vibrant mix. Naga Sadhus, Kalpvasis, saints, hermits, and global tourists representing over 30 countries.

Temporary City: Sprawling across~4,000 ha, divided into 25 sectors with 200,000 tents, 30 pontoon bridges, 200 miles of roads, 150,000 toilets, and multiple hospitals **Transport Network:** Rail: 360 trains (190 special, 110 regular, 60 MEMU) optimized for peak days .

Airport: Prayagraj Airport handled 5.6 lakh passengers and over 100 daily flights during peak days.

Roads: 450 km of new roads, 1800 km parking, and shuttle/autos in operation. **Tech-Aided Safety:** 50,000 security personnel, 12750 surveillance cameras, 2,500 LED lights, ICCC control rooms. Innovative GIS-mapped lamp-posts with emergency QR codes and a police mobile app enhanced crowd assistance .

Celebrity Presence: Notable figures like Prime Minister Modi, Gautam Adani, and Chris Martin attended; Indian sports icons such as Mary Kom and Anil Kumble took part .

Aftermath & Legacy Cleanup Aftermath: A 15-day sanitation drive was launched post-February to restore the site, crediting sanitation workers for their efforts.

Site Reuse: Infrastructure is slated for repurposing in rural development; equipment is being dismantled before monsoons.

Legal Follow-up: The High Court has instructed the UP government to address compensation for victims of the stampede.

Conclusion: The Mahā Kumbh Mela 2025 was a monumental event an extraordinary blend of faith, scale, and modern planning that set new records. It was both a spiritual highpoint and a logistical challenge. Despite tragedies and environmental scrutiny, the collective commitment by pilgrims, volunteers, officials, and scientists ensured its success and enduring impact on infrastructure and cultural heritage.

Commerce Section

N. R. Narayana Murthy

"I have always looked at my competencies before accepting any responsibility."

Dr. Deepti Sharma
Assistant Professor
(Department of Commerce)

CONTENTS

Sr. No.	Article Name	Writer Name
1.	Employability: Ability to gain and maintain employment	Dr. Deepti Sharma
2.	Why Pursue a Career in Commerce?	Dr. Shalu
3.	The Rise of E-commerce: Changing the Way We Shop	Kartik KatyaL
4.	National Education Policy (NEP)	Tina
5.	Employees: The most Valuable Asset	Anish
6.	Ethical Communication	Mayank
7.	Green Marketing	Rajni Sehrawat
8.	Banking in India	Tannu
9.	गाड़ी चलाते समय मोबाइल का इस्तेमालः एक बुरी आदत	डॉ० सीमा गोसाई
10.	Role of AI in Business Management	Manya Ahuja
11.	Smart & Leaders	Aastha Kapoor
12.	Adapting Leadership Style in finance	Kashish
13.	The Future of Business	Liza
14.	The future of Education How AI and VR are Transforming Learning	Jatin
15.	Inflation: The Price on rise	Bhuvan
16.	Marketing The Importance of Marketing in Today's Business Landscape	Kashish

Dr. Deepti Sharma
Assistant Professor
(Department of Commerce)

Message From

The Editor

Dear All

It gives me immense pleasure to share my views as an editor of Commerce section of our college Magazine 'ARCHA'. The magazine inculcates the young minds and imbibes in them habits of thinking and writing by providing a platform to present their creative, productive and innovative ideas and thoughts which ultimate results in overall development of the students. As we step into a new academic year, Our College is going to bring new issue of College magazine Archa. This issue reflects not only our shared experiences but also the diverse voices that can shape our future.

I want to express my gratitude towards all students and teachers for their valuable and overwhelming contribution. In a world that is constantly evolving, it's essential for us to embrace change-whether it's through academic pursuits, social initiatives, or personal growth. Each article in this edition showcases the resilience and creativity of our students, that push boundaries and foster inclusivity. We sincerely hope that the readers of this issue will find the articles of this section relevant, thought-provoking and intellectually inspiring.

Employability: Ability to gain and maintain employment

DR. DEEPTI SHARMA
Assistant Professor
Department of Commerce

Employability refers to a person's ability to gain and maintain employment. It encompasses a range of skills, knowledge, and personal attributes that enable individuals to successfully navigate the labour market and secure meaningful work.

Key Components of Employability:

Technical Skills: Proficiency in specific skills required for a job or industry.

Soft Skills: Non-technical skills, such as communication, teamwork, problem-solving, and time management.

Attitude and Motivation: A positive attitude, strong work ethic, and motivation to learn and grow.

Adaptability and Flexibility: Ability to adapt to changing work environments, technologies, and job requirements.

Continuous Learning: Commitment to ongoing learning and professional development.

Networking and Building Relationships: Ability to build and maintain professional relationships and networks.

Personal Branding: Ability to present oneself professionally, including resume, online profiles, and interview skills.

Factors Affecting Employability:

1. **Education and Training:** Relevant education and training can enhance employability.
2. **Work Experience:** Relevant work experience can demonstrate skills and adaptability.
3. **Skills Gap:** A mismatch between an individual's skills and the requirements of the job market can affect employability.
4. **Labor Market Conditions:** Economic conditions, industry trends, and job market demand can impact employability.
5. **Personal Circumstances:** Health, family responsibilities, and other personal factors can influence employability.

Why Pursue a Career in Commerce?

Dr. Shalu
Assistant Professor
Department of Commerce

Why Pursue A Career In Commerce?:

Commerce is a field that connects the dots between business, finance, and trade. It is one of the most popular streams for students after completing their secondary education. With its vast range of opportunities and relevance in every sector, a career in commerce offers stability, growth, and versatility. Whether you are passionate about numbers, business strategies, or entrepreneurship, commerce can pave the way for a bright future.

Career Opportunities in Commerce:

Commerce offers a broad spectrum of career options. Below are some of the most popular and rewarding paths for commerce students:

1. **Chartered Accountant (CA):**

   A Chartered Accountant is responsible for auditing, tax planning, and financial analysis. It is one of the most prestigious career options in commerce.

2. **Certified Management Accountant (CMA):**

   CMA certification focuses on cost management, financial planning, and strategic decision-making. It is ideal for students interested in finance and accounting.

3. **Company Secretary (CS):**

   A Company Secretary ensures a company complies with legal and regulatory requirements. They play a key role in corporate governance.

4. **Banking and Finance:**

   The banking sector offers roles like Probationary Officer, Loan Manager, and Investment Banker. These positions provide job security and growth

opportunities.

5. **Tax Consultant:**

Tax consultants specialise in helping businesses and individuals manage their taxes efficiently.

6. **Financial Analyst:**

A financial analyst interprets market trends and data to help organisations make informed decisions about investments.

7. **Marketing and Advertising:**

For those with creative and strategic skills, marketing and advertising offer exciting roles. Digital marketing, brand management, and advertising campaigns are some options.

8. **Human Resources (HR):**

Human Resources professionals manage recruitment, employee relations, and organisational development.

9. **Cost Accountant:**

Cost Accountants work on budgeting, cost control, and pricing strategies, helping businesses improve financial efficiency.

10. **Entrepreneurship:**

For those with a passion for innovation, starting a business can be a fulfilling career. Commerce provides the knowledge required to set up and run a successful venture.

11. **Government Jobs:**

Commerce graduates can appear for competitive exams like UPSC, SSC, and banking exams to secure government jobs. Roles like Income Tax Officer and Bank Officer are popular choices.

12. **Further Studies:**

Students can also opt for further studies to enhance their career prospects. Options include:

Conclusion: Commerce is a versatile field that offers immense benefits and countless career opportunities. Whether you aim to become a Chartered Accountant, work in banking, or start your own business, commerce provides the skills and knowledge you need to succeed.

The rise of E-Commerce: Changing the way we shop

KARTIK KATYAL
BBA 2nd Year (14317)

In the past decade, e-commerce has revolutionized the way we shop. From the comfort of our own homes, we can now browse and purchase products from around the world. But what's driving this phenomenon, and where is it headed?

Convenience and Accessibility : E-commerce offers unparalleled convenience and accessibility. With just a few clicks, we can shop 24/7, avoid traffic and queues, and even shop from our mobile devices. This has made it easier for people with busy lifestyles, disabilities, or those living in remote areas to shop.

Personalization and Choice : E-commerce platforms use AI-powered algorithms to offer personalized product recommendations, making it easier for us to discover new products. With millions of products at our fingertips, we can compare prices, read reviews, and make informed purchasing decisions

The Future of E-commerce

As technology advances, e-commerce will continue to evolve. Some exciting trends to watch out for include:

- Augmented Reality (AR) shopping experiences
- Social commerce and influencer marketing
- Sustainable and eco-friendly packaging
- AI-powered customer service chatbots

Conclusion : E-commerce has transformed the retail landscape, offering convenience, accessibility, and personalization. As technology continues to advance, we can expect even more innovative shopping experiences. Whether you're a seasoned online shopper or just starting out, one thing is certain - the future of retail has never looked brighter.

National Education Policy (NEP)

TINA
M.Com Final Year (14914)

The Education Policy (NEP) was introduced to transform the education System in India.

*** Main Goals of NEP are ***

1) Universalization of Education: To ensure that all children have access to quality education.

2) Improving Quality of Education: To Improve the quality of education by focussing on learning outcomes, teacher training, and Infrastructure development.

3) Promoting equity and inclusion: To promote equity and inclusion by providing opportunities for disadvantaged groups, such as girls, SC/ST, and differently-abled children.

4.) Preparing students for the future: To prepare students for the future by focussing on skills, critical thinking and problem-solving.

What's New in Education for future Generations?

The education sector is undergoing significant changes to prepare future generations for the challenges of the 21st century.

Some of the key developments Induce:-

1.) Personalized learning: with the help of Technology, students will have access to Personalized learning experiences tailored to their Individual needs and learning styles.

2) Artificial Intelligence and Machine learning: AI and ML will play a Significant role in education, enabling teachers to create customized learning plans and automating administrative testes.

3) Virtual and Augmented Reality: VR and AR will revolutionize the way students learn, making complex concepts more engaging and 4) Skills Based Education the focus will shift from traditional

subjects to skills Based education, emphasizing critical thinking, retentivity and problem-solving.

5) Online and Blended learning: online and Blended learning will become more prevalent, offering students flexibility and accessibility.

Employees: The most Valuable Asset

ANISH
BBA 2nd Year (14347)

Anne M. Mulcahy "Employees are the company's Greatest asset!"

Employees are the most valuable asset of the organisation. Each employee has their own abilities, knowledge and experience that can't be replaced.

Human resources is a paramount importance for the success of organisation. It is a source and aid of organisation. Employees are the lifeblood of the organisation. It is the employees that add value and depth to the organisation.

Therefore , treating them with dignity and respect is crucial for company's success. Great Organisations are made up of great people. Great people are those who have the skills, experiences, enthusiasm and passion which inspires them to contribute.

Ethical Communication

MAYANK
BBA 2nd Year (14305)

Ethical Communication: The Key to trust and Integrity in Business.

Communication is the way of exchange of information between two parties, whether written or oral. On the other hand, ethics refers to the art of defining what is right or wrong and choosing the most acceptable course of action.

Therefore, ethical communication is defined as the practice of exchanging informations in a manner that is truthful, accurate and respectful of others.

It encompasses a range of core principles including honesty, integrity, fairness and respect.

Ethical communication in business builds trust, strengthens relationships. and fosters a positive work environment, ultimately leading to improved productivity and a stronger reputation.

Green Marketing

RAJNI SEHRAWAT
M.Com 2nd Year (14907)

• Green Marketing is a powerful tools for Businesses to promote their eco-friendly products and services while appealing to environmentally conscious Consumers. Here are Some key aspects of green Marketing;

Benefits of Green Marketing:

- Enchance brand reputation and loyalty.
- Differentiates a brand from competitors.
- Appeals to the growing Market of eco-conscious consumers.
- Can lead to cost saving through Sustainable practices.

Strategies for Effective Green Marketing:

- **Integrating Green Messages:** consistently Convey green messages across all Marketing channels.
- **Eco-labeling & Certification:** obtain eco- Labels & certification to provide credibility to environmental claims.
- **Green product & Packaging Innovations:** Innovate products & packaging to minimize environmental impact.
  Storytelling: use storytelling to improvel the environmental benefits of products or services.

Example of successful green Marketing:

- **Starbucks:**
  Promotes sustainability through solar energy use and recyclable cups.
- **Apple:**
  Introduces products made from 100% recycled aluminium.
- **IKEA:**
  Aims to become climate- positive through sustainable practices and renewable energy Investments.

Avoiding Green vouching

- Ensure authenticity in environmental claims.
- Avoid misleading or unsubstantiated claims.

Banking in India

TANNU
M.Com 2nd Year (14923)

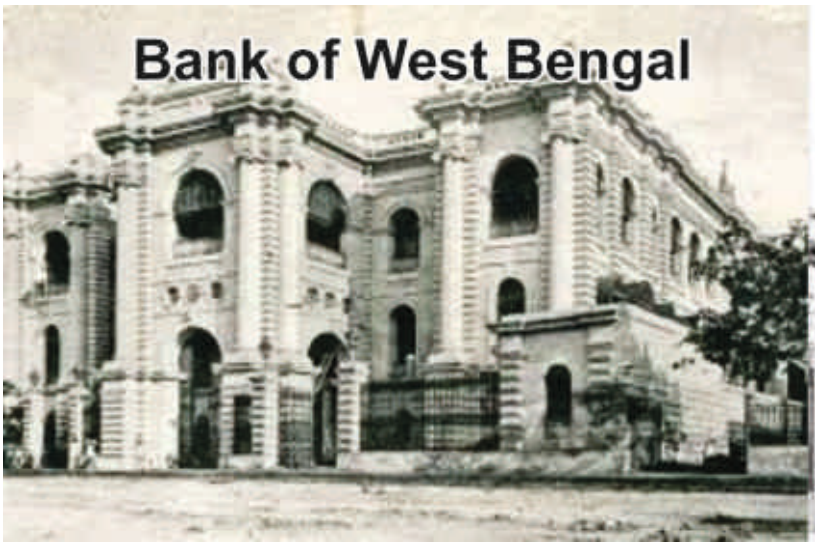

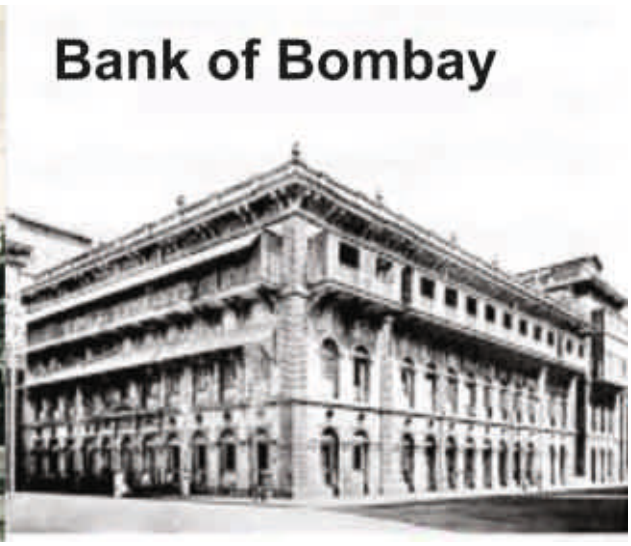

भारत में पहला बैंक (आधुनिक), बैंक ऑफ बंगाल था, इसकी स्थापना 1806 ई० में हुई थी। बैंक ऑफ बॉम्बे की स्थापना 1840 ई० में और बैंक ऑफ मद्रास की स्थापना 1843 ई० में हुई थी। इन तीनों बैंकों को प्रेसीडेंसी बैंक कहा जाता था।

बैंक एक वित्तीय संस्था है जिसे चैक और जमा स्वीकार करने और ऋण देने के लिए लाइसेंस प्राप्त है। बैंक कई प्रकार के होते हैं जिनमें खुदरा बैंक, वाणिज्यिक या कॉर्पोरेट बैंक और निवेश बैंक शामिल हैं। अधिकांश देशों में बैंकों का विनियमन राष्ट्रीय सरकार या केन्द्रीय बैंक द्वारा किया जाता है।

बैंकिंग सेवाएं हमारे जीवन में बहुत जरूरी है क्योंकि ये वित्तीय सुरक्षा, विकास और लेन-देन की सुविधा प्रदान करती है। बैंकिंग सेवाओं के बिना पैसे का प्रबंधन करना, भुगतान करना, ऋण लेना सम्भव नहीं है। बैंकिंग सेवाएं लेन-देन को आसान करती है, इसमें गरीब किसानों को ऋण मिलता है यह आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, इससे पैंशन, वेतन, शिक्षा शुल्क का भुगतान आदि होते हैं।

इनका लाभ (बैंकिंग सेवाएं) लेने के लिए, यही तरह का बैंक खाता चुनना जरूरी है, इसके अलावा, सही डेबिट, क्रेडिट कार्ड चुनकर रिवॉर्ड पॉईंट या कैश बैक पाया जा सकता है।

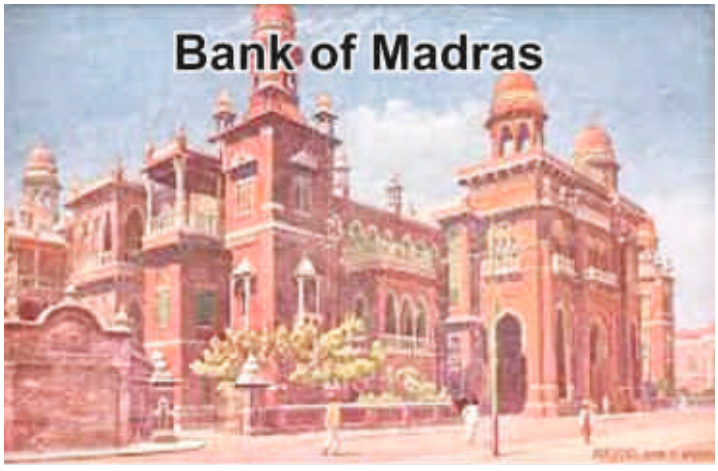

गाड़ी चलाते समय मोबाइल का इस्तेमालः एक बुरी आदत

डॉ० सीमा गोसाईं
सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग

बहुत से युवा सोचते हैं कि "थोड़ा सा देख लेने से कुछ नहीं होगा" या "मैं संभाल लूंगा।" लेकिन सच्चाई यह है कि गाड़ी चलाते समय एक सेकण्ड का ध्यान भटकना भी जानलेवा हो सकता है।

ड्राइविंग करते समय मोबाइल की लतः युवा भूल जाते हैं परिवार की फिक्र

आजकल के युवा मोबाइल फोन के इतने आदि हो चुके हैं कि वे हर समय इसका इस्तेमाल करना चाहते हैं- चाहे वे कहीं भी हों, कुछ भी कर रहे हों। सबसे खतरनाक बात यह है कि कई युवा वाहन चलाते समय भी मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं।

यह आदत न सिर्फ उनकी जान को खतरे में डालती है, बल्कि उनके परिवार को भी चिंता और डर में डाल देती है। आजकल मोबाइल फोन हर किसी की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। खासकर युवा दिनभर मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। वे हर समय सोशल मीडिया, गेम्स, चैट और कॉल में लगे रहते हैं। लेकिन जब वे गाड़ी चलाते समय भी मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं, तो यह बहुत खतरनाक हो जाता है।

"फोन पर ध्यान दोगे तो सड़क पर जान खो दोगे।"

इससे होने वाली समस्याएंः- वे भूल जाते हैं - कोई उनका इंतजार कर रहा है जब युवा गाड़ी चलाते समय मोबाइल चलाते हैं, तो वे यह भूल जाते हैं कि घर पर कोई उनका इंतजार कर रहा है - माँ, बाप, भाई, बहन। उनका एक हादसा पूरे परिवार को तोड़ सकता है। माता-पिता हमेशा बच्चों की सलामती की दुआ करते हैं, लेकिन बच्चे यह नहीं सोचते कि उनकी लापरवाही से माता-पिता पर क्या बीतेगी।

मोबाइल की लत और लापरवाहीः- मोबाइल फोन का ज्यादा उपयोग एक लत बन गया है। बहुत से युवा

ड्राइविंग करते समय कॉल पर बात करते हैं, मैसेज पढ़ते हैं या सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। उन्हें लगता है कि ''मैं संभाल लूंगा'' या ''कुछ नहीं होगा'', लेकिन एक पल की लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

परिवार की चिंताः- जब एक युवा मोबाइल चलाते हुए एक्सीडेंट करता है, तो उसका सबसे बड़ा असर उसके परिवार पर पड़ता है। माँ-बाप हर रोज अपने बच्चे की सलामती की दुआ करते हैं। उन्हें हर समय डर लगता है कि कहीं कुछ गलत न हो जाए। लेकिन अफसोस की बात यह है कि बहुत से युवा इस डर और फिक्र को नजरअंदाज कर देते हैं।

हादसे किसी को भी नहीं छोड़तेः-

दुर्घटनाएं किसी को बताकर नहीं आतीं। कई बार बहुत साधारण-सी जगह पर, बहुत कम स्पीड में भी मोबाइल के कारण हादसे हो जाते हैं। कॉल या मैसेज का जवाब देना जरूरी नहीं होता, लेकिन जिंदगी बहुत कीमती होती है।

क्या करें?

- ड्राइविंग करते समय मोबाइल को साइलेंट या फ्लाइट मोड में रखें।
- अगर जरूरी कॉल हो, तो गाड़ी रोककर ही बात करें।
- परिवार की फिक्र को समझें और उन्हें दुखी न करें।
- अपने दोस्तों को भी ऐसा करने से रोकें।

निष्कर्षः- मोबाइल जरूरी हो सकता है, लेकिन आपकी जिंदगी उससे कहीं ज्यादा कीमती है। अपने परिवार की चिंता करें, उनकी भावनाओं की कद्र करें। एक कॉल या मैसेज रुक सकता है, लेकिन हादसा नहीं। मोबाइल बाद में भी देखा जा सकता है, पर जिंदगी दोबारा नहीं मिलती। मोबाइल की लत बहुत खतरनाक हो सकती है, खासकर जब हम ड्राइविंग कर रहे हों। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि उनका जीवन सिर्फ उनका नहीं है, उनके परिवार की पूरी दुनिया उनसे जुड़ी होती है। एक छोटी सी गलती माँ-बाप की पूरी दुनिया उजाड़ सकती है। मोबाइल बाद में भी चलाया जा सकता है, लेकिन जिंदगी वापस नहीं आती।

ना देखो स्क्रीन जब हाथ में स्टेयरिंग हो, सड़क पर फोकस हो, यही असली ड्राइविंग हो।

माँ-बाप करते हैं इंतजार घर पर हर रोज, एक गलती ना बन जाए उनके आंसुओं की बौछारों का रोज।

Role of AI in Business Management

MANYA AHUJA
BBA 3rd Year (11635)

Artificial Intelligence (AI) have developed tremendously in recent years, and its not just Chat GPT to help with creating Content that deserves the recognition.

AI is transforming business management by helping, organisations do more with less across various functions, from recruitment to project management and even customer service.

Here are five ways that AI is shaping business management management today.

1) Enhancing Customer relationship management
2) Optimising project and task Management
3) Analysing Data and Forecasting
4) Enhancing Cyber Security
5. Improving talent acquisition

As AI Continues to evolve and mature, business can leverage the technology to achieve new productivity gains. But implementing AI in Business Management isn't a plug and play process, one needs to intentionally considers the System and processes, and assess where AI can add real Value.

Smart & Leaders

AASTHA KAPOOR
BBA 2nd Year (14377)

Intellect is raising its power day by day. Nowadays, words matter almost equal to the actions of an individual, and specifically if the particular individual is summed up as a leader.

Hardwork matters, but smart work prepares the leader to act decisively and leading a team of an organization with discerning approach.

A leader must know the self- concepts of awareness and self- leadership. A leader should be qualified enough to Say 'No' in situation that may arise in any case anyhow.

At the end its conclude that for the intellect & acceleration, youth should preserve their abilities and nurture them with intellect, smartness & decisiveness.

Adapting Leadership Style in finance

KASHISH
BBA 3rd Year (11678)

The finance industry is a fast-paced and ever-evolving sector that demands dynamic leaderships. Leader in finance must adapt their styles to meet market changes, regulatory developments, and workforce expectations. This article explores key leadership styles and how they can be adjusted to maximize efficiency and success in the finance sector.

Understanding leadership Styles: There are Several leadership style each with its own advantages and Challenges in a financial setting.

1. Transformational Leadership.
2. Transactional leadership
3. Servant leadership.
4. Autocratic leadership

Adapting leadership styles in the finance industry is essential for success by understanding when and how to shift between different leadership approaches.

The Future of Business

LIZA
BBA 3rd Year (11649)

In Today's rapidly evolving world, business must continuously adopt new trends and innovations to stay competitive. The global Market is shifting to advancements, changing consumers behaviours and economic fluctuations. To succeed in the coming years, business must embrace innovation and stay ahead emerging trends.

Digital Transformation: it is the most significant shifts in modern business is digital transformation companies are leveraging artificial intelligence IAI, Big Data and Automation to enhance efficiency and decision Making.

Sustainability & Corporate Responsibility the consumers are increasingly favouring business that prioritize sustainability and ethical franticness.

Remote Work and Hybrid Models it is evolving with remote work and hybrid models becoming the norm.

Conclusion: The Future of Business is shaped by innovation, technology and adaptability.

The future of Education

HOW AI AND VR ARE TRANSFORMING LEARNING

Jatin
M.Com 2nd Year (14910)

Technology is reshaping Education, and two of most transformative innovations are Artificial Intelligence and Virtual Reality. These technologies are revolutionizing Professions education by making Learning more Interactive, personalized and accessible. From medical training to management and engineering AI and VR are Enhancing learning experiences and preparing students far real-world challenges.

The Role of AI in Modern Education.

AI is transforming the Education Sector in Various ways. Examples.

- Personalized and Adaptive Learning.
- AI as a Teaching Assistant
- Predictive Analytics for Better Performance

Virtual Reality: Creating immersive learning experiences, VR is creating immersive learning experiences that stimulate real-world environment.

It allows students to explore virtual environment, interact with 3D models and participate in simulation, enhancing understanding and retention of complex concepts

across various subjects.

Realistic Simulations far Practical Training: VR Allows students to practice in a safe, controlled Environment im Medical Education, VR Based Surgery training Provides hands-arm life risks.

Virtual classrooms and Interactive Learning: VR-Powered classrooms create an Immersive experience where students cam interact with instructors and peers in a 3D environment enhancing engagement in online learning.

Virtual Labs and field Studies: Eliminates geographical and financial YR Parries by allowing students of conduct experiment in virtual labs. In environmental science and geology, Students can explore ecosystem and geological Structures without needing to travel.

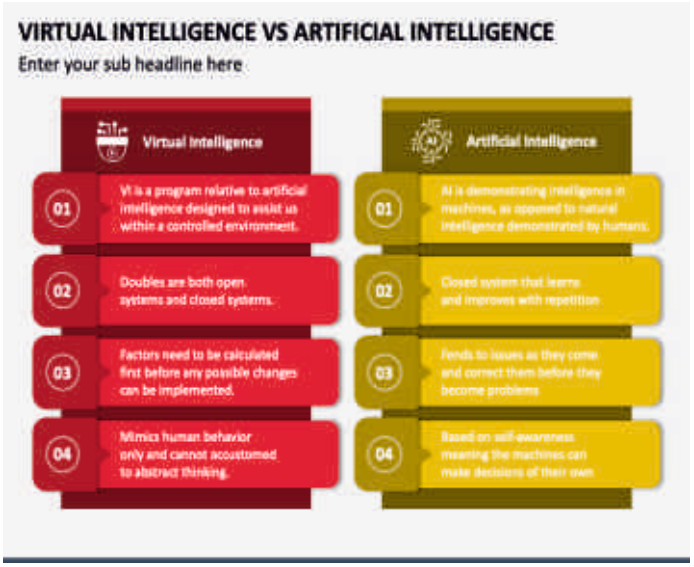

Challenges under VR and AI Implementation

- High cast and accessibility issues
- Faculty training and adaption
- Ethical concerns and data privacy

Reason:

- Advanced VR and AI technology require significant investment in hardware, software, and training.
- Educators need proper training to integrate AI and VR into their teaching methods.
- AI collects vast amounts of student data, raising concern about security and ethical use Institution must Implement strong data. Protection policies and ensure compliance with regulation such as GDPR and PERPA.

Conclusion: AI and VR are redefining education by making learning mare interactive, personalised and practical, while challenge such as cast, training and data privacy must be addressed, the long-term benefits ignore the limitations. As AI and VR technology continue to evolve, Institution must adapt to ensure that students are equipped with the skills needed for future workforce.

Inflation: The Price on rise

BHUVAN
B.Com 2nd Year (13604)

Inflation is the rate of increase in prices over a given period of time. Inflation is typically a broad measure, such as the overall increase in prices or the increase in the cost of living in a country. But it can also be more narrowly calculated for certain goods, such as food, services etc.

Imagine your favourite coffee shop in India. In 2020, a cup of coffee cost 100. You could buy 10 cups of coffee with 1,000.

Now, fast-forward to 2024. Because of inflation, the same cup of coffee now costs ₹120. Ouch! Your ₹1,000 can only buy 8.33 cups of coffee (1,000+120).

That's inflation in action! The price of the coffee increased by 20% (from 100 to 120), but the value of your money (1,000) decreased. You can buy fewer cups of coffee with the same amount of money.

This example illustrates how inflation can erode the purchasing power of money over time.

Demand pull inflation:- Demand-pull inflation is a type of inflation that occurs when demand for goods and services exceeds the economy's capacity to produce them. It's also known as "too much money chasing too few goods".

Core inflation:- core inflation reflects the change in the price of goods and services, excluding the price changes in the food and energy sectors also excludes the impact of government subsidies, core inflation is calculated using consumer price index, shows how much the standard of living has weakened.

Hyperinflation:- Hyperinflation is a rapid increase in the price of goods and services, which can lead to economic chaos. It's a severe form of inflation that can cause the value of a currency to erode quickly. It generally happens due to the

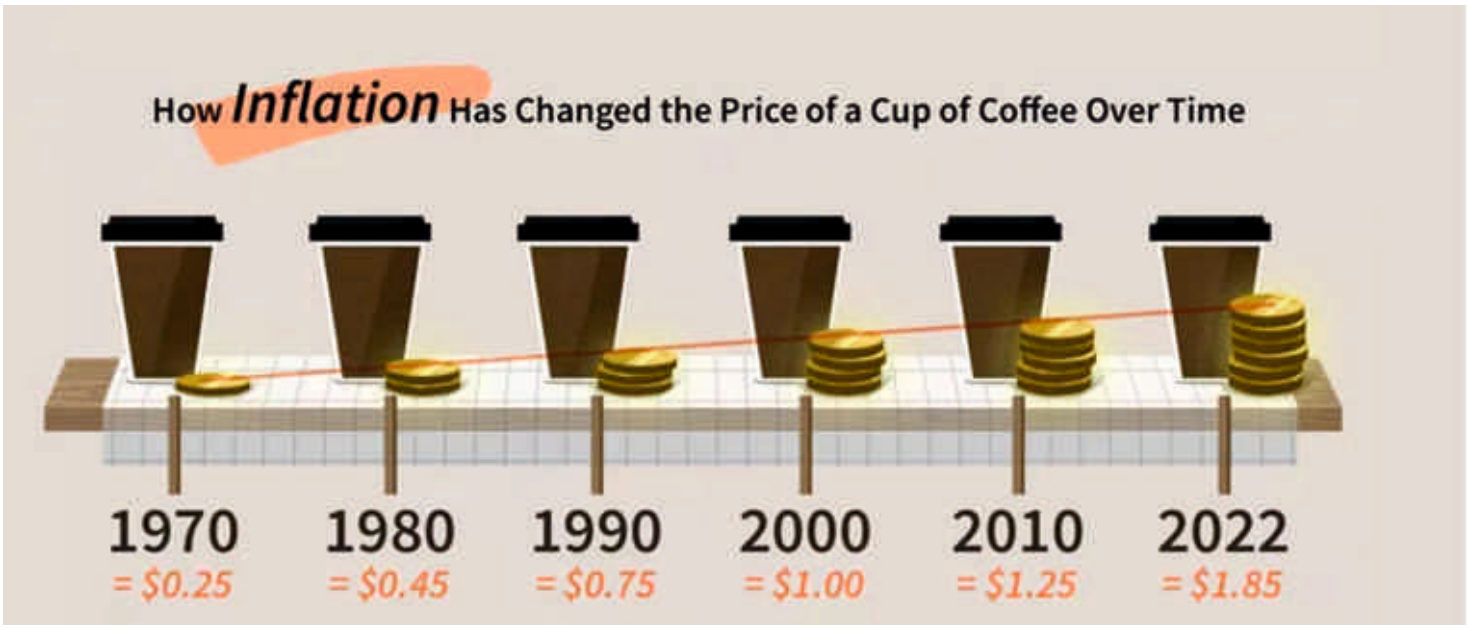

increasing in money supply (when a government prints more money to pay on spending, and lead to the loses of purchasing power.

Imported inflation: It is when the cost of imported goods and services increases, which in turn increases the cost of domestically produced goods and services. This can happen when a country's currency depreciates or when the price of imported goods increases.

Wage inflation:- It is a general increase in the amount people earn over time. It can also refer to the overall increase in the cost of goods and services that results from rising wages. It may lead to Wage price spiral and consumer demand(When workers receive higher wages, they demand more goods and services, which causes prices to rise).

Cost-push inflation:- it is a type of inflation that occurs when the cost of production increases, causing businesses to raise prices. This can happen when the supply of goods and services decreases, but demand remains the same.

Marketing

The Importance of Marketing in Today's Business Landscape

KASHISH
B.Com 2nd Year (13631)

In today's fast-paced, digitally-driven world, marketing plays a crucial role in the success of any business. Whether you're a small startup or a large corporation, marketing is essential for reaching new customers, building brand awareness, and driving sales

Why Marketing Matters:

1. **Increased Competition:** With the rise of e-commerce and social media, the business landscape has become increasingly competitive. Marketing helps you stand out from the crowd and differentiate your brand from others.
2. **Changing Consumer Behaviour:** Consumers are now more informed and connected than ever before. Marketing helps you understand their needs, preferences, and behaviors, and tailor your message accordingly.
3. **Digital Transformation:** The digital revolution has transformed the way businesses interact with customers. Marketing helps you leverage digital channels like social media, email, and search engines to reach your target audience.

4. **Brand Awareness:** Marketing helps you build and maintain a strong brand identity, which is essential for establishing trust and credibility with customers.
5. **Lead Generation:** Marketing helps you generate leads and drive conversions, which are critical for business growth and revenue.

The Benefits of Effective Marketing:

1. **Increase Sales:** Marketing helps you reach new customers and drive sales.
2. **Improve Brand Credibility:** Marketing helps you establish trust and credibility with customers.
3. **Competitive Advantage:** Marketing helps you differentiate your brand from competitors.
4. **Customer Engagement:** Marketing helps you build strong relationships with customers.
5. **Business Growth:** Marketing helps you drive business growth and revenue.

The Consequences of Neglecting Marketing:

1. **Loss of Market Share:** Without effective marketing, you risk losing market share to competitors.
2. **Decline in Sales:** Neglecting marketing can lead to a decline in sales and revenue.
3. **Damage to Brand Reputation:** Poor marketing can damage your brand reputation and credibility.
4. **Missed Opportunities:** Without marketing, you may miss opportunities to connect with new customers and drive business growth.

Conclusion:

In today's fast-paced business landscape, marketing is more important than ever. It helps you reach new customers, build brand awareness, and drive sales. By investing in effective marketing strategies, you can establish a strong brand identity, drive business growth, and stay ahead of the competition.

Science Section

Albert Einstein

Everybody is a Genius.
But if you judge a fish by its ability to climb a tree,
it will live its whole life believing that it is stupid.

-Albert Einstein

Ms. Pratibha Saini
Assistant Professor
(Department of Science)

CONTENTS

Sr. No.	Article Name	Writer Name
1.	Interesting Science facts	Rajni
2.	Eternal Beauty	Rinki
3.	Joy will Guide You	Divya
4.	SPACE FACTS	Isha
5.	3D Printers	Rekha
6.	11 Fun Facts about 'YOUR BRAIN'	Vidhi
7.	Skill Based Education	Khusbhoo
8.	Personality Development	Shweta
9.	Lifestyle And Fashion	Khushi
10.	Social Media	Kirti
11.	Travel and Tourism in India: A development Perspective	Palak
12.	Science Means To Know	Kiran

Ms. Pratibha Saini
Assistant Professor
(Department of Science)

Message From
The Editor

Dear All,

It gives me immense pleasure to present this edition of our College magazine, 'Archa' a reflection of the vibrant spirit, creativity and intellect that thrives within our College Campus. This magazine holds the idea's of our students creative, thoughtful and brilliant mindset's for bringing us generation's approach in the field of writing and communication. It is a voice for every student who dares to think differently, who dreams and who act. As an editor of the Science Section, I have come to realize how deeply connected knowledge is to experience and how expression gives life to both. Each page is filled with passion, hard work and the essence of student life. Through these writings, we celebrate our achievements, reflect on our journey and look ahead to a future full of promise. I want to share my gratitude towards all students and faculty members for this wonderful experience. I hope that the reader's of our magazine will be delighted in having their views and judges much better and it can be possible for their better toning and understanding of seeing the world's perspective as a mirror for the world and it's upcoming future. I extend my heartfelt gratitude to all contributors, teachers and the editorial team who made this issue possible. Let this be a reminder that our thoughts matters and that our voices, when shared have the power to inspire.

Warm regards

Interesting Science Facts

RAJNI
B.Sc 2nd Year (14507)

- Baby bones when born, humans have around 300 bones, which fuse together as they grow, leaving adults with 206 bones.
- **Helium defies gravity :** when cooled to when near absolute zero helium becomes a superfluids allowing it to flow without friction, essentially defying gravity.
- **Bananas are radioactive**: Bananas contain small amount of naturally occurring radioactive potassium.
- **Dust is mostly dead skin:** A large portion of the dust in our homes is made up of dead skin cells.
- **Eiffel Tower grows in Summer:** Due to thermal expansion, the Eiffel Tower can grow slightly taller in hot weather.
- Saliva is essential for taste & we cannot taste food without saliva, as it dissolves the food molecules for our taste buds to detect.

Eternal Beauty

RINKI
B.Sc 2nd Year (14604)

"Mirror, mirror on the wall,

it doesn't matter if I'm short or tall,

if I have skinny legs or my hips are wide.

it only matters who I am inside.

Blue eyes, brown eyes, black or green,

what makes me beautiful can't be seen.

When you look at me, don't judge me by my parts;

The most beautiful thing about me is my heart.

Joy will Guide You

DIVYA
B.Sc 2nd Year (14614)

while you cannot always predict what the next season will bring, or what it will look like or feel like.

you can count on this: things will not always stay the same they must evolve.

meaning your circumstances are always going to be changing.

and, if you want to make the most of each season.

if you want to see each season be fruitful despite the circumstances.

You must allow joy to be your compass.

Space Facts

ISHA
B.Sc 2nd Year (14617)

1. The whole of Mars is as cold as the south pole
2. Saturn's rings are 90% water
3. Jupiter's largest moon has a salty ocean that contains more Water than on Earth.
4. It would take 100 times longer to travel around the sun than the earth.
5. A day is longer than a year on Venus.
6. The Solar system is roughly 4.5 billion years old.
7. The solar system might not end with pluto.
8. Pluto Isn't the only dwarf planet in our solar System - we have six.
9. Uranus' clouds are made up of hydrogen sulphide, meaning, they have a similar Smell to rotten eggs.
10. The sun makes up 99.8% of the solar system mass.

3D Printers

REKHA
B.Sc 3rd Year (11107)

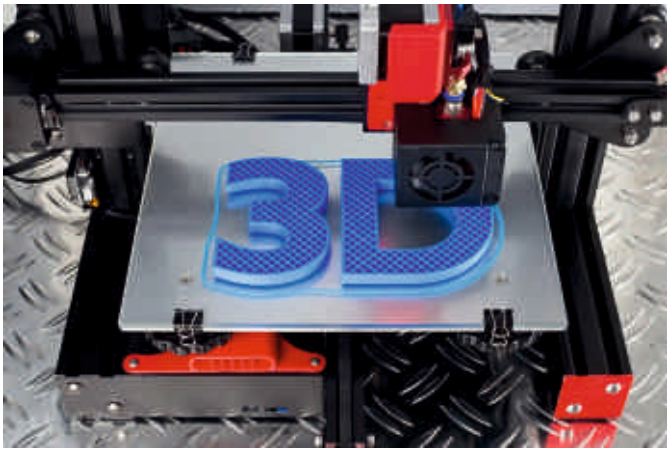

3D printers are newest technology
They say will lower costs easily

Just set the object on your
computer screen
And it will print out what it is
needed and Seen

Making intricate patterns of parts
And may bring back The
manufacturing arts

From the countries where
labour is cheap
Western countries may return
a manufacturing reap.

11 Fun Facts about 'YOUR BRAIN'

VIDHI
B.Sc 2nd Year (14601)

1. 60% of human brain is made up of fat, making it fattiest organ in human body. These fatty acids are crucial for your brain performance, so make sure you are consuming efficient nutrients.
2. The Brain functions at 100% from 6 am to 7:30 am.
3. Chemical reactions causes headaches.
4. Human Brain comprises of about I hundred billion neurons.
5. Average Human brain contains about 75% water.
6. Human brain will triple its size in first year of life.
7. Your brain generates enough electricity to light a bulb.
8. Men's brains are generally 10% bigger than women's brains but female brain works more efficiently.
9. Your gut contains 100,000 neurons (enteric nervous system) making it second brain.
10. Size doesn't matter, as Albert Einstein's brain weighed 1.2 kg, which is 10% smaller than average.
11. People can "reprogram" their brains to be happy by simply recalling 3 things they are grateful for every day for 21 days.

Psychology says

There are three things the human brain cannot resist noticing:

• Food • Attractive people • Danger

Skill Based Education

KHUSBHOO
B.Sc 1st Year (2415013)

Skill based education places a strong emphasis on practical learning, enabling individuals to acquire and own skills that are directly relevant to the workplace. This approaches a learner-centric environment that encourages active engagement, hands-on experience and continues skill development By integrating experiential learning method such as internship apprenticeships and project based assignments students gain valuable insights into the real world application of their knowledge. This practical exposure cultivates problem solving abilities creativity and adaptability a learner-centric environment that encourages active engagement, hands-on experience and continues skill development by integrating experiential learning method. Such as inter assignments students gain valuable insights into the real world application of their knowledge. This practical exposure cultivates problem solving abilities creativity and adaptability essential skills for navigating the uncertainties of the future.

Personality Development

HOW TO FALL IN LOVE WITH YOURSELF ?

SHWETA
B.Sc 1st Year (2415014)

One of Tony Robbins' core msg is," The quality of your life is the quality of your relationship and that includes your relationship with yourself- learning how to fall in love with yourself is essential to your own happiness, to your success in relationships and to the way you interact with the world. That's because of the law of attraction what you put out into the world, you get back tenfold when you fall in love with yourself, you'll naturally spread that love out into the world, improving the quality of your life and others.

When you love yourself, you receive more love in return. when you excide confidence and joy, you'll attract others with the same zest for living. This improves the quality of your relationships, which improve your life.

The cycle is clear-

and it all starts with falling in love with yourself falling in love with yourself

But where does self-love come from? And how can you build it? What are the

best ways to love yourself?

- Be kind to yourself
- Change your self-talk
- Adjust your physical state Meditate
- Surround Yourself with supportive people relationships
- Adopt an abundance mindset Gro off the Grid
- Practice self-care Have Fun
- Do something you're good at.
- Push Yourself
- Take credit
- Find your purpose
- Give Back

Lifestyle and Fashion

KHUSHI
B.Sc 1st Year (2415011)

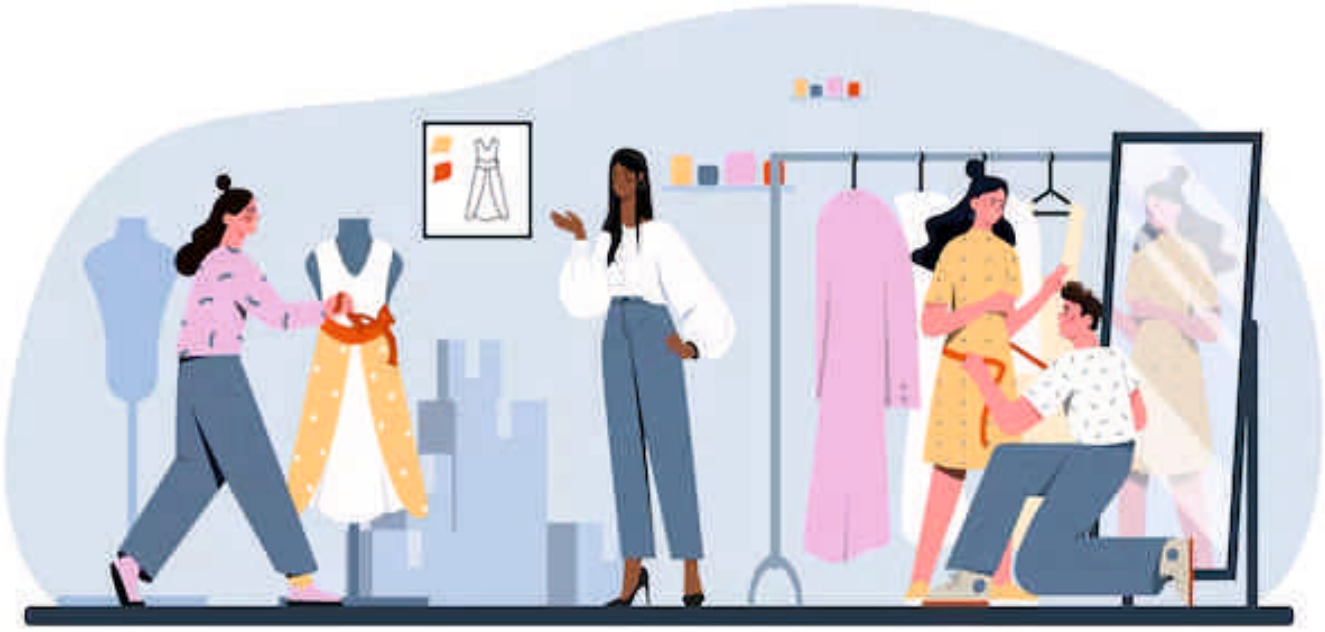

- **Fashion as self-expansion:** How fashion can reflect a person's values, culture and identity.
- **Lifestyle Choices:** How a person's lifestyle, such as their diet, exercise, and social interactions, can influence their fashion choices.
- **Sustainable fashion:** How people can choose clothing that aligns with their values by supporting eco-friendly brands or choosing Vintage clothing.
- **Fashion Trends**: How fashion trends change over time and how people can embrace them will still expressing their individuality.
- **Medium:** Articles about how lifestyle and fashion are inter twined and how people can use this understanding to create a wardrobe that reflects them
- **Linkedin:** Articles about how lifestyle and fashion are integral parts of modern society and how they shape how people express themselves.
- **Vogue India:** Articles about fashion, beauty, and lifestyle, including weddings.
- **Hindustan Times**: Articles about lifestyle, fashion, and health
- **Research Gate:** Articles about how fashion trends impact society.

Social Media

KIRTI
B.Sc Year (2415004)

Social media is one of the most fast growing platforms in our era we are able to communicate with other people very easily by social media we are also able to know the news in other parts of the world much easily by using social media. we can see the variety of opinions which arises by discussing and debating about a particular subject or incident.

Some small people whose voice was not heard before are able to voice opinions through social media. They are able to bring out the truths to the public. We are also able to share video, pictures etc. With just one click through social media we are able to build better relationships with our friends. Thus, we can say social media is very helpful for an industrial in many ways Social media also has a harmful effect if its not used wisely or judiciously, some people get addicted to social media like instagram, facebook, whatsapp etc. This leads to a decrease in their productivity in real life people are doing less exercise these days and engrossed in social media. It makes them unhealthy. Increase in eye problems. Thus, social media has a negative effect on the life of an individual.

Travel and Tourism in India: A development Perspective

PALAK
B.Sc Year (2415015)

Travel and tourism have been an integral part of an individual life, whether a person is wealthy, affluent, well educated, disadvantaged and poverty stricken or belong to socio-economically backward section of society. People get engaged into travel and tourism for a variety of purposes such as religious, cultural, sports, education, medical etc. There are multiple purpose that enable individual to get involved in travel and tourism. India is a country of different cultures, values, religions, ethnicities; it has splendid temples, religious places, recreation places, wildlife sanctuaries, beaches, tombs, museums and many other areas attract tourists from different parts of globe.

India, is becoming famous and is recognized to have a rich and cultural heritage due to its historical monuments, religious places, recreation areas, wildlife sanctuaries forests. The main areas that has been highlighted in his research paper are Indian Tourism industry. The National Tourism policy 1982 support tourism in India. These areas underscore the significance of tourism in India and it has undergone much greater extent of progress and development.

Science Means To Know

KIRAN
B.Sc 3rd Year (11118)

Science means to know
but we don't know everything
We don't know what we don't know
and we know that we don't know
So if we don't know. we should say so
unless we are ruled by ego
then as our knowledge base grows
the more we know shows we have grown
we make to know more then we now know
we can observe test & evaluate our new known
travel on the road goes slow.

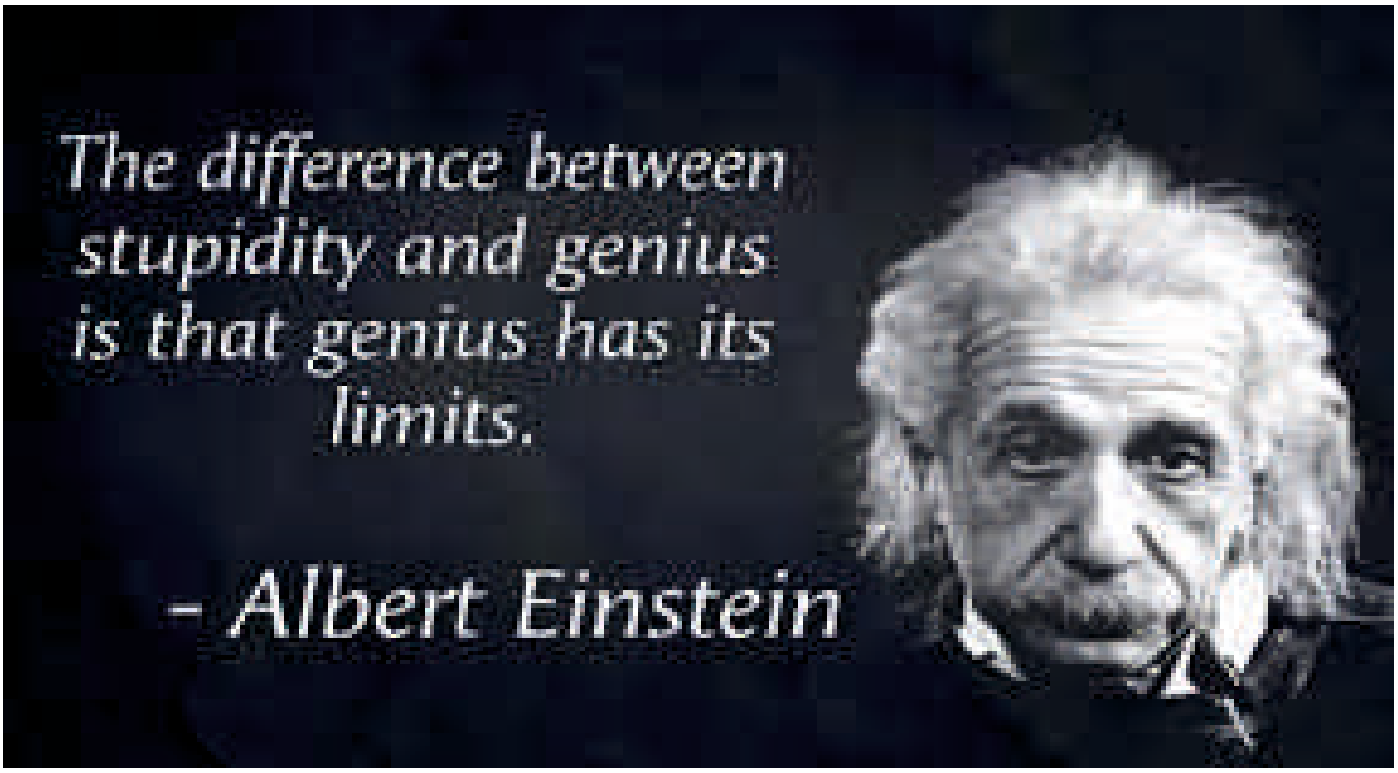

IT Section

BILL GATES

"We're changing the world with technology"

DR. REENA KATYAL
Assistant Professor
(Department of Computer Science)

CONTENTS

Sr.	Article Name	Writer Name
1.	Oh Computer - Oh Computer	Harsh
2.	Cyber-security Measures	Aman
3.	Computer	Harsh
4.	Brain - Computer Interfaces (BCI's)	Himanshu
5.	Autonomous Systems: The Rise of Self-Healing Architectures	Himanshu
6.	Machine Learning: Revolutionizing the Future	Brij Mohan Singhal
7.	Computer in Today's World	Nitin
8.	Computer Talk	Nitesh Kumar Yadav
9.	Why programming is important in our life	Deepanshi
10.	Hacking	Aman
11.	The Good Use of the Internet	Aman
12.	The Role of Information Technology in Modern Society	Akash
13.	Networking: The Backbone of Digital Communication	Neha
14.	Cyber-security: Protecting the Digital World	Gulshan Kumar
15.	Beyond Crypto-currency: Transforming Industries	Jasmeet Singh

Dr. Reena Katyal
Assistant Professor
(Department of
Computer Science)

Message From

The Editor

Technology is no longer a separate domain. it is the very fabric of modern existence. It shapes how we live, think, connect, and create. From the algorithms that curate our digital lives to the sensors that power smart cities, technology has become an invisible yet omnipresent force. Its pace is relentless, driven by innovation in fields like artificial intelligence, biotechnology, quantum computing, and renewable energy. Yet, amid this rapid advancement, there lies a profound responsibility: to ensure that technology serves humanity, not the other way around. The true measure of progress lies not in how advanced our tools become, but in how thoughtfully we use them to build a more equitable, sustainable, and meaningful world. As we look to the future, the fusion of ethics with innovation will be the cornerstone of purposeful technological growth.

Oh Computer Oh Computer

HARSH
BCA Final Year (11477)

Oh Computer Oh Computer.....
You Are The Real Forthcoming Future. You Can Do All Tough Things, What Is Human Can't Imagine, That You Brings.
You Makes Impossible To Possible,
You Are Greatest Smart,
But You Are
The One Who Had Without A Heart.
You Can Solve Hard Problems, Just Like An Easy You Can Create Save Or Delete, Happiness Life Not Like Busy.
You Lives Between Wires Software's And Hardware's,
You Works Without Stress,
You Are The Modern Revolution For The Human Race.
You Are The Source of Entertainment,
You Makes Life Beautiful,
You Are The Best Friend Of Human Cause You Are Wonderful.
Oh Computer Oh Computer..

Cybersecurity Measures

AMAN
BCA Final Year (11487)

1. Using Strong Passwords

Implementing multi-factor authentication (MFA).

2. Regular Software Updates

Patching vulnerabilities.

3. Firewalls and Antivirus Software

Protecting systems from malicious attacks.

4. Network Encryption

Securing data transmission.

5. Security Awareness Training

Educating users about phishing and social engineering threats

Computer

HARSH
BCA Final Year (11477)

A machine of metal and wire,
A device that we all admire,
The computer sits upon our desk,
An endless world, at our request.

With a click of mouse, we can explore,
A vast universe, never seen before, From information to entertainment,
The computer provides an endless engagement.

We can write a letter, create a design,
And with a printer, have it refined,
We can share our work with the world,
With just a few clicks, our message unfurled.

The computer allows us to connect,
To people and places, we cannot reject,
Through video and voice, we can communicate,
With anyone, anytime, never too late.

But with all its glory and might,
The computer can also be a blight,
If we let it control our every thought, And forget the world, that we have wrought.

So let us use this tool with care,
To create and connect, but also be aware,
That life is not just a digital screen,
But a beautiful world, waiting to be seen.

Brain - Computer Interfaces

HIMANSHU
BCA Final Year (11589)

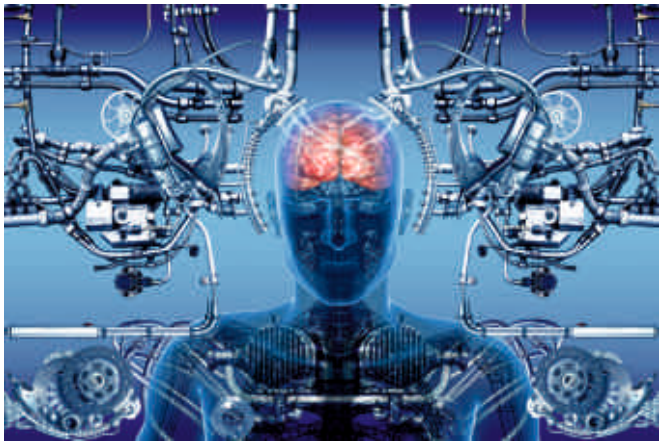

Brain-Computer Interfaces (BCIs): When Your Thoughts Control Technology Imagine using your mind to play games, move robots, or even talk without speaking. Welcome to the world of BCIs!

What Are BCIs?

A Brain-Computer Interface (BCI) is like a translator between your brain and a computer. It reads signals from your mind (like focus, relaxation, or even imagined movements) and turns them into actions on a screen or machine. Think of it as a magical bridge that lets your thoughts control the world around you.

How Do BCIs Work?

1. **Listen to Your Brain:**

* Sensors (placed on your head or inside your brain) pick up tiny electrical signals your brain makes when you think.

* **Example:**

  An EEG headband (like a futuristic headband) can sense if you're focused or calm.

2. **Decode the Signals:**

* A computer uses smart algorithms (like a recipe) to understand what your brain is trying to say.

* **Example:**

  Thinking "move left" might make a robot arm turn left.

3. **Make It Happen:**

* The computer sends commands to devices like wheelchairs, video games, or even musical instruments!

Cool Ways BCIs Help People

1. **Medical Miracles:**

* Help paralyzed people move robotic arms or type messages with their minds.
* Let people who can't speak "talk" by imagining words.

2. **Superpower Gaming:**

* Play games where your focus controls the action. The calmer you are, the stronger your moves!
* **Fun Fact:** Some games let you throw objects with your thoughts!

3. **Art & Music:**

* Create paintings or music just by thinking about colors or melodies.
* **Example:** An artist made a song using brainwaves instead of instruments!

4. **Everyday Life:**

* Control smart home devices (lights, TVs) without lifting a finger.

Challenges: It's Not Perfect Yet

Reading Minds is Hard:

BCIs sometimes mix up signals (like thinking "yes" Vs "no").

Cost:

Some devices are expensive or need surgery.

Privacy:

Could hackers steal your brain data? Scientists are working on safety rules.

The Future: A World Powered by Thoughts

No More Screens: Control phones or cars just by thinking.

* **Learn Faster:**

  BCIs could help you study by tracking when your brain is most focused.

* **Connect Minds:**

  Share ideas directly from one brain to another (like telepathy!).

Machine Learning: Revolutionizing the Future

Brij Mohan Singhal
BCA 2nd Year (14170)

Introduction: In today's fast-paced world, technology is advancing at an unprecedented rate. One of the most revolutionary technologies making waves across various industries is machine learning. But what exactly is machine learning, and how is it transforming the way we live and work?

What is Machine Learning?

Machine learning is a subset of artificial intelligence that allows computers to learn and improve from experience without being explicitly programmed. In simpler terms, it is a way for machines to learn patterns and make decisions based on data without human intervention. This technology can analyze vast amounts of data and make predictions or decisions that can greatly benefit businesses and society as a whole.

How Does Machine Learning Work?

Machine learning algorithms use statistical techniques to enable computers to improve their performance on a task through experience. These algorithms analyze data, identify patterns, and make decisions based on the information gathered. Through a process called training, the machine learning model becomes more accurate over time as it learns from new data.

What Are the Applications of Machine Learning?

Machine learning has various applications across various industries, including healthcare, finance, marketing, and more. In healthcare, machine learning is used to improve diagnostics, personalized treatment plans, and drug discovery. In finance, machine learning algorithms are used for fraud detection, risk assessment; and trading strategies.

The Future of Machine Learning

The future of machine learning is bright, with endless possibilities for innovation and growth. As technology continues to advance, machine learning will play a crucial role in shaping the future of industries worldwide. From autonomous vehicles to personalized medicine, machine learning is revolutionizing the way we work, live, and interact with the world around US.

Conclusion

In conclusion, machine learning is a powerful technology that is transforming the way we live and work. With its ability to analyse data, identify patterns, and make decisions, machine learning is revolutionizing industries and driving innovation on a global scale. As we look to the future, the possibilities of machine learning are limitless, and its impact will continue to shape our world for years to come.

Autonomous Systems: The Rise of Self-Healing Architectures

HIMANSHU
BCA Final Year (11589)

Autonomous systems, powered by AI and machine learning, are revolutionizing industries by performing tasks without human intervention. A key innovation within these systems is self-healing architectures, which detect, diagnose, and resolve issues in real time, ensuring reliability and efficiency.

How Self-Healing Works:

1. **Monitoring:** Sensors and logs track system performance.
2. **Diagnostics:** AI identifies root causes of issues.
3. **Decision-Making:** ML evaluates solutions.
4. **Remediation:** Automated actions (e.g., restarting services) restore functionality.

Applications:

- **Cloud Computing:** AWS (Amazon Web Services) and Kubernetes self-heal by scaling resources or restarting failed components.

  Telecommunications: 5G networks optimize connectivity autonomously.
  Autonomous Vehicles: Self-driving cars use redundancy to address sensor failures.

Smart Grids: Energy systems redistribute load during outages.

Benefits:

- Minimizes downtime and operational costs.
- Scales effortlessly with growing complexity.

Challenges:

- Security risks from autonomous processes.
- Integration with legacy systems.
- Ethical concerns around accountability.

Conclusion:

Self-healing architectures are transforming autonomous systems, making them more resilient and efficient. While challenges remain, their potential to create self-sustaining, adaptive systems is undeniable, paving the way for a smarter, more reliable future.

Computer in Today's World

NITIN
BCA 2nd Year (14137)

Imagine a day without computers - no online classes, no video calls, no games, and no instant answers from Google! Sounds impossible, right? That's because computers have become the heart of today's world.

From helping students explore the universe of knowledge to running big businesses, computers are everywhere. They are like digital wizards - keeping our secrets safe, solving tricky problems, and even bringing entertainment right to our fingertips.

Whether it's booking a ticket, chatting with a friend miles away, or creating the next big invention, computers make it all happen. In short, computers are not just machines; they are our smart companions, shaping the future every second.

Computer Talk

NITESH KUMAR YADAV
BCA Final Year (11425)

I speak to my Computer,
Sometimes it answers back,
Through people that I've never met,
Keeps new events on track.

The past, present and future,
Computer, does adapt,
Can take you almost anywhere,
Especially with laptop.

I live in my computer,
It is my second home,
I travel and I write my life,
And never am alone.

However, I must truly say,
Amazing as You are!
You certainly cannot replace,
The sweetness of a warm embrace,
Nor reaching for that star.

Why programming is important in our life

DEEPANSHI
BCA 2nd Year (14120)

Why pragramming is important in our life:-

Programming is important in our lives because it teacher crucial problem - solving skills by breaking down complex issues into logical steps, allowing us to create solutions through code.

Key points about the importance of programming:

Problem - solving:- Programming is fundamentally about identifying problems and devising logical solutions through code, enhancing your ability to tackle challenges in different areas of life.

Future - proofing skills:- As technology continues Continues to evolve, coding skills will remain valuable and relevant in the job market.

Career opportunities:-

Proficiency in programming opens doors to a wide range of jobs in the tech industry and beyond, from software development to data analysis and automation.

Creativity:- Coding allows you to explore different approaches and design innovative solutions, fostering a creative mindset.

Hacking

AMAN
BCA Final Year (11487)

Hacking refers to the process of gaining unauthorized access to computer systems, networks, or data. It can be used for both ethical and malicious purposes. Ethical hackers work to improve security, while cybercriminals exploit vulnerabilities for illegal activities.

Types of Hacking:

1. **White Hat Hacking:**
   Performed by security professionals to identify and fix vulnerabilities.
   Examples: Penetration testing, security audits.
2. **Black Hat Hacking:**
   Involves unauthorized access to steal, modify, or destroy data.
   Examples: Phishing, ransomware attacks.
3. **Gray Hat Hacking:**
   Falls between ethical and malicious hacking.
   Hackers may break into systems without permission but report vulnerabilities instead of exploiting them.

Common Hacking Techniques:

1. **Phishing-** Sending fake emails or messages to steal credentials.
2. **Malware -** Deploying malicious software like viruses and trojans.
3. **Brute Force Attacks-** Repeatedly guessing passwords.
4. **SQL Injection -** Exploiting database vulnerabilities to gain access.

Cybersecurity Measures:

1. **Using Strong Passwords -** Implementing multi-factor authentication (MFA).
2. **Regular Software Updates -** Patching vulnerabilities.
3. **Firewalls and Antivirus Software -** Protecting systems from malicious attacks.
4. **Network Encryption -** Securing data transmission.
5. **Security Awareness Training -** Educating users about phishing and social engineering threats.

The Good Use of the Internet

AMAN
BCA Final Year (11487)

The internet has revolutionized modern life, providing access to information, communication, and entertainment. However, its benefits depend on how we use it. Making good use of the internet can enhance productivity, education, and well-being.

1. **Education and Learning :** The internet is a vast resource for knowledge. Online courses, educational videos, e-books, and research materials allow individuals to learn new skills and stay updated. Websites like Coursera, Khan Academy, and edX offer free and paid courses on various subjects, making quality education accessible to all.
2. **Communication and Connectivity :** Social media, emails, and video calls have made it easier to connect with family, friends, and colleagues worldwide. Platforms like Zoom, WhatsApp, and Google Meet facilitate seamless communication, benefiting both personal and professional interactions.
3. **Productivity and Work :** Many businesses rely on the internet for remote work, collaboration, and project management. Tools like Slack, Trello, and Google Workspace improve efficiency and help teams stay organized. Freelancing platforms also provide employment opportunities, allowing people to work from anywhere.
4. **Research and Innovation :** The internet enables researchers, scientists, and developers to share and access valuable data. Open-source communities contribute to technological advancements, fostering innovation in fields like artificial intelligence, medicine, and engineering.
5. **Entertainment and Creativity :** From streaming movies and music to creating digital art, the internet offers endless entertainment and creative opportunities. Platforms like YouTube, Spotify, and Netflix provide entertainment, while tools like Photoshop and Canva help artists express their creativity.
6. **Financial Management :** Online banking, stock trading, and digital payments have simplified financial transactions. Apps like PayPal, Google Pay, and cryptocurrency exchanges make managing money more convenient and secure.
7. **Health and Well-being :** Tele medicine, fitness apps, and mental health resources help individuals take care of their health. Websites like Web MD provide medical information, while apps like MyFitnessPal track fitness goals.

The Role of Information Technology in Modern Society

AKASH
BCA Final Year (11513)

Information Technology (IT) has become an integral part of modern life, transforming industries, businesses, and daily activities. From cloud computing to artificial intelligence, IT innovations continue to shape the way people communicate, work, and interact with the digital world.

1. **The Importance of IT in Business**

   IT plays a crucial role in businesses by improving efficiency, security, and decision-making. Companies leverage IT for:

   Data Management: Cloud storage and big data analytics help organizations process and store vast amounts of information securely.

   Cybersecurity: Advanced security systems protect businesses from cyber threats and data breaches.

   Automation: AI-powered tools and robotic process automation (RPA) streamline operations, reducing costs and errors.

2. **IT in Everyday Life**

   The impact of IT extends beyond business and into everyday life:

   Communication: Social media, video conferencing, and instant messaging platforms allow seamless global communication.

   Smart Devices: IoT (Internet of Things) devices, such as smart home systems, enhance convenience and security.

   E-Commerce: Online shopping platforms have revolutionized retail, offering personalized experiences to consumers.

3. **Emerging IT Trends**

   Several key trends are shaping the future of IT:

   Artificial Intelligence (AI) & Machine Learning: These technologies enhance automation, cybersecurity, and decision-making.

   5G Technology: Faster, internet speeds enable better connectivity and new digital services.

   Blockchain: Secure, decentralized ledgers improve transparency in transactions and data sharing.

   Quantum Computing: Promising breakthroughs in computing power for complex problem-solving.

Networking: The Backbone of Digital Communication

NEHA
BCA Final Year (11511)

Networking refers to the practice of connecting computers and other devices to share resources, exchange data, and communicate efficiently. It is the foundation of the internet, cloud computing, and modern digital communication, enabling seamless interaction between individuals, businesses, and organizations worldwide.

Types of Networks

1. **Local Area Network (LAN) :** A LAN connects devices within a limited area, such as homes, offices, or schools. It offers high-speed data transfer and is commonly used for internal communication and resource sharing.
2. **Wide Area Network (WAN) :** A WAN covers a larger geographic area, connecting multiple LANs through routers and communication links. The internet is the largest example of a WAN, allowing global connectivity.
3. **Metropolitan Area Network (MAN) :** A MAN spans a city or a large campus, providing a network infrastructure that is larger than a LAN but smaller than a WAN. It is used by businesses, universities, and government agencies.
4. **Wireless Networks :** Wireless networks use radio waves, infrared signals, or satellites to connect devices without physical cables. Examples include Wi-Fi, Bluetooth, and cellular networks (3G, 4G, 5G).
5. **Peer-to-Peer (P2P) Networks :** In a P2P network, devices communicate directly without a central server, enabling file sharing and decentralized computing. Examples include BitTorrent and blockchain networks.

Key Networking Components

1. **Router :** A router directs data packets between networks, enabling internet access and connecting different network segments.
2. **Switch :** A switch manages data traffic within a network by forwarding data to the correct device based on MAC addresses.
3. **Modem :** A modem converts digital signals into analog signals (and vice versa) to enable internet access over telephone lines or cable networks.
4. **Firewall :** A firewall protects networks from cyber threats by filtering incoming and outgoing traffic based on security rules.

Cyber Security: Protecting the Digital World

GULSHAN KUMAR
BCA 2nd Year (14180)

Introduction to Cyber Security:-

Cyber security refers to the practice of protecting computers, networks, and data from unauthorized access, attacks, and damage. It is like putting locks on the doors of your house but for your digital information. The goal of cyber security is to prevent hackers or malicious software (called malware) from harming your computer systems or stealing sensitive information.

Importance of Cyber Security :-

In today's world, many activities take place online. People use the internet to communicate, shop, do business, and even control important services like electricity and healthcare systems. This means that protecting this digital information has become very important. Without proper security measures, individuals, companies, and even governments could lose critical data or face huge financial losses.

Key Elements of Cyber Security :-

1. **Confidentiality:-** This ensures that sensitive information is only available to authorized people. For example, only you should be able to access your email or bank account details.
2. **Integrity:-** This means keeping information accurate and free from unauthorized changes. For instance, no one should be able to modify your data without permission.
3. **Availability:-** This ensures that information is available to the right people when they need it. For example, if a business's website goes down, customers won't be able to access services.

Common Cyber Security Threats :-

1. **Malware:** Malware is any software created to cause harm. It includes viruses, worms, trojans, and ransomware. These programs can damage your computer or steal your personal data.

   Phishing :- Phishing involves tricking people into revealing personal information like passwords 2 or credit card numbers. This is usually done by sending fake emails that appear to be from legitimate sources.
3. **Hacking:-** Hackers try to break into systems to steal data or cause harm. This can be done through weak passwords or vulnerabilities in software.
4. **Denial of Service (DoS) Attacks:-** This attack floods a website or system with too much traffic, causing it to crash and become unavailable to users.
5. **Man-in-the-Middle Attack:** In this attack, a hacker secretly intercepts and possibly

alters communication between two parties. For example, during online banking, a hacker may steal your information.

Ways to Protect Against Cyber Threats :-

1. **Using Strong Passwords :-** A strong password is a combination of letters, numbers, and symbols. Avoid using easy-to-guess passwords like your name or birth date. Always use unique passwords for different accounts.

   Installing Antivirus Software:- Antivirus software helps detect and remove malware from your computer. It acts like a guard that prevents harmful programs from entering your system

3. **Updating Software:** Regularly update your computer's operating system, applications, and security programs. Updates often fix weaknesses that hackers could exploit.
4. **Firewalls:-** Firewalls act as a barrier between your device and the internet, blocking unauthorized access while allowing legitimate communications.
5. **Backing Up Data:-** Always keep copies of important files on a separate device or cloud storage. This ensures you don't lose data if your system is compromised.
6. **Two-Factor Authentication (2FA):-** This security feature requires you to provide two types of verification (such as a password and a code sent to your phone) before accessing an account, making it harder for hackers to break in.

Cyber Security for Individuals vs. Organizations :-

Individuals :- Everyday people need cyber security to protect their personal information, such as social media accounts, emails, and online banking details.

Organizations:- Companies need even stronger security to protect their employees' and customers' information. They also need to protect their systems from downtime, which could lead to lost revenue.

The Future of Cybersecurity :-

As technology advances, so do cyber threats. Cybersecurity experts are constantly developing new tools and methods to stay ahead of hackers. In the future, we can expect stronger defenses like advanced encryption techniques, AI-based threat detection, and more secure online platforms. However, no matter how advanced cybersecurity becomes, individuals must still play their part in protecting themselves online. Awareness and safe practices will always be key in staying safe in the digital world.

Conclusion:-

Cyber security is a crucial aspect of the digital world. As more of our daily activities take place online, the risks of cyber threats grow. Understanding the basics of cyber security can help individuals and organizations protect their data from malicious attacks. Simple actions like using strong passwords, keeping software updated, and being cautious about suspicious emails can go a long way in keeping us safe online.

Beyond Crypto-currency: Transforming Industries

JASMEET SINGH
BCA Final Year (11443)

Blockchain technology is often associated with cryptocurrencies like Bitcoin, but its potential extends far beyond digital currencies. At its core, blockchain is a decentralized and transparent digital ledger that ensures data security and trust without the need for intermediaries. This technology is now revolutionizing various industries, bringing efficiency, security, and transparency to critical sectors.

In finance and banking, blockchain is enabling secure cross-border transactions, reducing fraud, and powering decentralized finance (DeFi) platforms through smart contracts. The healthcare industry is also benefiting from blockchain, as it allows secure patient data management, interoperability between medical institutions, and counterfeit drug prevention through supply chain tracking. Similarly, in supply chain i management, blockchain ensures real-time tracking of goods, enhances product authenticity, and minimizes fraud. Governments are exploring blockchain for secure digital identity verification, transparent voting systems, and land registry management. Additionally, in the entertainment and intellectual property sectors, blockchain is helping protect copyrights, ensure fair compensation for creators, and prevent digital piracy.

Despite its potential, blockchain still faces challenges such as scalability, high energy consumption, and regulatory uncertainties. However, continuous advancements and wider adoption are paving the way for a future where blockchain becomes an integral part of everyday transactions and digital interactions. As industries embrace this transformative technology, blockchain's impact will go far beyond cryptocurrency, shaping a more secure and efficient digital world.

हिंदू शिक्षण संस्था के श्याम कपूर बने प्रधान

शिक्षकों ने किया विश्व पुस्तक मेले का भ्रमण

रोहतक : श्री लालनाथ कॉलेज के शिक्षक वर्ग ने दिल्ली में चल रहे विश्व पुस्तक मेले का भ्रमण किया। प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार तनेजा ने बताया ... 2025 ...

प्लेसमेंट ड्राइव में 42 छात्रों का हुआ नौकरी के लिए चयन

सेपक टकरा में लालनाथ हिंदू कॉलेज तृतीय

संवाद न्यूज एजेंसी

हिंदू कॉलेज के कैंप में कैडेट्स को हथियार चलाना सीखाया

मुख्य वक्ता को सम्मानित करते प्राचार्य डा. अनिल कुमार तनेजा।

हिन्दू महाविद्यालय में कॉपीराइट, पेटेंट और ट्रेडमार्क पर विस्तार व्याख्यान आयोजित

अहिल्याबाई ने एक कुशल प्रशासक, सशक्त नारी तथा समाज सुधारक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : सीता राम

वाई.आर.सी. इकाई ने स्लम बस्तियों में बांटे सैनेटरी पैड्स, जागरूकता अभियान से जोड़ी संवेदना

दैनिक चेतना

विद्यार्थियों ने किया आईबीएस का शैक्षणिक भ्रमण

डॉ. मंगल सेन सादगी व ईमानदारी के प्रतीक : डॉ. कृष्णा

मानवता की भलाई के लिए हर पात्र करें रक्तदान : डा. मिड्ढा

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पारदर्शी चुनाव के लिए हुए अनेक बदलाव : उपायुक्त

स्वच्छता को लेकर निकाली रैली जल संरक्षण का भी दिया संदेश

2 सर्टिफिकेट कोर्स का हुआ शुभारंभ

योग की उपयोगिता की जानकारी दी

शैक्षणिक विकास के साथ-साथ कौशल विकास भी बहुत आवश्यक है : अनिल तनेजा

महाविद्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

समाचार वाचन में अनमोल ने प्रथम और स्नेहा ने पाया द्वितीय स्थान

SH. L.N. HINDU COLLEGE, ROHTAK

A Govt. Aided Post Graduate Co-Educational College,
Affiliated to M.D. University, Rohtak, Approved by AICTE, New Delhi,
NAAC Accredited & ISO 9001: 2015 Certified Institute
Bhiwani Road, Rohtak
www.hinducollegerohtak.com | Email: hindu_bca@yahoo.com